राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा 2021-2022

वार्षिक प्रतिवेदन
और
वार्षिक लेखा
2021-2022

राष्ट्रीय बाल भवन
कोटला मार्ग, नई दिल्ली-110002

भाग क

वार्षिक प्रतिवेदन

2021-22

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

जो कुछ हमारा है वो हम तक तभी पहुँचता है,
जब हम उसे ग्रहण करने की क्षमता विकसित करते हैं।

– रबीन्द्रनाथ ठाकुर

अनुक्रमणिका

भाग क – वार्षिक प्रतिवेदन

	अध्यक्ष की कलम से	*v*
	निदेशक की कलम से	*vii*
	राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2022 तक	*ix*
1.	परिचय	1
2.	हमारा मिशन, हमारा दृष्टिकोण	2
3.	लक्ष्य और उद्देश्य	3
4.	राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका	4
5.	सदस्यता संख्या 2021–22	5
6.	गतिविधियाँ – एक नज़र में	6
7.	राष्ट्रीय बाल संग्रहालय	15
8.	राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र	16
9.	हमारे कार्यक्रम	16
10.	विस्तृत रिपोर्ट	17
11.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	52
12.	दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र	63
13.	संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट	66
14.	भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची	75
15.	राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र	88
16.	31.03.2022 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची	90

भाग ख – वार्षिक लेखा

I. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट 95

II. राष्ट्रीय बाल भवन तुलन पत्र

1. तुलनपत्र 96
2. आय तथा व्यय खाता 97
3. प्राप्ति तथा अदायगी खाता 98

III. अनुसूचियाँ

4. अनुसूची-1 – पूंजीगत निधि 99
5. अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि 100
6. अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध 101
7. अनुसूची-4 – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां) 102
9. अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश 103
10. अनुसूची-6 – निवेश अन्य 103
11. अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तिया 104
12. अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा 105
13. अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां 106
14. अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान) 107
15. अनुसूची-11 – निवेश से आय 108
16. अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज 108
17. अनुसूची-13 – अन्य आय 109
18. अनुसूची-14 – गत अवधि की आय 110
19. अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय) 110
20. अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ 111
21. अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय 112
22. अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय 113
23. अनुसूची-18 – परिवहन व्यय 114
24. अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण 114
25. अनुसूची-20 – वित्त लागत 115
26. अनुसूची-21 – अन्य व्यय 115
27. अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय 115

IV. भविष्य निधि – जी.पी.एफ.

28. तुलनपत्र 116
29. आय एवं व्यय खाता 117
30. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 118

V. नई पेंशन योजना

31. तुलनपत्र 119
32. आय एवं व्यय खाता 120
33. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 121

VI. लेखाकरण नीतियाँ एवं लेखा नोट्स

37. अनुसूची-23 – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ 122
38. अनुसूची-24 – लेखा नोट्स 124

भाग ग – लेखा रिपोर्ट

VII. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट 127

VIII. लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक 132

अध्यक्ष की कलम से

राष्ट्रीय बाल भवन, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है। जो बच्चों की रचनात्मक क्षमता और कौशल को विकसित करने के लिए उनकी आयु, दक्षता और सार्म्थय के अनुसार विभिन्न गतिविधियां और अवसर प्रदान करता है। यह संस्था एक ऐसे केन्द्र के रूप में उभरा है जहां बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एक स्थान पर उनके समग्र व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ एकता की भावना का सुदृढ़ बना सके। राष्ट्रीय बाल भवन 5-16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को बहुआयामी और सहभागी तरीके से सीखने के अनूठे अनुभव हेतु आमंत्रित करता है। भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर परिवार से हैं जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएं भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने में प्रयासरत है।

वर्ष 2021-2022 में राष्ट्रीय बाल भवन ने नवीन कार्यक्रमों के अतिरिक्त नियमित कार्यकलापों को भी आयोजित किया है। कार्यकलाापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। वैश्विक महामारी की इस अवधि में राष्ट्रीय बाल भवन के गतिविधि कर्मचारियों ने सभी साप्ताहिक योजनाएँ और वीडियो लिंक वेबसाइट पर उपलब्ध किए और यू-ट्यूब, फेस बुक और राष्ट्रीय बाल भवन की वेबसाइट पर अपलोड किए।

महामारी की अवधि के दौरान माह अप्रैल, 2021 से जनवरी, 2022 तक वैकल्पिक दिनों में 50% उपस्थिति पर कर्मचारियों के कर्तव्यों का रोस्टर परिचालित किया गया और उनका पालन किया गया। राष्ट्रीय बाल भवन को नियमित छात्रों के साथ-साथ अनियमित छात्रों से भी अद्भुत प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई। हजारों बच्चों ने आभासी प्रक्रिया माध्यम से बाल भवन में विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। कोविड-19 से बचाव हेतु निर्दिष्ट दिशा निर्देशों का पालन करते हुए 75वें आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के अंतर्गत अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जैसे : विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस, सार्वजनिक आउटरिच कार्यक्रम, शहीद दिवस, अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस।

राष्ट्रीय बाल भवन का विज़न प्रत्येक बच्चे को अपनी सोच में एक रचनात्मक, मानवीय, अभिनय और आनन्दमय विषय की ओर पूरी तरह से भाग लेने, योगदान करने एवं प्रयास करने के अवसर प्रदान करना है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों के लिए अनौपचारिक शिक्षा की एक अद्वितीय एवं अनुकरणीय संस्था के रूप में विद्यमान है। अन्य देशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करता है। बाल सभाओं एवं अंतर्राष्ट्रीय एकता शिविरों का आयोजन करता है, जहाँ अन्य देशों के बच्चे भी भाग लेते हैं।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर प्रत्येक वर्ष 14 नवम्बर से 16 नवम्बर तक आयोजित किया जाता है। शिविर में सभी राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र के बच्चे/सभी वर्गों के बच्चे एक सामान्य मंच पर ज्ञान प्राप्त करते हैं।

अप्रैल, 2022
नई दिल्ली

आर. सी. मीना
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय बाल भवन 5 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए अनौपचारिक शिक्षा का केन्द्र है। यह संस्था बच्चों को तनावमुक्त और भयमुक्त वातावरण प्रदान करते हुए संभावनाओं का एक बड़ा दायरा उपलब्ध कराती है। राष्ट्रीय बाल भवन और उससे जुड़े संस्थान, विशेषरूप से समाज के निम्न वर्ग के बच्चों के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

बाल भवन ने देशभर में 141 सम्बद्ध बाल भवनों और बाल केन्द्रों के साथ एक आन्दोलन का रूप ले लिया है। इसके अतिरिक्त माण्डी गाँव, दिल्ली में एक ग्रामीण जवाहर बाल भवन एवं 49 बाल भवन केन्द्र भी दिल्ली में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों के अतिरिक्त "बालश्री सम्मान" बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को पहचान कर उन्हें विकसित करने की एक बहुत ही प्रतिष्ठित योजना है। इसका मूल उद्देश्य बच्चों को ऐसे अवसर प्रदान करना है जो जिज्ञासा को प्रज्जवलित कर दृश्य कला, वैज्ञानिक गतिविधियों एवं शारीरिक गतिविधियों में लिप्त गतिशील अनुभवों के माध्यम से संभावनाओं को उजागर करना है। उन मूल्यों को पोषित करना है जो विश्व के समग्र नागरिकों को आत्मविश्वासी एवं जिम्मेदार बनाते हैं। सदस्य बच्चों द्वारा विशेष विषयों, विषयवस्तु एवं कार्यों पर अस्थायी प्रदर्शनियां आयोजित की जाती हैं।

राष्ट्रीय बाल भवन का उद्देश्य है :- अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली द्वारा बच्चों में विश्वास, आत्मनिर्भरता, सम्प्रभुता और नैतिक मूल्यों को विकसित करना जिससे कि वे अपने राष्ट्र को मजबूत और समृद्ध बना सकें। बच्चों के अन्दर छिपी प्रतिभा को उजागर करने और उन्हें विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं।

कोविड-19 से बचाव हेतु जनवरी एवं फरवरी माह में कर्मचारियों ने रोस्टर प्लान के अनुसार कार्य किया और दिशा निर्देशों का पालन करते हुए राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में एवं ऑनलाइन माध्यम से कई कार्यक्रमों का भी आयोजन किया।

राष्ट्रीय बाल भवन प्रति वर्ष बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान ग्रीष्मोत्सव समारोह आयोजित करता है जिसमें बच्चे विभिन्न गतिविधियों को सीखते हैं और संग्रहालय, पर्यावरण अनुभाग, कम्प्यूटर अनुभाग, सृजनात्मक कला, फोटोग्राफी अनुभाग आदि द्वारा आयोजित विषय-आधारित कार्यशालाओं में भाग लेते हैं।

दीपा

अप्रैल, 2022
नई दिल्ली

दीपा आनन्द
निदेशक

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2022 को

1. श्री आर. सी. मीना (संयुक्त सचिव) – **अध्यक्ष**
   स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

2. श्री आनन्द प्रकाश – **उपाध्यक्ष**
   आर-2/83, राज नगर
   गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

3. शोभित गुप्ता (निदेशक वित्त) – **शिक्षा मंत्रालय के आई. एफ.डी. प्रतिनिधि**
   स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

4. श्रीमती रितु अग्रवाल (निदेशक) – **शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि**
   स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

5. श्रीमती दीपा आनन्द (उप सचिव, शिक्षा मंत्रालय) – **सदस्य सचिव**
   निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन
   कोटला रोड, नई दिल्ली-110002

सपने वो नहीं है जो आप नींद में देखें,
सपने वो हैं जो आपको सोने ही न दें।

– ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

परिचय

राष्ट्रीय बाल भवन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था है। यह संस्था 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एक गैर-औपचारिक शिक्षा का केन्द्र है। इसकी स्थापना 1956 में हुई थी। बच्चों की सोच, कल्पना तथा सृजनात्मक व आमोदपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से उन्मुक्त प्रदर्शन के स्वप्न को केन्द्र में रखकर भारत के पहले प्रधानमंत्री द्वारा इसकी नींव रखी गई। बाल भवन देश के चारों कोनों में 141 मान्यता प्राप्त बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों के साथ एक आन्दोलन का रूप ले चुका है। इसके अलावा 49 बाल भवन केन्द्र और दिल्ली के माण्डी गाँव में एक ग्रामीण जवाहर बाल भवन भी कार्यरत है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न गतिविधियां एवं अवसर उपलब्ध कराकर बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करने, अभिव्यक्ति, प्रयोग, सृजन एवं कलाप्रदर्शन का सामूहिक मंच उपलब्ध कराता है। यह संस्था बच्चों को किसी भी प्रकार के भय अथवा तनाव से मुक्त वातावरण में, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर प्रकार से संभावनाएं प्रदान करती है। राष्ट्रीय बाल भवन व इसकी मान्यता प्राप्त संस्थाओं में बच्चों, विशेषकर समाज के वंचित वर्गों के लिए नियमित कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

इस संस्था का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियों, अवसर, विचार-विमर्श, अनुभव, सृजन द्वारा एक सांझे मंच पर कार्य करके सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। बाल भवन बच्चों को सम्पूर्ण सृजन की स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ-साथ खेल-खेल की पद्धति से भी सीखने का अवसर प्रदान करता है तथा नृत्य, नाटक, संगीत, सृजनात्मक कला, छायांकन, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से उनकी सृजनात्मक क्षमता का विकास करता है। राष्ट्रीय बाल भवन, सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल बन बच्चों को एकत्रित करके उनके चहुंमुखी व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ वसुधैव कुटुंबकम की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

प्रत्येक वर्ष हज़ारों की संख्या में बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। सन् 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज़ इलाकों के बच्चों तक पहुंचने के लिए दिल्ली राज्य के कई क्षेत्रों में 49 बाल भवन केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये बाल भवन केन्द्र सभी पृष्ठ भूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुतः राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो राष्ट्रीय बाल भवन के अधीन संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को समानांतर सेवाएं उपलब्ध कराती है। राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र, देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए हैं और वे सभी जगह समान सेवायें प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन सभी के लिए सृजनात्मकता, नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है।

बालश्री योजना मुख्य चार विधाओं अर्थात् सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला एवं सृजनात्मक वैज्ञानिक नवीनीकरण में 1995 में देश भर में शुरू की गई थी, जिसके द्वारा देश के सृजनशील बच्चों का चयन किया जाता है। अक्तूबर-नवम्बर, 2015 में बालश्री योजना में संशोधन किया गया। 31 मार्च, 2021 तक देश भर से कड़ी चयन प्रक्रिया के माध्यम से 745 बच्चों को पुरस्कार हेतु चुना जा चुका है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को इस खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय एवं नवोन्मेषी एवं अद्भुत परिवेश में पूर्ण रूप से योगदान करने और प्रयास करने के अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

जिज्ञासा एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधि, शारीरिक क्रियाकलापों आदि के माध्यम से सम्भावनाओं के आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जिससे आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित हो सके।

लक्ष्य और उद्देश्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य है, बच्चों में विश्वास, आत्म-निर्भरता, धर्म-निरपेक्षता की प्रवृत्ति तथा मूल्यों के प्रति प्रेम जागृत करना जिससे वे राष्ट्र को शक्तिवान व सम्पन्न बनाने में योगदान दे सकें। ऐसे ही सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला, शारीरिक शिक्षा, वैज्ञानिक नवप्रयोग, छायांकन, गृह प्रबंधन तथा संग्रहालय तकनीक आदि के शिक्षण की अनौपचारिक पद्धति के माध्यम से बच्चों को अपनी सृजनात्मकता को विकसित करने के अवसर प्रदान करना है। बाल भवन इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु बाल भवन के दर्शन का प्रसार करते हुए कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की सृजनात्मकता को पहचानता है व पोषित करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य

1 बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।

2 बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।

3 स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध बनाने हेतु कुछ शैक्षिक सेवाएं प्रदान करना।

4 कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।

5 मनोविनोद गतिविधियों से जुड़े कामगारों और बाल संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।

6 राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।

7 मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।

8 सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करना।

9 बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ-साथ आधुनिक भारत का विकास करने में सहायक हों।

10 उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

सदस्यता संख्या 2021-22

राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत चल रहे दिल्ली के 49 बाल भवन केन्द्रों में बच्चे वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं।

राष्ट्रीय बाल भवन का सभी क्षेत्रों के बच्चों का सृजनात्मक विकास करना ही केन्द्रीयभूत लक्ष्य है। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे अनेकानेक गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं और ये गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगींण विकास हेतु तैयार की जाती हैं।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों, दिव्यांगजन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के बच्चों को नि:शुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती है।

सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं –

क्र.सं	बाल भवन	पंजीकरण
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	कोविड-19 के तहत वर्ष 2021-2022 के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में पंजीकरण संख्या शून्य रही, लेकिन रा.बा.भ. अपने पूर्व सदस्य बच्चों के साथ ऑन-लाईन माध्यम से जुड़ा रहा।
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	कोविड-19 के तहत वर्ष 2021-2022 के दौरान ऑन लाइन प्रक्रिया द्वारा 171 पंजीकरण संख्या रही।
3.	बाल भवन केन्द्र	.....

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या –

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल एवं गैर सरकारी संस्थान	नि:शुल्क संस्थाएँ
1	कोविड-19 के तहत वर्ष 2021-2022 के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में पंजीकरण संख्या शून्य रही।	कोविड-19 के तहत वर्ष 2021-2022 के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में पंजीकरण संख्या शून्य रही।

नोट :

1. **प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 5 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए सदस्यता शुल्क 200 रूपये है।**
2. **अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग बच्चों के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर सदस्यता शुल्क नि:शुल्क है।**
3. **पब्लिक स्कूलों व गैर सरकारी संस्थानों से सदस्यता शुल्क 1000 रूपये प्रति वर्ष लिया जाता है।**
4. **राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को नि:शुल्क सदस्यता प्राप्त है।**

गतिविधियाँ - एक नज़र में

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनके सौंदर्यबोध की अलग-अलग विधाओं का विकास करना तथा उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और उनको कला तथा शिल्प की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जिन्हें विभिन्न उप-भागों में विभाजित किया गया है।

मिले-जुले क्रियाकलाप

मिले-जुले अनुभाग, सभी आयु वर्ग के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले विशेषत: छोटी आयुवर्ग के बच्चे आमतौर पर परम्परागत कला का काम करना बहुत पसंद करते हैं। यह एक बहुमाध्यम अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक माध्यम से दूसरे माध्यम पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन-मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परम्परागत लोक कला इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे खिलौने और पेपरमैशी व कागज़ के शिल्प की कलात्मक वस्तुओं को बनाना भी यहाँ सीखते हैं। यह विभाग बच्चों को मेहंदी कला, मधुबनी व वर्ली कलाओं से भी परिचित करवाता है।

चित्रकला

इस अनुभाग में बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर, और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि छोटी आयु के बच्चों को। सभी बच्चे इसमें उत्साह से भाग लेते हैं। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़े बच्चे आकृति बनाने, रेखा-चित्र, प्राकृतिक दृश्य और विषय के आधार पर चित्र बनाने की कला का आनन्द उठाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाई एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग इत्यादि कार्यकलापों की तकनीक भी सिखाई जाती हैं।

हस्तशिल्प

इस अनुभाग की गतिविधियाँ विशेष हैं क्योंकि इसमें बच्चों को काम में न आने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं जैसे - पुरानी पत्रिकाएँ, कतरनें, बीज, तार, पत्तियाँ व पेड़ों के तनों की छाल, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, गत्ते के खाली डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज़, थर्मोकोल, पुराने अखबार इत्यादि के साथ प्रयोग करने की खुली

छूट मिलती है। काम न आने वाली वस्तुओं से बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर कृतियाँ और उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते हैं।

बुनाई

बुनाई गतिवधि भी बच्चों की एक लोकप्रिय गतिविधि है, यहाँ बच्चे बुनाई की विभिन्न तकनीकों द्वारा कई प्रकार की कलात्मक कलाकृतियां जैसे - वॉल हैंगिंग, दृश्यावली, लैम्पशेड, टेपेस्ट्री, इत्यादि बनाते हैं। उन्हें सुंदर वस्तुओं के निर्माण की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की बुनाई, गाँठे लगाना व बुनाई के डिज़ाइन सीखते हैं और दृश्यावली, आसन, तथा छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

सिलाई-कढ़ाई

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग की गतिविधियों में मैक्रामे, क्रोशिया, सिलाई-कढ़ाई, कठपुतली बनाने, खिलौने बनाने, इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाईन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भर कर खिलौने बनाने की कला भी एक लोकप्रिय गतिविधि है। बच्चे तरह-तरह के हैंगिंग्स बनाने और विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएँ आदि तैयार करने का ज्ञान प्राप्त करते हैं जिससे उनकी सृजनशीलता का विकास होता है।

मिट्टी का कार्य

इस अनुभाग की गतिविधि 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है, जो बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी मदद करती है। यहाँ बच्चे मुख, जानवर, चेहरे, दृश्य व मिट्टी की मानव आकृतियाँ एवं डिज़ाईन इत्यादि बनाना सीखते हैं और साथ ही मिट्टी, पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पैरिस के सांचे बनाने के प्रयोग भी करते हैं। मिट्टी द्वारा कास्टिंग करते हुए यह अनुभाग बच्चों को नवप्रायोगिक कार्य करने और इस प्रकार उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने का प्रयास करता है।

जिल्दसाज़ी

जिल्दसाज़ी अनुभाग की गतिविधि भी बच्चों में अत्यंत लोकप्रिय है क्योंकि इस गतिविधि के द्वारा बच्चों को किताबों को सुन्दर और सुरक्षित बनाना सिखाया जाता है। इस अनुभाग में जिल्दसाज़ी की तकनीकी कुशलताओं को जानने के अतिरिक्त बच्चे कार्डबोर्ड से सुंदर वस्तुओं को निमार्ण करना भी सीखते हैं, जिनमें गत्ता काटना, चिपकाना व सिलाई करना इत्यादि शामिल हैं। बच्चों को कई अन्य सृजनात्मक गतिविधियाँ भी बताई जाती हैं और वे उससे विभिन्न वस्तुएँ जैसे छोटी डायरी, फाइल कवर तथा कैसेट स्टैण्ड, पेन स्टैण्ड, तथा अन्य नई प्रकार की वस्तुएँ निर्माण करना सीखते हैं।

काष्ठ शिल्प

काष्ठ शिल्प अनुभाग में बच्चों को सृजनात्मक विधि द्वारा काष्ठ कला का ज्ञान दिया जाता है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान दिया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनके टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। बच्चों को वुडन फ्रेम पर वुड कटिंग द्वारा म्यूरल बनाने की तकनीक, बुरादे से पेपर पर चित्रांकन करना भी सिखाया जाता है तथा बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :- पेन-स्टैण्ड, छोटे बॉक्स, खिलौने, पेन होल्डर, डिब्बे, पॉट कवर, इत्यादि निर्मित करना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें भी बनाना सीखते हैं। उन्हें बेकार लकड़ी के टुकड़ों व बुरादे को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य एवं तरह-तरह की आकृतियाँ बनाना भी सिखाया जाता है।

विज्ञान कार्यकलाप

इस अनुभाग में विज्ञान, प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को समझाने में विश्वास रखता है। बाल भवन की विज्ञान-शिक्षण प्रणाली का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है "एकीकृत पद्धति" जिसमें विज्ञान को अन्य गतिविधियों का अखण्ड हिस्सा बनाया गया है।

विज्ञान अनुभाग के विभिन्न उप-अनुभाग हैं, जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। बच्चों को भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। इस अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, 'क्यों और कैसे क्लब' और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ-साथ क्षेत्रीय भ्रमण और विज्ञान से संबंधित फिल्म शो आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वे इन पर यथार्थ परीक्षण, तथा अन्य कई गतिविधियाँ भी कर सकते हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उनमें 'क्यों' और 'कैसे' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्न उप-अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं। इस अनुभाग में समय-समय पर विशेष फिल्म-शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं –

विज्ञान अनुभाग के निम्न उप अनुभाग हैं –

भौतिक एवं प्रकृति विज्ञान (कैसे और क्यों क्लब)

कैसे और क्यों क्लब अनुभाग में विज्ञान से सम्बंधित परियोजनायें लेने के इच्छुक बच्चों की जिज्ञासा का समाधान करने के लिए इस क्लब का सृजन किया गया था। शैक्षिक यात्रायें, वैज्ञानिक प्रश्नोत्तरी, सृजनात्मक वैज्ञानिक मॉडल बनाना, प्रयोग करना आदि क्यों और कैसे क्लब की कुछ गतिविधियाँ हैं, जो बच्चों का ज्ञान बढ़ाती हैं और उन्हें नया सीखने को उत्साहित करती हैं। विषयक कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। परीक्षण व वैज्ञानिक खेलों के लिए बच्चों को प्रयोगशाला उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

अन्वेषक क्लब

अन्वेषक क्लब अनुभाग में बच्चों को प्रयोग एवं नवोन्मेषी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, यहाँ वे मशीन मॉडलिंग के अवधारण से लेकर इन्हें डिज़ाइन करने तथा अन्ततः निर्माण करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं का ज्ञानवर्द्धन करते हैं।

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्लस अनुभाग में 10 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। यहाँ बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के साथ नए प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना जैसे अनेक कार्यकलाप सिखाए जाते हैं। यहां बच्चे डिजिटल परियोजनाओं और नई ऊर्जा-युक्तियों जैसे-सौर ऊर्जा के मॉडल का भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक लोग 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन में भी रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत की गई है, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे अपने-अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर आपसी सम्पर्क स्थापित कर सकें।

एअॅरो मॉडलिंग

राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों हेतु एअॅरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी उपलब्ध है। यहाँ बच्चे वायुगति के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखते हैं। इसके साथ ही विमानों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी उठाते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उससे संबंधित विज्ञान में रुचि पैदा कर उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत ही लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन-प्रतिदिन अधिकाधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ-साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को यहाँ सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर का यह कार्यकलाप स्कूली शिक्षा का संपूरक है। राष्ट्रीय बाल भवन इंटरनेट सम्बंधी जानकारी भी उपलब्ध कराता है, ताकि बच्चे आधुनिकतम संचारी प्रणाली से अवगत हो सकें। इस अनुभाग में अनेक सार्थक एवं नई प्रणाली की कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं। यहाँ बच्चे "फोटोशाप" एवं "डिजिटल प्रिंटिंग" तकनीकें भी सीखते हैं। साइबर सुरक्षा के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया जाता है।

पर्यावरण

हरित वाहिनी आंदोलन का आरंभ 19 नवम्बर 1986 में हुआ था। इसी मुहिम को आगे बढ़ाने हेतु पर्यावरण विभाग की स्थापना की गई थी। वनस्पति एवं जीव के अनुरक्षण के साथ-साथ संस्कृति, हस्तशिल्प, लोककला, साहित्य स्मारकों आदि के बचाव के लिए भी पर्यावरण अनुभाग द्वारा जागरूकता फैलाई जाती है। वर्षा जल संरक्षण एवं सौर उर्जा संबंधी प्रोजेक्टों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। फील्ड यात्रायें, सर्वेक्षण, व्यर्थ सामान आदि का पुनरावर्तन जैसी गतिविधियों द्वारा बच्चों को उनके आस-पास के वातावरण के प्रति जागरूक किया जाता है। अधिक से अधिक बच्चों में जागरूकता फैलाने हेतु वर्ष 1990 से अभी तक प्रति वर्ष युवा पर्यावरण वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। देश के विभिन्न भागों से बच्चे देश की किसी भी एक चयनित जगह पर एकत्रित हो पर्यावरण के विभिन्न सामाजिक, भावनात्मक एवं सांस्कृतिक पहलूओं पर विचार-विमर्श करते हैं।

खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे है। यह मानना है कि अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। राष्ट्रीय बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं। वे आकाश के ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी लेने के लिए उत्सुक रहते हैं। कुछ वर्ष पहले विभाग द्वारा दिल्ली के बच्चों हेतु एवं सार्क (SAARC) देशों के बच्चों हेतु "दूरबीन बनाने की कार्यशाला" भी आयोजित की गई।

मछली घर तथा जीव-जन्तु कार्नर

इस अनुभाग में बच्चे जीव विज्ञान की मूलभूत जानकारी हासिल करते हैं। अनुभाग द्वारा अपना मछलीघर बनाएं, जीवजन्तुओं से सम्बंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। बच्चे मछली के अनुकूलन, अनुपालन, समुद्री जीवन, समुद्री वनस्पतियों आदि की अवधारणाओं को सीखने का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा वे जीव-जन्तुओं और पालतू जानवरों के संरचनात्मक गुणों, आदतों, खानपान व रहन-सहन की परिस्थिति अनुकूलन का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इससे बच्चों में जीव जन्तुओं के प्रति अनुपालन की इच्छा पैदा होती है।

पुस्तकालय

राष्ट्रीय बाल भवन के पुस्तकालय में बच्चों के लिए ढेर सारी मनोरंजक पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कंप्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विषयों पर हैं। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि अनेक भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विभिन्न विषयों पर लिखते हैं।

बच्चों के लिए साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं के दौरान बच्चे विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। यहाँ पर कहानी सुनाने के सत्रों का आयोजन भी होता है। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु-भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद-विवाद आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अनुभाग में हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है। राष्ट्रीय बाल भवन बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्ननुसार हैं –

- वाचन प्रतियोगिता
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- सृजनात्मक लेखन
- कविता-रचना, काव्य-पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- कहानी लेखन, आशुभाषण
- स्लोगन लेखन, आलेख लेखन

छायांकन (फोटोग्राफी)

राष्ट्रीय बाल भवन में छायांकन गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को छायांकन से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे- छायांकन का इतिहास, डिजिटल कैमरे व साधारण कैमरे के विभिन्न अंग, उन्हें व्यवहार में प्रयोग करने की तकनीक आदि से परिचित कराने के साथ-साथ अभिनव तरीकों का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। छायांकन के द्वारा बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पशु-पक्षियों, उनकी आदतों, तरह-तरह की इमारतों, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और वहाँ रहने वाले लोगों की जीवन शैली आदि की फोटो खींचने के साथ-साथ उनके विषय में जानकारी भी प्राप्त करते हैं। बच्चे रोचक दृश्यों को चित्रों द्वारा संजोने व आधुनिक तरीकों का प्रयोग कर छायांकन की दक्षता में निखार लाना भी सीखते हैं। बच्चे फोटोशाप की सहायता से काफी टेबल पुस्तक बनाना भी सीखते हैं।

इस विभाग द्वारा वीडियोग्राफी की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं, जहाँ बच्चों द्वारा वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं। स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, संवाद व ध्वनि रिकार्डिंग से लेकर फिल्म निर्माण तक सभी कार्य बच्चों की टीम द्वारा प्रशिक्षकों की देख-रेख में किए जाते हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाती हैं, जिनमें बच्चों द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित किया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- डिजिटल फोटोग्राफी
- फोटोशॉप तकनीक द्वारा डिजिटल एनहेंसमेंट
- प्रकृति, स्मारक आदि की तस्वीरें लेने हेतु भ्रमण यात्रा एवं विरासत वाक
- फोटो प्रदर्शनी
- फोटोग्राफी ट्रेनिंग
- व्यस्कों हेतु कार्यक्रम

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला अनुभाग की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के द्वारा अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी व ज्ञान भी इस अनुभाग में प्राप्त करते हैं।

प्रदर्शन कला गतिविधि विभाग में निम्न उप-अनुभाग हैं –

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)
- वाद्य संगीत - (सितार, तबला एवं हारमोनियम)
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला

शारीरिक शिक्षा

खेल और शारीरिक गतिविधियाँ सभी आयु के बच्चों को प्रिय हैं। राष्ट्रीय बाल भवन का शारीरिक शिक्षा अनुभाग बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है जैसे :- टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व जूडो और स्केटिंग आदि। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है। बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूडो एक ऐसी गतिविधि है जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालय जूडो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं और उसका आनन्द उठाते हैं।

स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय है और संभवत: यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग, यहां अंतरविद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी आयोजित करता है, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती हैं। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ, ट्रैक और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है। हाल में ही निशानेबाजी एवं कैरम की गतिविधियाँ भी आरंभ की गई हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉस्केट बॉल, निशानेबाजी, चैस, कैरम)
- जूडो • स्केटिंग • व्यायामशाला (आंतरिक एवं बाह्य)

गृह प्रबंधन

गृह प्रबंधन विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थों की नई-नई विधियाँ बनाना सीखते हैं। स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं जिससे बच्चे खाना बनाने में आत्मनिर्भर बनते हैं। बच्चों को रसोई का बजट बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। उनके लिए भोजन अनुरक्षण की प्रयोगात्मक कक्षाएँ भी आयोजित की जाती हैं जो उनके लिए लाभकारी होती हैं। गृह-प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार है –

- गृह-प्रबंधन • पाक-कला, बेकिंग • भोजन-परिरक्षण • पुष्प-सज्जा

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय पूरे भारतवर्ष में अद्वितीय बाल संग्रहालय है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हज़ारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की अनुपूरक और प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है "संग्रहालय तकनीक क्लब", जिसमें मिट्टी के मोल्ड से सांचा बनाने तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा "कास्ट" (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर "पीस मोल्ड" बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख-लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है।

विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिसमें प्रमुख है बच्चों को उत्खनन-स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराना। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव उनके ज्ञान का विस्तार करता है। बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विनिमय
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- फील्ड कार्य

प्रकाशन-संबंधी गतिविधियाँ

प्रकाशन संबंधी कार्यकलाप ग्रीष्मसत्र में चलाये जाने वाला एक अद्वितीय कार्यकलाप है, जिसमें बच्चों को उनकी अपनी पत्रिका, न्यूज़ लैटर, सुलक्ष्य तथा ग्रीष्मसत्र के दौरान निकाले जाने वाले बच्चों के विशेष समाचारपत्र अक्कड़-बक्कड़ टाइम्स के संपादन, चित्रांकन तथा निर्माण करने का अवसर मिलता है। इस गतिविधि द्वारा बच्चे न केवल अखबार और पत्रिकाओं के निर्माण में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों से परिचित होते हैं बल्कि उनमें सृजनशीलता एवं आत्मविश्वास का भी विकास होता है। बच्चों को विभिन्न प्रकाशन गृहों तथा समाचार चैनलों के कार्यालयों में भी ले जाया जाता है। इसके अतिरिक्त यह विभाग विभिन्न विषयों जैसे पुस्तक चित्रांकन, पुस्तक निर्माण, विज्ञापन तैयार करना तथा डिज़ाईन बनाना आदि पर कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है, ताकि बच्चे प्रकाशन के विभिन्न पक्षों को जानें व समझ सकें।

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियों के प्रदर्शन के साथ वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है जिसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का एक महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग-अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत करता है (i) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है, जहाँ समय-समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है - इनमें प्रमुख हैं - **हमारा भारत** (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति-रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), **गौरव गाथा** (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत, इसकी संस्कृति, युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ गुड्डे-गुडियों के माध्यम से क्रम से सजाई गई है।) **सूर्य** (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोपोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाया गया है। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि की जानकारी दी गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है। तथा **पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना** (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं) ये सभी प्रदर्शनियाँ जन सामान्य हेतु खुली हैं।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र

इस अनुभाग का उद्देश्य शिक्षकों एवं व्यस्कों को सृजनात्मक कला, निष्पादन कला तथा विज्ञान आदानों के साथ समन्वित प्रशिक्षण प्रदान करना है। शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, पुस्तकालय गतिविधियों को प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त आदानों के रूप में शामिल करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। इस अनुभूति की दिशा में प्रशिक्षण को गति प्रदान की जा रही है कि बच्चे के काम को पहचान दी जाए, भले ही बड़ों की दृष्टि में वह कितना नगण्य व सतही लगे, बच्चों की संरक्षण भावना और सृजन की पहल के लिए यह महत्त्वपूर्ण है।

बाल भवन में प्रयुक्त विभिन्न माध्यम एवं पद्धतियों के जरिए अध्यापकगण बच्चों को स्वयंमेव पहचानने उनकी निर्बाध कल्पना व प्रयोगों को प्रोत्साहन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति, नवोन्मेष व मौलिक तत्व का सामर्थ्य एवं क्षमता विकसित करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने और वैज्ञानिक भावना के साथ सकारात्मक भावना आत्मसात करने के लिए सक्रिय माहौल बनाना भी सीखते हैं। कलाओं को शिक्षा एवं अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम बनाने में उनकी मदद के लिए ग्रामीण, अर्द्धग्रामीण तथा शहरी अध्यापकों के लिए व्याख्यान एवं कार्य प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

हमारे कार्यक्रम

देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कार्य करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक संस्था राष्ट्रीय बाल भवन है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर कार्य करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर-परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने में प्रयासरत है।

राष्ट्रीय बाल भवन आज अपने 127 संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं 14 बाल भवन केन्द्रों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली में चल रहे 49 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से लाखों बच्चों तक पहुँचकर एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यह संस्थाएँ उन बाल भवनों/निजी संस्थाओं में खुले हुए हैं जो दूरदराज के क्षेत्रें में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों संबंधी कार्यकलाप केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय बाल भवन संसार के दूसरे क्षेत्रों में रह रहे बच्चों को भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान वाले कार्यक्रमों के माध्यम से अपना दर्शन उन तक पहुँचाने का प्रयास करता है। अत: राष्ट्रीय बाल भवन शैक्षिक व मनोरंजक तथा सृजनात्मक गतिविधियों द्वारा बच्चों को शिक्षा देने की कोशिश करता है बल्कि विविध स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के द्वारा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचने का एक संसाधन केंद्र है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन कई नवीन कार्यक्रमों के अतिरिक्त नियमित कार्यकलापों को भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं। इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराते हैं तो दूसरी ओर बच्चों के क्षितिज का भी विस्तार करते हैं।

विस्तृत रिपोर्ट

कोविड-19 काल में गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पालन किया गया।

सभी साप्ताहिक योजनाएं और वीडियो वेबसाइट लिंक nationalbalbhavan.nic.in पर उपलब्ध कराए गए। सभी गतिविधि प्रशिक्षकों ने साप्ताहिक योजनाएं प्रस्तुत कीं। जो यू-ट्यूब, फेस बुक और राष्ट्रीय बाल भवन वेबसाइट पर अपलोड की गईं। सदस्य बच्चों ने भी व्हाट्स ऐप या मौखिक कॉल पर प्रशिक्षकों के साथ बातचीत की।

गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के आधार पर सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त निर्देशों के अनुसार - सभी कर्मचारियों को कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए, जिनका कर्मचारियों द्वारा पालन किया गया।

महामारी की अवधि के दौरान गतिविधि खंड द्वारा घर और साथ ही कार्यालय से प्रेरक और शैक्षिक कार्यक्रमों की वीडियों के माध्यम से बच्चों के लिए प्रोत्साहन कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। ये वीडियो राष्ट्रीय बाल भवन के यू-ट्यूब चैनल और फेसबुक पर अपलोड किए गए, जो सैकड़ों बच्चों और वयस्कों द्वारा देखे गए और साथ ही प्रशिक्षकों ने वीडियो चैट और कॉल के माध्यम से बच्चों के साथ इन कार्यक्रमों को सांझा किया। जिसके उपरांत नियमित छात्रों के साथ-साथ गैर-नियमित छात्रों से इन सभी कार्यक्रमों के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। वैकल्पिक दिनों में 50% उपस्थिति पर कर्मचारियों के कर्तव्यों का रोस्टर परिचालित किया गया और उनका पालन किया गया। कर्मचारियों को सुरक्षित रहने और दूसरों को सुरक्षित रखने के लिए सभी अनिवार्य निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया गया।

अप्रैल, 2021

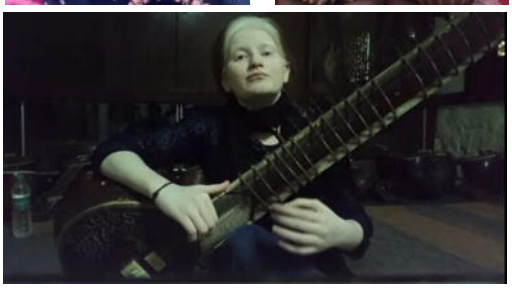

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को स्थाई अंतरा के साथ दादरा, भजन, गज़ल, मणिपुरी लोकगीत एवं ताल के साथ विभिन्न प्रकार के स्थाई अंतरा सिखाऐ गऐ। भाईचारे पर आधारित एक गीत "मिल मिल हम सब गायें" (सरगम के साथ) तथा एक सूफी कवि दादू दयाल का भजन विस्तार से सिखाया गया। बच्चों ने ऑनलाइन अभ्यास किया। जिसमें 40 बच्चों ने भाग लिया।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा बच्चों को सात तालों के अभ्यास के साथ पांच जातियों के साथ ध्रुव ताल सिखाया गया।

लोक नृत्य अनुभाग द्वारा बच्चों को राजस्थान का संगीत के साथ "चौमासो नृत्य" तथा "और रंग दे" नृत्य सिखाया गया।

वाद्ययंत्र अनुभाग (सितार और तबला) सितार खंड द्वारा बच्चों को राग भूपाली, आरोह और अवरोह, पकड़

तथा बंदिश, का अभ्यास कराया गया। तबला खंड द्वारा बच्चों को कायदा (दिल्ली घराना), पलटा 1 से 10 तक, तिहाई का अभ्यास कराया गया।

नाटक अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न गतिविधियाँ कराई गई जैसे :- गीत लिप्सिंग, कैमरा अभ्यास, दर्पण अभ्यास और खुशी भावनाओं से सम्बंधित, उदास और क्रोधित भावनाओं से सम्बंधित, घृणा भावनाओं से सम्बंधित तथा सात्विक अभिनय पर वीडियो तैयार किए गए।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा बच्चों को मिट्टी से साँप, मछली, मगरमच्छ, चिपैंजी, तोता, चूहा, बत्तख और खरगोश आदि बनाना सिखाया गया।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए एक पीपीटी पर 'फन विद नंबर्स' गतिविधि आयोजित की गई, जिसमें सबसे पहले बच्चों को गणित के मजेदार तथ्यों से परिचित कराया गया, इतिहास में गणित के तथ्यों का पता लगाया, टेबल ट्रिक्स सिखाए गए। बच्चों को गणित के क्षेत्र में प्रसिद्ध भारतीय प्रतिभाओं से परिचित कराया गया, गणित के बारे में अधिक जानने के लिए बच्चों ने एक संग्रहालय में खोज की और गणित टेबल ट्रिक्स के बारे में मजेदार तथ्यों की भी जानकारी प्राप्त की।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को डेनिम कपड़े और उत्पादन की जानकारी दी गई। बच्चों के साथ विभिन्न प्रकार के बुने हुए कंगन और फ्रैण्डशिप बैंड, भारत में हथकरघा आदि के बारे में चर्चा की गई। विभिन्न वीडियो के माध्यम द्वारा बुनाई के प्रकार, कालीन बुनाई आदि की जानकारी दी गई।

फोटोग्राफी/छायांकन अनुभाग द्वारा बच्चों को फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी कंपोजिशन के नियम, मजबूत केन्द्र (बिन्दू), फ्रेम की अगणी, लाइनें, डिवीजन, तुलनात्मक कथन की जानकारी दी गई।

संगणक अनुभाग द्वारा बच्चों को काली लिनक्स की स्थापना, एमएस ऑफिस फाइलों में डेटा सत्यापन, एक्सेल में फील फ्री एरर के लिए इस कमांड का उपयोग, एक्सेल में आईएफ फॉर्मूला-1 और 2 का उपयोग कैसे किया जाता है, जो शीट्स में बहुत उपयोगी है, जैसी विस्तृत जानकारी दी गई। इन विषयों के साथ-साथ मेल मर्ज का उपयोग करने के लिए स्क्रीन शॉट्स लेने के तीन तरीके, माइक्रोसॉफ्ट विंडोज 10 में रंगीन माउस कर्सर कैसे प्राप्त करते हैं, ईमेल, जीमेल में सीसी और बीसीसी क्या है और इसे कैसे परिभाषित करते हैं की भी जानकारी दी गई।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा बच्चों को पैन स्टैंड, मोर बनाना, फूल बनाना, झोंपड़ी बनाना, मास्क बनाना, फिंगर कठपुतली, पक्षी बनाना, रंगीन कागज से फोटो फ्रेम बनाना आदि ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा सिखाया गया।

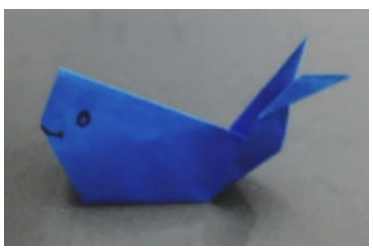

हस्तशिल्प अनुभाग द्वारा बच्चों को ओरिगेमी (मछली, कुत्ता, आइस्क्रीम, पक्षी), कप आइस्क्रीम, ट्यूलिप ओरिगेमी फ्लावर, ओरिगेमी शिप, पेपर मैशे बॉक्स, पेपर टाई क्राफ्ट, पेपर शर्ट, पेपर पैंट, पेपर फोल्डिंग जैसे विभिन्न विषयों पर वीडियो तैयार कर जानकारी दी गई। इनके अतिरिक्त लिफाफे, पेपर हेन, पेपर हार्ट, पेपर ड्रेस, पेपर पेंसिल, ओरिगेमी फ्लैपिंग बर्ड, जंपिंग फ्रॉग, ओरिगेमी रैबिट फेस, घोड़ा, पेपर कोट आदि की भी जानकारी दी गई।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा बच्चों को वार्म-अप अभ्यास सभी रोलिंग अभ्यास के साथ, सभी यूकोमीस, नवाजा उची कोमि, नवाजा में प्रवेश और उपयोग, ब्रेकिंग और होल्ड, अल्टरनेटिव थ्रो, स्ट्रेचिंग अभ्यास, मूवमेंट में सभी एडवांस यूकेमिस, क्रॉलिंग अभ्यास, पावर अभ्यास, रोप पुलिंग एंड क्लाइम्बिंग, सपेट पुशअप्स, डंबल अभ्यास, हाफ सिट एंड जंप, सूर्य नमस्कार, सभी योग आसन, चिन अप, ट्विस्टिंग, जंपिंग जैक, क्रैब वॉक, पुशअप्स, सिट अप्स, डक वॉक, जंपिंग एयर, टच टो, लेग किक, बाइसेप्स कर्ल, जगह में दौड़ना, पुशअप्स, बर्पीज़, क्रंचेस, फ्रंट लंग्स, स्क्वैट्स, नी लिफ्ट्स, माउंटेन क्लाइंबर्स आदि का अभ्यास वीडियो प्रक्रिया द्वारा कराया गया।

पर्यावरण एवं मछली घर अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न सामग्रियों के घनत्व, दृष्टि और भ्रम में दो आंखों की आवश्यकता आदि से संबंधित विज्ञान संबंधी विभिन्न प्रयोग ऑन लाईन प्रक्रिया द्वारा सिखाए गए।

चित्रकला अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न चित्र प्रक्रियाओं पर मार्गदर्शन किया गया। बच्चों ने व्हाट्सएप पर पेंटिंग सांझा की। उन्हें विभिन्न चित्रकला शैली की नवीन तकनीकों का अध्ययन कराया गया। डिजिटल प्रदर्शनी के लिए पंचतंत्र की कहानियों का कुछ चित्रण भी बच्चों से कराया गया।

मई, 2021

चित्रकला अनुभाग द्वारा बच्चों को "गोंड कला" और "मधुबनी कला" के पारंपरिक कला रूप को बढ़ावा देने के लिए "पंचतंत्र कहानियों" पर आधारित चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजनत किया गया।

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें बच्चों को हमारे परिस्थितिकी तंत्र में मधुमक्खियों के मूल्य और भूमिका पर आधारित गीत सिखाया। डॉ. मधु पंत (पूर्व निदेशक) द्वारा लिखित गीत – "पेड़ लगाओ पूरे सौ" गाया गया। साथ ही राग देश का परिचय और बंदिश सिखाई गई।

लोक संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को गजल, पंजाबी लोक गीत सिखाया गया।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए विश्व मधुमक्खी दिवस पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया और जतिस्वरम का पहला भाग पढ़ाया गया।

लोक नृत्य अनुभाग द्वारा बच्चों को हरियाणवी लोक नृत्य की जानकारी दी और संगीत के बिना कुछ फुटवर्क और संगीत के साथ सभी हरियाणवी चालों का अभ्यास कराया गया।

वाद्ययंत्र अनुभाग (सितार और तबला) सितार खंड द्वारा बच्चों को राग भूपाली में 4 मात्रा के टोडा और राग भूपाली का अभ्यास कराया गया। **तबला खण्ड** में बच्चों को कायदा (दिल्ली घराना), पलटा (1-10), तिहाई सिखाया गया और इन सभी का अभ्यास कराया गया।

नाटक अनुभाग द्वारा बच्चों को नाटक के विभिन्न विषयों जैसे – अभिनय के लिए सभी मौसमों के बारे में कैसा महसूस किया जाता है, नाटक की कहानी कैसे तय की जाए, नाटक चरित्र के अनुसार त्वरित सुधार इत्यादि की जानकारी दी गई।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा बच्चों को प्रकृति पर आधारित माडॅल, विभिन्न प्रकार के जानवर और पक्षी बनाना सिखाया गया।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा बच्चों को कहानी सुनाने के माध्यम से और एक चुनिंदा वीडियो के माध्यम से अपनी ताकत पर विश्वास करने और खुद को मजबूत रखने की जानकारी से अवगत कराया। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की

झलकियों के माध्यम से बच्चों को समझाया गया कि बच्चे किस तरह से अपने परिवार के अंगरक्षक बन सकते है। "हम में है दम (हम कर सकते हैं)" कहानी के माध्यम से महामारी की इस कठिन स्थिति के दौरान कुछ चुनिंदा वीडियो द्वारा बच्चों को अपनी ताकत पर विश्वास करने और खुद को मजबूत बनाने की जानकारी दी गई। बच्चों को राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की झलक दिखाकर यह समझाया गया कि बच्चे किस तरह से संबंधित गतिविधियों के बाद अपने परिवार के अंगरक्षक बन सकते हैं। "मधुमक्खियों के साथ गुनगुनाना" (मधुमक्खियों के लिए बेहतर निर्माण करना) विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर बच्चों को मधुमक्खियों की दुनिया के बारे में जागरूक किया गया, विभिन्न प्रकार की मधुमक्खियों के बारे में अज्ञात तथ्यों की खोज, उनका महत्व, उनके द्वारा चुनौतियों का सामना करना और व्यक्तिगत स्तर पर उनकी रक्षा के लिए क्या किया जा सकता है, इससे उन्हें अवगत कराया गया। संग्रहालय के परिसर से बुद्ध के बारे में कहानी के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, 18 मई, 2021 को चिन्हित करने के लिए संग्रहालय सप्ताह मनाया गया, ताकि बच्चे संग्रहालय की वस्तुओं के साथ खुद को शामिल कर सके और अपनी कहानियों का निर्माण कर सके। बुद्ध की खोज, दो अलग-अलग प्रकार के संग्रहालयों : राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन और राष्ट्रीय संग्रहालय, के माध्यम से "संग्रहालयों का भविष्य: पुनर्प्राप्ति और पुनर्विन्यास, स्तूपों के बारे में तथ्यों की खोज पर परिचर्चा की गई।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, 2021 के अवसर पर यू-ट्यूब और फेसबुक पर "पंचतंत्र कहानियों" पर आभासी प्रदर्शनी प्रदर्शित की गई।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार के बने हुए कागज की टोकरियों की गतिविधियाँ कराई गईं, बुने हुए पेन स्टैंड के प्रकार, टोकरी, फ्रेम, बॉक्स आदि विषयों को विभिन्न वीडियो के माध्यम से सिखाया गया। बुने हुए कोस्टर के प्रकार और बुने हुए कागज़ के फूलों की टोकरियों की गतिविधियाँ कराई गईं।

छायांकन अनुभाग द्वारा बच्चों को छायांकन की मूल बातें बताई गईं।

संगणक अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न जानकारी दी गई जैसे :- रैनसमवेयर क्या है?, एक्सेल में अनुकूलित वाटर मार्क कैसे जोड़ा जाता है?, कम्प्यूटर या मोबाइल वायरस क्या है?, तस्वीर से पृठभूमि कैसे निकालते हैं?, आहलेट्स स्पष्ट रूप से शर्तों को समझते हैं, हटाई गई फाइलों को कैसे पुर्नप्राप्त किया जा सकता है। माइक्रोसॉफ्ट विंडो सर्वर 2019 पर डोमेन उपयोगकर्ता और समूह कैसे बनाएं? माइक्रोसॉफ्ट विंडो 10 में डेटा खोए बिना वॉल्यूम कैसे कम करें और बढाएं आदि की जानकारी दी गई। संगणक अनुभाग ने रा.बा.भ. एवं ज.बा.भ., माण्डी के कम्प्यूटरों का संरक्षण किया तथा विज्ञान विभाग के प्रशासकीय कार्य को भी संभाला।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा छोटे बच्चों को कुछ वीडियो के माध्यम से फूल बनाना, तितली बनाना, 3 डी घोड़ा, तोता मुखौटा बनाना, पक्षी बनाना, एंग्रीबर्ड मास्क, 3 डी हाथी, दीवार की लटकनें, रंगीन कागज से चूहा बनाना आदि सिखाया गया।

हस्तशिल्प अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर वीडियो तैयार किए गए जैसे :- मॉडयूलर ओरिगेमी परिचय, मॉडयूलर ओरिगेमी मुद्रिका कैसे बनाएं (सभी चरणों के साथ)।, मॉडयूलर ओरिगेमी क्राउन कैसे बनाएं (सभी चरणों के साथ)।, मॉडयूलर ओरिगेमी पफी स्टार्ट सभी चरणों के साथ कैसे बनाएं? आदि की जानकारी वीडियो के माध्यम से बच्चों को दी गई।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा फिटनेस गतिविधियाँ कराई गई जैसे :- 20 जंपिंग जैक, 15 फ्रॉग जंप, 10 पुश-अप, 15 स्क्वाट्स, 25 हाई नीज़, 15 कैंची जंप, 5 वॉकिंग लंज्स, 30 सिट अप, 10 आर्म कर्ल, 10 मिनट कूल नीचे और 3 मिनट का शवासन। जंपिंग जैक पीछे की ओर चलना, आर्म सर्कल, डांस, एक पैर पर संतुलन, भालू चाल, सांप की तरह सरकना, उल्टा दौड़ना, पक्षी की तरह उड़ना, पुश अप्स और कूल डाउन। बच्चों के लिए शांत योग :- मैं बलवान हूँ, मैं दयालु हूँ, मैं वीर हूँ, सूर्यनमस्कार, शांत व्यायाम, शवासन आदि बच्चों को सिखाया गया।

पर्यावरण एवं मछली घर अनुभाग के बच्चों ने विज्ञान संबंधी विभिन्न प्रयोग किए। उन्होंने पर्यावरण अनुभाग की मदद से अपने स्कूल का कार्य भी किया। बच्चों ने विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर पर्यावरण में मधुमक्खी के महत्व को भी जाना। साथ ही तालाब एवं मछलीघर की टंकियों के रखरखाव की जानकारी प्राप्त की।

रेडियो इलैक्ट्रॉनिक्स अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों जैसे :- साधारण डीसी मोटर, इलैक्ट्रोमैग्नेट, वायरलेस पावर ट्रांसफर, बोतल के उपयोग से वैक्यूम क्लीनर, होममेड एयर कूलर, विंड-टर्बाइन का मॉडल, सिंपल टच सेंसर, रेन अलार्म जैसे वीडियो तैयार कर बच्चों को जानकारी दी गई।

विश्व मधुमक्खी दिवस

विश्व मधुमक्खी दिवस, 2021 को "बी एंगेज्ड : बिल्ड बैक बेटर फार बीज़" पर आधारित विषय पर मनाया गया। प्रत्येक अनुभाग द्वारा इस विषय पर आधारित बच्चों द्वारा कई गतिविधियां कराई गईं जैसे -

- **चित्रकारी :** मधुमक्खी के छत्ते पर वाटर कलर से पेंटिंग, अतः इस दृष्टांत का उपयोग पंचतंत्र की कहानियों पर प्रदर्शनी के लिए भी किया गया।
- राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के साथ "विश्व मधुमक्खी दिवस" पर दो दिवसीय वर्चुअल वर्कशॉप का आयोजन किया। जिसमें बच्चों ने काफी ऊर्जा और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यशाला में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ शामिल थीं जैसे -
  - (i) **कंठ संगीत अनुभाग :** बच्चों ने मधुमक्खियों पर एक मूल गीत और एक मराठी क्षेत्रीय गीत सीखा, जिसमें दिखाया गया था - कैसे पूरी दुनिया, मानव जाति और पर्यावरण मधुमक्खियों पर निर्भर है एवं कैसे मधुमक्खियाँ पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
  - (ii) **नाटक गतिविधि :** बच्चों ने मानव जीवन में मधुमक्खियों के महत्व और मधुमक्खियों के कई गुणों को सीखा।
  - (iii) **नृत्य गतिविधि :** बच्चों द्वारा 'टिट फॉर टैट' विषय पर आधारित एक कहानी 'स्वार्थी पीपल के पेड़ और मधुमक्खियों' पर भरतनाट्यम सीखकर प्रस्तुति किया गया।
- **संग्रहालय** अनुभाग द्वारा मधुमक्खियों के साथ घूमना व इस पर आधारित गतिविधियाँ कराई गई।
- **पर्यावरण** अनुभाग द्वारा बच्चों को 'हमारे पर्यावरण में मधुमक्खी का महत्व' पर प्रकाश डाला गया और बच्चों ने मधुमक्खियों से संबंधित गतिविधियाँ की हैं।
- **काष्ठ कला** अनुभाग ने बच्चों को सिखाया कि मधुमक्खी बनाने के लिए लकड़ी और उसके अपशिष्ट पदार्थ का उपयोग कैसे किया जाता है। 'कट आउट स्टाइल' बच्चों के साथ साझा किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, मई 2021 को कोविड-19 के सुरक्षा नियमों के पालन के साथ रोस्टर के अनुसार मनाया गया। इस अवसर पर संग्रहालय अनुभाग द्वारा यू-ट्यूब और फेसबुक पर "पंचतंत्र कहानियों" पर आभासी प्रदर्शनी प्रदर्शित की गई।

जून, 2021

बच्चों के लिए प्रेरक एवं शैक्षिक प्रोग्राम राष्ट्रीय बाल भवन यू-ट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए जिन्हें अनेकानेक बच्चों एवं अभिभावकों ने देखो और उसकी सराहना की।

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को झूला गीत, राजस्थानी लोक गीत, भजन, कव्वाली आदि सिखाया गया। कजरी, राग पीलू में ठुमरी आदि भी सिखाया गया।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा बच्चों को जतिस्वरम की पहली, दूसरी और तीसरी कोरवाई हाथ और पैर की गति, पूर्ण गति का अभ्यास कराया गया।, पहले, दूसरे और तीसरे कोरवई के हाथ एंव पैर की चाल, और पूर्ण गति का अभ्यास सिखाया।

लोकनृत्य अनुभाग द्वारा बच्चों को हरियाणवी नृत्य पर हाथ और पैर चलाना सिखाया और संगीत के साथ हरियाणवी नृत्य के तीनों पैराग्राफ के बारे में चर्चा की।

नाट्य कला अनुभाग द्वारा बच्चों को खेल के विभिन्न विषयों पर जानकारी जैसे आंखों से संपर्क का व्यायाम गतिविधि और कलाकारों के लिए आत्मविश्वास कार्य, संवाद के लिए बॉडी लैंग्वेज और पंच, पढ़ने एवं सुनने की गतिविधि, भावनात्मक स्मृति तथा खेल कार्य, प्ले ब्लॉकिंग और खेलने के लिए दृश्य कार्य इत्यादि की भी जानकारी दी गई।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा गतिविधि पर पीपीटी और कहानी सुनाने के सूत्र तैयार किए गए जैसे :- आइए अपने पर्यावरण को बचाने के लिए हाथ मिलाएं और पर्यावरण के बारे में जागरूकता पैदा करें जिसमें पुनर्स्थापना, चुनौतियों और खतरों को कम करने, पुन:उपयोग-रीसायकल की आवश्यकता पर जोर दिया गया। बच्चों को अपने घरों में स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करने के लिए 21 जून, 2021 को 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ऑनलाइन प्रदर्शनी लगाई। बच्चों को स्वस्थ शरीर और स्वस्थ दिमाग के बारे में जागरूक करने के लिए "योग के साथ रहें, घर पर रहें" विषय पर गतिविधि कराई गई। इस गतिविधि में हमारे इतिहास में योग पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, तत्पश्चात् स्वस्थ और मजेदार गतिविधियाँ, स्वस्थ भोजन पर कहानी सुनाना, आयुर्वेद को समझना, मज़ेदार गतिविधियों के माध्यम से संतुलित आहार का महत्व विषय से संबंधित संग्रहालय की गैलरी की झलक दिखाई गई।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को प्राकृतिक रेशों, सिंथेटिक कपड़ो, विभिन्न प्रकार के भारतीय राज्यों की हथकरघा साड़ी, बुने हुए ग्रीटिंग कार्ड, विभिन्न राज्यों के भारतीय आदिवासी बुनाई, पिट लूम, शटल लूम, शटल लेस लूम जैसे विषयों की विभिन्न वीडियो के माध्यम से जानकारी दी।

छायांकन अनुभाग द्वारा बच्चों को फोटोग्राफी की बुनियादी बातों पर ट्यूटोरियल सिखाया, उदाहरण के लिए दिन के उजाले में घर पर फूड फोटोग्राफी कैसे करते हैं।

संगणक अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई जैसे :- माइक्रोसॉफ्ट पावरपॉइंट एनिमेशन, कंप्यूटर का पूर्ण रूप हिंदी और अंग्रेजी, कंप्यूटर के हिस्से, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर का इतिहास, कंप्यूटर की विशेषताएं, हिंदी में कंप्यूटर की सीमाएं, हिंदी में कंप्यूटर की वास्तुकला, कंप्यूटर हार्डवेयर संरचना, सीपीयू की विस्तार संरचना और विवरण, इनपुट और आउटपुट डिवाइस, कंप्यूटर मेमोरी की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा छोटे बच्चों के लिए मनोरंजक वीडियो तैयार किए गए जैसे:- फिंगर कठपुतली, मास्क बनाना, फूल बनाना, पक्षी बनाना, पंखा बनाना, दृश्य बनाना, डांसिंग डॉल, वॉल हैंगिंग, पेपर से सुराही बनाना और पेपर कप से घोड़ा आदि।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर वीडियो तैयार कर बच्चों को जानकारी दी गई जैसे :- विभिन्न प्रकार के जानवर, पक्षी जैसे :- बत्तख, बकरी, हाथी का बच्चा, बंदर, कबूतर, शार्क मछली, हाथी, गिलहरी, तोता, चील, गाय, लोमड़ी आदि पर आधारित मिट्टी से मॉडल कैसे तैयार किया जाता है आदि बताया गया।

हस्तशिल्प अनुभाग द्वारा बच्चों को ऑनलाइन माध्यम द्वारा विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई जैसे :- बुकमार्क बनाना, कोलाज बनाना, खरगोश का फेस मास्क बनाना, पेपर से खिलौने बनाने की विधि, आसान तरिके से कागज़ की तितली बनाना, 3डी ओरिगेमी स्वान बनाने की विधि, वॉल हैंगिंग शिल्प, फेस्टिव डेकोरेशन शिल्प, घर पर पुरानी चूड़ियों का पुनः उपयोग करने की विधि, कागज़ की छतरी बनाने की विधि, पत्तों के साथ मत्स्यांगना नोटबुक बनाने की विधि, मिनी पेपर बास्केट, पेपर सोफा बनाने की विधि, पेपर हाउस बनाने की विधि, ओरिगेमी पेपर बैग, कागज़ द्वारा जानवरों के मास्क, पेपर हैंडबैग बनाने की विधि, मिनी बेड शिल्प बनाने की विधि, पेपर स्टार शिल्प, मैजिक पेपर कार्ड, पेपर मोबाइल स्टैंड बनाने की विधि आदि।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा बच्चों को मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाने, लचीलेपन में मदद के लिए व्यायाम जैसी फिटनेस गतिविधियाँ सिखाईं जैसे:- घर में तल जिम्नास्टिक, प्ले ग्राउंड में चढ़ने की गतिविधि, गेंद फेंकना और पकड़ना, शरीर का प्रतिरोध व्यायाम, जैसे बैठक और पुशअप, स्किपिंग, स्पॉट जॉगिंग, लंजेस, बर्पी, प्लैंक, स्टार जंप, स्केट्स, प्लैंक, माउंटन क्लाइंबिंग, वॉकिंग लंज, घर पर बच्चों के लिए बैठने और बैलेंसिंग आसन : चाइल्ड पोज, मोची पोज, कोबरा पोज, बो पोज, ब्रिज पोज, बोट पोज आदि।

पर्यावरण एवं मछली घर अनुभाग द्वारा बच्चों को पारिस्थितिक तंत्र की बहाली-पारिस्थितिक तंत्र का परिचय, वृत्तचित्रों के माध्यम से पारिस्थितिक तंत्र की बहाली में चुनौतियाँ, प्लास्टिक कचरे का पुनः उपयोग, विश्व पर्यावरण दिवस से संबंधित गतिविधियाँ, समुद्र से संबंधित गतिविधियाँ कराई गई तथा विज्ञान से संबंधित विषय पर भी विभिन्न गतिविधियाँ कराईं गईं। पारिस्थितिक तंत्र में भौगोलिक योगदान, महासागर में जैव विविधता, प्रदूषण आदि का महासागर पारिस्थितिक तंत्र पर प्रभाव बताए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस

दिनाँक 5 जून, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन में विश्व पर्यावरण दिवस कोविड-19 के सुरक्षा नियमों के साथ मनाया गया। कार्यालय में कर्मचारियों ने लगभग 200 पौधे लगाए। इस अवसर पर पर्यावरण अनुभाग द्वारा बच्चों के साथ जंगल प्रशासन पर एक पोस्टर साझा किया गया। बच्चों को पौधा रोपण, पोस्टर डिजाइनिंग, स्लोगन राइटिंग और पौधों की जानकारी जैसी गतिविधियाँ कराईं गई।

सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

कोविड-19 की सुरक्षा के साथ, रोस्टर अनुसार राष्ट्रीय बाल भवन में कर्मचारियों ने **"योग के साथ रहें, घर पर रहें" विषय पर सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य - परिवार के सदस्य, "योग के साथ रहें, घर पर रहें" की भावना को बढ़ावा देना था।

प्रदर्शन कला अनुभाग द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से बच्चों को योग मुद्राओं पर गायन संगीत सिखाया।

काष्ठ कला अनुभाग द्वारा लकड़ी की कटाई से योगासन की आकृति बनाना एवं योगासन मुद्राओं की आभासी प्रदर्शनी द्वारा योग का इतिहास समझाया। यह प्रदर्शनी व्यावहारिक गतिविधियों के साथ-साथ भारत की मूर्त और अमूर्त विरासत पर केंद्रित की गई।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा "योग के साथ रहें, घर पर रहें" विषय पर आभासी प्रदर्शनी लगाई गई ।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा "सूर्य नमस्कार" योग के महत्व को समझाया गया और इस सही ढंग से करने के निर्देश दिया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

दिनाँक 30 जून, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक "गूगल मीट" के माध्यम द्वारा आयोजित की गई। इस राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में प्रशासनिक हिंदी की उपयोगिता, कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, राजभाषा से तात्पर्य, हिंदी राजभाषा, प्रारूपेण का अर्थ एवं विशेषताएं, प्रारूप लेखन की विधि, प्रारूपेण की विशेषताओं के साथ-साथ राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी मार्च, 2021 की तिमाही प्रगति रिपोर्ट पर भी चर्चा की गई। ग्रह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के आधार पर सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त निर्देशों के अनुसार - सभी कर्मचारियों को कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए, कार्यालय में 50% कर्मचारियों की उपस्थिति रही। इस बैठक में लगभग 10 कर्मचारियों ने भाग लिया।

जुलाई, 2021

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को राजस्थानी लोकगीत (मोरिया अच्छो बोल्यो रे.....), राग मियां मल्हार वर्षा ऋतु पर आधारित गीत एंव, बांग्ला गीत सिखाया गया।

लोक संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को गज़ल, लोक गीत, कव्वाली, कजरी सिखाए गए।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा बच्चों को जतीस्वरम के प्रथम और आखिरी कोरवाई की हाथ-पैर मूवमेंट कराई गई, संगीत के साथ जतीस्वरम में पहला और दूसरे का आधा भाग सिखाया गया।

लोकनृत्य अनुभाग द्वारा बच्चों को बिना संगीत और संगीत के साथ हरियाणवी नृत्य के सभी रूपों की जानकारी दी गई एवं अभ्यास कराया गया।

नाटक अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न विषयों जैसे :- प्ले सीन वर्क, प्ले रिहर्सल सीन, सीन वर्क और रिहर्सल, रन थ्रू प्ले सीन, रन थ्रू विद प्रॉपर्टीज, वर्क फॉर द "प्ले", डायलॉग डिलीवरी, वॉयस मॉडयूलेशन के लिए काम की जानकारी दी गई। बॉडी मूवमेंट्स, लक्षण वर्णन के लिए काम, स्टेज क्राफ्ट के लिए काम, पेट से वॉयस एक्सरसाइज-यूज **आ**, वॉयस एक्सरसाइज फ्रॉम चेस्ट यूज **ह**, वॉयस एक्सरसाइज फ्रॉम थ्रोट-यूज **इ**, वॉयस एक्सरसाइज फ्रॉम नोज-यूज **न** आदि।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा निम्न गतिविधियों पर पीपीटी और कहानी सुनाने के सत्र बनाकर दिखाए जैसे आइए अपनी मातृभूमि की खोज करें-अपने पड़ोसी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश को जानना (छह दिन का कार्यक्रम, सप्ताह में तीन दिन), भारत के एक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के बारे में ज्ञान प्रदान करना, संग्रहालय की आंखो के माध्यम से मानसून आदि। इसका उद्देश्य-संग्रहालय की नजरों से बच्चों को एक महत्वपूर्ण मौसम को देखने के बारे में जागरूक करना था।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार के बांस, जूट के बुने हुए सामान, बुने हुए मोबाइल कवर, हार, हेयर बैंड और सहायक उपकरण, सिंगल, डबल तथा रंगीन रिबन बुनाई जैसे विषयों को वीडियो के माध्यम से सिखाया गया।

फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा बच्चों को उदाहरण के साथ फोटोग्राफी की मूल बातें बताईं गईं।

संगणक अनुभाग द्वारा बच्चों को कम्प्यूटर की विस्तृत जानकारी दी गई।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा बच्चों को बेकार के सामान से विभिन्न चीजें बनानी सिखाईं गईं जैसे:- मास्क बनाना, बिल्ली बनाना, पक्षी बनाना, फूल बनाना, मछली बनाना, दीवार की लटकनें, पेन स्टैंड, फोटो फ्रेम बनाना, कागज से चूहा बनाना, कागज की झोंपड़ी बनाना आदि।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार के प्राचीन जानवरों पर आधारित मॉडल बनाना एवं पर्यावरण के आधार पर मॉडल बनाना सिखाया गया।

पर्यावरण एवं मछली घर अनुभाग द्वारा बच्चों को विज्ञान से सम्बंधित विभिन्न गतिविधियाँ कराईं गई।

हस्तकला अनुभाग द्वारा बच्चों को ऑनलाइन माध्यम द्वारा विभिन्न चीज़ें बनाना सिखाया गया जैसे :- मैज़िक पेपर कार्ड बनाना, पेपर मोबाइल स्टैंड बनाना, पेपर पेंसिल बॉक्स बनाना, पेपर मैज़िक बैण्ड शिल्प बनाना, पेपर कप बनाना, टाइगर मास्क बनाना, माचिस की तिल्लियों से कोलाज बनाना, घर पर अखबार की पतंग बनाना, कागज का पंखा बनाना, वॉल हैंगिंग आदि।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा बच्चों को शरीर में मजबूती लाने के लिए विभिन्न योगाभ्यास कराए गए जैसे :- 10 जंपिंग जैक, 10 बर्पीज़, 10 क्रंचेस, 10 फ्रंट लंज, 10 पुशअप्स, 10 स्कैव्ट्स एक्सरसाइज, 10 घुटनो की एक्सरसाइज, 10 सेकंड प्लैंक एक्सरसाइज, 10 माउंटेन क्लाइम्बर, जंपिंग जैक, वॉल सिट, पुशअप्स, एब्डोमिनल क्रंच, स्टेप अप ऑन चेयर, ट्राइसेप्स डिप्स ऑन चेयर, प्लैंक, हाई नी रनिंग, लंज, पुशअप विथ रोटेशन, साइड प्लैंक, वार्म अप-30 मीटर दौड़, 30 जंपिंग जैक, आर्म्स एक्सरसाइज 1-15 लेटरल डंबल आर्म रेज, 15 फ्रंट डंबल आर्म रेज, 15 पुशअप्स, 15 बाइसेप्स कर्ल्स, एब्स-15 फ्लटर किक, 15 क्रंचेस (खड़े या बैठे), 15 रशियन ट्विस्ट, 15 मिनट योग आराम करने के लिए।

गृह प्रबंधन अनुभाग द्वारा बच्चों के साथ खाद्य संरक्षण, प्राकृतिक परिरक्षकों, जैम बनाना और भंडारण, स्क्वैश बनाना और भंडारण, कैंडी बनाना और पैकेजिंग और आम पापड़ बनाने से सम्बंधित चर्चा की गई। बच्चों ने मूंग दाल से मिनी समोसा बनाना, लड्डू बनाना, पापड़ी/मट्ठी बनाना, रोटी, नमकीन और चाट बनाना सीखा।

अगस्त, 2021

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को राग वृंदावन सारंग का विस्तार, राजस्थानी भाषा में देशभक्ति गीत (म्हारो जंगल मंगल देस) सिखाया गया और राष्ट्रगीत वंदे मातरम का एक विशेष संकलित वीडियो भी तैयार किया गया।

लोक संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को ताल के साथ कजरी, चैती, भजन, कव्वाली आदि सिखाया।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा बच्चों को असंयुक्त हस्थ मुद्रा, पुष्पांजलि के पहले एवं द्वितीय भाग का अभ्यास, दृष्टि भेद का अभ्यास और शिरो भेद का अभ्यास कराया गया। पहले, दूसरे और पूर्ण पताका हस्त विनियोग का अभ्यास कराया गया।

लोक नृत्य अनुभाग द्वारा बच्चों को हरियाणवी लोकनृत्य, सावन पर्व से संबंधित नया राजस्थानी गीत, 75वें आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए "मिले सुर मेरा तुम्हारा" आदि का अभ्यास कराया गया।

नाट्यकला अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न विषयों जैसे 5 डब्ल्यू की परिभाषा, शरीर विज्ञान समाजशास्त्र, मनोविज्ञान और लक्षण वर्णन गतिविधि, विभिन्न प्रकार के अवलोकन के बारे में ऑनलाइन नाटक कार्यशाला, विभिन्न प्रकार की देशभक्ति गतिविधियाँ कराई गईं।

वाद्य संगीत सितार अनुभाग द्वारा बच्चों को राग भूपाली, बोल का तोडा, अंगुली की स्थिति और स्ट्रोक, आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें विभिन्न रागों की जानकारी जैसे राग देस, और साथ ही सितार पर देशभक्ति गीत बजाने की जानकारी भी दी गई।

वाद्य संगीत तबला अनुभाग द्वारा बच्चों को दादरा ताल का परिचय और उसके बोल बजाने का ज्ञान, भजन का परिचय और भजनी ठेका बजाने का तरीका, रूपक ताल का परिचय और बजाने के ज्ञान से परिचित कराया गया। आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें छात्रों को विभिन्न देशभक्ति गीत सिखाए गए और देशभक्ति गीतों के साथ तबला/ढोलक बजाने की जानकारी दी गई।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा 'संग्रहालय की दृष्टि से मानसून' विषय पर बच्चों को मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से मानसून ऋतु के विषय में जानकारी दी। भारत के मौसम विज्ञान विभाग के बारे में बताया कि यह कैसे काम करता है, मौसम का पूर्वानुमान कैसे लगाया जाता है, आदि की जानकारी भी दी गई। बच्चों ने कला और संस्कृति के माध्यम से हवा की दिशा जाना, बारिश को मापने के तरीके को जाना, रागमाला, बरहमासा आदि के बारे में जाना।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार के बांस, जूट के बुने हुए सामान, बुने हुए मोबाइल कवर, हार, हेयर बैंड और सहायक उपकरण, सिंगल, डबल और मल्टी रिबन बुनाई जैसे विषयों के विभिन्न वीडियो के माध्यम से जानकारी दी गई।

फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न फोटोग्राफी विषयों पर ऑनलाइन ट्यूटोरियल प्रस्तुत किए। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत कार्यक्रमों के लिए विडियो रिकॉर्ड किए गए और साथ ही उन वीडियो को एक्शन उपकरणों को ध्यान में रखते हुए संपादित किया गया।

कंप्यूटर अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जिसपर विभिन्न कंप्यूटर विषयों के कुछ वीडियो बनाए जैसे:- कंप्यूटर निर्माण और इतिहास का विवरण, मोबाइल फोन से स्क्रीनशॉट लेने के बाद इमेज में बदलाव का तरीका आदि। डेस्कटॉप और लैपटॉप कंप्यूटर में कार्ड रीडर का उपयोग करने के तरीके के बारे में वीडियो बनाकर जानकारी दी गई। साइबर भाग 1 एवं 2 पर वीडियो, कंप्यूटर की पीढ़ी की वीडियो, इनपुट और आउटपुट डिवाइस की वीडियो, कंप्यूटर परिचय का वीडियो, कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर आदि के बारे में वीडियो बनाकर जानकारी दी गई।

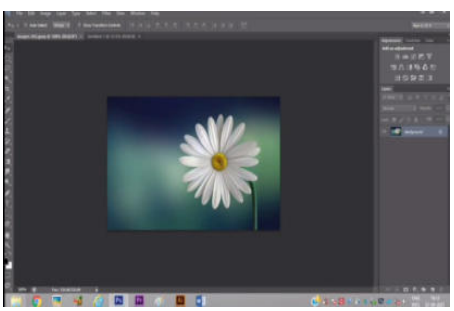

मिलेजुले अनुभाग द्वारा बच्चों को 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत मास्क, पक्षी, अंगुली कठपुतली, फूल, झोंपड़ी, झंडा, हाथी, घोड़ा, चूहा और कई अन्य पेपर शिल्प आदि विषयों पर मनोरंजक वीडियो बनाकर जानकारी दी गई।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा मिट्टी के मॉडल जैसे :- बकरी, पक्षियों का झुंड, हिरण, मोर, मगरमच्छ, उल्लू, कछुआ, बत्तख, बाघ, नेवला, गौरैया, मछली, फलों की टोकरी, चूहा आदि की वीडियो बनाकर बच्चों को मॉडल बनाने की जानकारी दी गई।

हस्तशिल्प अनुभाग द्वारा बच्चों को ओरिगेमी शिल्प, मिक्स मीडिया कोलाज, ओरिगेमी ड्रेस शिल्प, वॉल हैंगिंग शिल्प, ओरिगेमी हट शिल्प, भारतीय झंडा शिल्प, भारतीय झंडा किट शिल्प, रौकेट शिल्प एवं कागज़ से भारतीय हाथ-पंखा बनाना जैसे विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त भारतीय मानचित्र कोलाज, राखी बनाना, रक्षा बंधन पेपर कोलाज शिल्प, त्योहार कार्ड, डाई उपहार बॉक्स हस्तशिल्प, भारतीय ऐतिहासिक नायकों का चेहरा बनाने की शिल्प, भारत में ऐतिहासिक स्मारक, शून्य से शिखर तक, शिक्षा की भूमिका, स्वतंत्रता संग्राम आदि की जानकारी दी गई।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा बच्चों को फ्लेक्सिबल मसल्स और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए योगाभ्यास की जानकारी दी गई जिसके लिए प्रतिदिन 10 योगाभ्यास जैसे - 10 जंपिंग जैक, 10 बर्पीज़, 10 क्रंचेस, 10 फ्रंट लंज, 10 पुशअप्स, 10 स्कैव्ट्स एक्सरसाइज, 10 घुटनो की एक्सरसाइज, 10 सेकंड प्लैंक एक्सरसाइज, 10 माउंटेन क्लाइम्बर, जंपिंग जैक, वॉल सिट, पुशअप्स, एब्डोमिनल क्रंच, स्टेप अप ऑन चेयर, स्क्वाट्स, ट्राइसेप्स डिप्स ऑन चेयर, प्लैंक, हाई नी रनिंग, लंज, पुशअप विथ रोटेशन, साइड प्लैंक, वार्म अप-30 मीटर दौड़, 30 जंपिंग जैक, 30 घुटनो की एक्सरसाइज, आर्म्स एक्सरसाइज 1-15 लेटरल डंबल आर्म रेज, 15 फ्रंट डंबल आर्म रेज, 15 पुशअप्स, 15 बाइसेप्स कर्ल्स, एब्स-15 फ्लटर किक, 15 क्रंचेस (खड़े या बैठे), 15 रशियन ट्विस्ट, 15 मिनट आरामदायक योग आदि की जानकारी दी गई।

पर्यावरण एवं मछलीघर अनुभाग द्वारा बच्चों को गति के पहले, दूसरे एवं तीसरे नियम, उत्तोलन, मेंढक के जीवन चक्र के विषय पर विज्ञान से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई।

गृह प्रबंधन अनुभाग ने बच्चों को उड़द दाल की पिन्नी, उड़द की दाल या सूजी की कचौरी, ज़र्दा पुलाव, उड़द दाल के भल्ले, उड़द दाल की चाट, सूजी के लड्डू, सूजी का उपमा, सूजी के पकौड़े, सूजी का ढोकला, सूजी का चीला, गुड़ या सौंफ का शरबत, बेसन की बर्फी, गुड़ की पापड़ी, गुड़ के पारे, गुड़ की खट्टी-मीठी चटनी, सेवैंया उत्तपम, सेवैंया चीला, सेवैंया कटलेट, सेवैंया कस्टर्ड, सेवैंया खीर आदि बनाना सिखाया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम

दिनाँक 24 अगस्त से 27 अगस्त, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में समस्त कर्मचारियों ने राष्ट्रगान के गायन को स्व-रिकॉर्ड कर राष्ट्रगान वेबसाइट पर अपलोड किया। माननीय प्रधानमंत्री के आदेशानुसार स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में समस्त कर्मचारियों ने हथकरघा उत्पादों की खरीददारी करके अपने हथकरघा बुनकरों का समर्थन किया। समस्त कर्मचारियों ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से "माई हैंडलूम माई प्राईड" का उपयोग करके अपनी तस्वीरें भी पोस्ट की।

1. **75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव** का पोस्टर राष्ट्रीय बाल भवन के सोशल एकाउंट्स-वेबसाइट, फेसबुक, ट्विटर और गतिविधियों/कार्यशालाओं के वीडियो भी अपलोड किए गए।

2. **"भारत की स्वतंत्रता के ऐतिहासिक नायकों"** पर आधारित गतिविधियाँ कराई गईं।
   - कागज़ से **"महात्मा गांधी"** का मुखौटा बनाना सिखाया गया।
   - लकड़ी के चित्र **"महात्मा गांधी"** और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बापू की भूमिका के बारे में अवगत कराया गया।
   - कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से अरूणाचल प्रदेश तक देश भर के ऐतिहासिक नायकों का कोलाज बनाना और भारत के नक्शे पर नायकों को अंकित करना सिखाया गया।
   - राष्ट्रीय बाल भवन संग्रहालय की गौरव गाथा गैलरी के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की अवधि के दौरान राजाओं और रानियों पर केंद्रित प्रदर्शनी दर्शाई गई।

3. दिनाँक 25 अगस्त, 2021 को **भारत के स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक स्थलों** पर आधारित गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
   - **हस्तकला अनुभाग - भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक स्मारकीय प्रतीक "लाल किला"** कागजी शिल्प गतिविधि कराई गई।
   - **संग्रहालय अनुभाग** - गौरव गाथा गैलरी के आस-पास जलियांवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल, 1919) पर केंद्रित वर्चुअल दौरा कराया गया।
   - **नाटक कला अनुभाग** - भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्तों के योगदान और ऐतिहासिक स्थानों के बारे में मार्गदर्शन करने वाले नाटक का आयोजन किया गया।
   - **वाद्ययंत्र अनुभाग** - सितार और तबला पर देशभक्ति गीतों के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से बच्चों को जानकारी दी गई।
   - **नृत्य अनुभाग** - सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों को "मिले सुर मेरा तुम्हारा" गाने पर नृत्य गतिविधि कराई गई। साथ ही बच्चों को देशभक्ति और एकता में बांधकर नृत्य वीडियो तैयार किया गया।

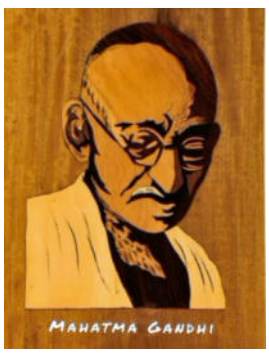

4. दिनाँक 26 अगस्त, 2021 को **"शून्य से शिखर तक"** विषय पर गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

- **हस्तकला अनुभाग** - सिंधु घाटी सभ्यता से समकालीन भारत की यात्रा "बैलगाड़ी से डसॉल्ट राफेल तक" बच्चों को गतिविधि कराई गई।
- **संग्रहालय अनुभाग** - द्वारा हमारा भारत गैलरी के आसपास ग्रामीण भारत के बारे में जानने और अपनी समय सीमा के साथ भारत के शहरी विकास की ओर बढ़ने का आभासी दौरा किया गया।

5. **"भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शिक्षा की भूमिका"** पर गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

- **हस्तकला अनुभाग** - "पढ़ेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया" पर पेपर क्राफ्ट गतिविधि कराई गई जोकि "भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शिक्षा की भूमिका" पर आधारित थी।
- **संग्रहालय अनुभाग** - भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शिक्षा की भूमिका पर केंद्रित संग्रहालय की गौरव गाथा गैलरी के आसपास लघु चित्रावली प्रदर्शित है जिसका आभासी दौरा किया गया।

6. राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों के लिए गायन संगीत गतिविधि/कार्यशाला

- **कंठ संगीत अनुभाग**- 25 अगस्त, 2021 को 75वें आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर "एक भारत श्रेष्ठ भारत" विषय पर सामाजिक दूरी के साथ राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों के लिए गायन संगीत गतिविधि के साथ-साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यशाला में महादेवी वर्मा द्वारा रचित "अनुरागमयी वर्दानमयी भारत जननी भारत माता" कविता गीत के रूप में कर्मचारियों को सिखाई गई। कार्यशाला के बाद सभी कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गाया।

7. **कहानी सुनाने का सत्र**

- **पुस्तकालय अनुभाग**- 26 अगस्त, 2021 को "भारत की स्वतंत्रता के ऐतिहासिक नायकों" पर कहानी सुनाने की गतिविधि सभी कर्मचारियों को कराई गई।

8. **जवाहर बाल भवन, माण्डी में आयोजित गतिविधियां/कार्यशालाएं**

- कम्प्यूटर अनुभाग ने बच्चों को कम ज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में सिखाया।
- आनॅलाइन माध्यम से बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें बच्चों ने देशभक्ति और स्वतंत्रता विषय पर आधारित उनके द्वारा बनाई गई विभिन्न कलाकृतियों की तस्वीरें साझा कीं।
- गुप-चुप मांडी टाइम्स (बच्चों का समाचार पत्र) का विशेष अंक प्रकाशित किया गया और बच्चों की रुचि के अनुसार भारत की कुछ महान हस्तियों के बारे में छापा।

सितम्बर, 2021

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा "आज़ादी का अमृत महोत्सव सप्ताह" के दौरान एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें भारत की महान कवयित्री महादेवी वर्मा द्वारा लिखित एक देशभक्ति गीत को राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों को (ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा) सिखाया।

लोक संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को दादरा ताल, कबीर गीत, गजल, वर्षा गीत आदि ताल के साथ सिखाए गए।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा बच्चों को जतिस्वरम के आगे और आखिरी हाथ-पैर की गति सिखाई, संगीत के साथ पहला, दूसरा आधा और पूरा जतिस्वरम सिखाया गया।

लोक नृत्य अनुभाग द्वारा बच्चों को बिना संगीत और अभ्यास के हरियाणवी नृत्य के सभी अनुच्छेदों के बारे में जानकारी दी।

नाट्यकला अनुभाग द्वारा बच्चों को 'जल्दी में चलना और बात करना' विषय पर जानकारी दी। इसके साथ ही बच्चों को कई विभिन्न गतिविधियों के क्षण कराए गए जैसे :- क्रोध, थका हुआ, और डर आदि। एकालाप और भाषण गतिविधि के बारे में भी जानकारी दी गई। नाटक के लिए कहानी तैयार करना, उसके सुधार पर चर्चा की गई। बच्चों को विभिन्न प्रकार से देशभक्ति विषय पर गतिविधि कराई गई।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा गतिविधि पर पीपीटी और कहानी सुनाने के सत्र बनाए : आइए अपनी मातृभूमि की खोज करें - अपने पड़ोसी राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश को जानना। भारत के किसी एक राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के बारे में ज्ञान प्रदान किया गया। 'संग्रहालय की दृष्टि से मानसून' गतिविधि के अंतर्गत संग्रहालय की दृष्टि से बच्चों को एक महत्वपूर्ण मौसम को देखने के बारे में जागरूक किया गया। बच्चों को वनस्पति, जीवों, राज्य की सांस्कृतिक विरासत और बहुत सारी मजेदार गतिविधियों से अवगत कराया गया।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को जूट की टोकरी सिंथेटिक कपड़े की सूचना, दीवार की बुनी हुई लटकन, बुना हुआ पेन स्टैंड रिबन, सजावट के लिए बुने हुए लैवेंडर की छड़ी, बुने हुए धागे के कंगन, कागज के करघे के साथ बुना हुआ कंगन, बुना हुआ ब्रेसलेट विषयों के बारे में वीडियो के जरिए जानकारी दी गई।

फोटोग्राफी/छायांकन अनुभाग द्वारा बच्चों को फोटोग्राफी की मूल बातें सिखाई गई।

मिले-जुले कार्यकलाप अनुभाग द्वारा बच्चों को कागज से मास्क बनाना, पक्षी बनाना, बिल्ली बनाना, फूल बनाना मछली बनाना, दीवार की लटकन, पेन स्टैंड, फोटो फ्रेम बनाना, चूहा बनाना, झोंपड़ी बनाना आदि सिखाया गया।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा बच्चों को मिट्टी से विभिन्न प्रकार के सांप, गिलहरी, कुत्ता, गुलाब, कमल का फूल, हिबिस्कस फूल, घास के पत्तों से बना गांव का घर, मिट्टी से बना गांव का घर, गांव की मिट्टी की दीवार रेत की सहायता से, भिंडी, सांप, मकड़ी, घोंघा, बिच्छू, नारियल, फल, सेब, शरीफा आदि बनाना सिखाया गया।

हस्तशिल्प कला अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अनेक चीजें सिखाई जैसे :- डोर हैंगिंग क्राफ्ट, वॉल हैंगिंग क्राफ्ट, पेपर क्वेलिंग आर्ट का परिचय, पेपर क्वेलिंग बेसिक शेप्स क्राफ्ट, क्वेलिंग फ्लावर क्राफ्ट बनाने का तरीका, क्वेलिंग बर्ड क्राफ्ट, पेपर कार्ड, पेपर कार्ड के परिचय, जन्मदिन कार्ड बनाना, धन्यवाद कार्ड बनाना, सॉरी कार्ड बनाना, पेपर काटना, अखबार पेपर कोलाज, ग्रे कार्ड बोर्ड कोलाज आदि बनाना सिखाया गया।

ग्रह प्रबंधन अनुभाग द्वारा बच्चों को खाद्य संरक्षण, प्राकृतिक परिरक्षकों, जैम बनाने और भंडारण, स्कवैश बनाने और भंडारण, कैंडी बनाने और पैकेजिंग, आम पापड़ की जानकारी, मूंग दाल मिनी समोसा, मूंग दाल के लड्डू, मूंग दाल की पापड़ी/मट्ठी, मूंग दाल की रोटी, मूंग दाल से नमकीन और चाट बनाने की जानकारी दी गई।

कंठ संगीत कार्यशाला

प्रदर्शन कला विभाग द्वारा 28 से 30 सितंबर 2021 तक गायन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों के साथ-साथ राष्ट्रीय बाल भवन के उप निदेशक, प्रशासन (प्रथम दिन) एवं अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। तीन दिवसीय इस कार्यशाला में गायन का महत्व, स्वर और वाणी का महत्व बच्चों को छोटी-छोटी, मनोरंजक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों के माध्यम से समझाया गया। गायन में विभिन्न भावों के साथ वाक्यों का प्रतिनिधित्व करना, उतार-चढ़ाव वाली आवाज, गतिशील, वाइब्रेटो, पिचिंग आदि को बच्चों ने विस्तार से सीखा। हिन्दी और उर्दू के कठिन शब्दों का उच्चारण, जो प्रायः गीतों में प्रयुक्त होता है, भी सिखाया गया। इसके अलावा, राग झिंझोटी में एक पारंपरिक बंदिश और तान भी सिखाई गई।

हिन्दी पखवाड़ा

दिनाँक 7 सितम्बर से 21 सितम्बर, 2021 तक हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य था - 'हिंदी को बढ़ावा देने के लिए समस्त कर्मचारी अपना समस्त कार्यालयी कार्य हिंदी में करें'। राजभाषा हिन्दी का प्रयोग कार्यालयी कार्यों में किए जाने पर प्रोत्साहन के रूप में नकद पुरस्कार भी दिए जाने का प्रावधान है। इस संदर्भ में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं - नोटिंग-ड्राफ्टिंग/मसौदा लेखन, सामान्य ज्ञान, स्वरचित काव्य रचना, निबंध लेखन, हिंदी टंकण, अशुद्ध शब्दों को शुद्ध रूप में लिखना तथा श्रुतलेख(एमटीएस स्टाफ के लिए), हिंदी कार्यशाला आदि आयोजित की गईं। कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए "सामाजिक दूरी" तथा "मास्क" का प्रयोग करते हुए कार्यालयी कार्यों को सुचारू रूप से कार्यान्वित किया गया।

अक्तूबर, 2021

कंठ संगीत अनुभाग ने बच्चों को एक प्रेरणादायक गीत 'चल अकेला रे', 'राग कलावती में गणपति वंदना' और 'राग यमन में सूरदास भजन' सिखाया। राष्ट्रीय एकता दिवस और सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर एक समूह गान सिखाया गया। बच्चों को सिखाने के लिए कुछ नए गीतों की शब्द व स्वर रचना भी की गई।

लोक संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को मराठी लोक गीत, पंजाबी लोक गीत, कजरी और राजस्थानी गीत आदि सिखाए गए।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा नियमित रूप से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की गई जिसमें बच्चों ने विभिन्न अडवु (तत्ता अडवु, नट्टा अडवु और पक्का अडवु) के बारे में सीखा और एन.सी.ए. कार्यक्रम 'उमंग' के लिए भी अभ्यास किया।

नाट्यकला अनुभाग द्वारा बच्चों को कई विषयों पर जानकारी दी गई जैसे - जल्दी में चलना और बात करना गतिविधि, कई अलग-अलग क्षण गतिविधि, टेक्स्ट और सबटेक्स्ट गतिविधि क्या है, टेम्पो, रिदम क्या है, प्ले रीडिंग और कुछ प्ले सीन कार्य गतिविधि, स्थिति के अनुसार आवाज का उपयोग कैसे करें और मोनोलॉग गतिविधि कैसे करें आदि। इसके अतिरिक्त प्रतिक्रिया के लिए कार्रवाई और चरित्र गतिविधि पर कैसे ध्यान केंद्रित करें इत्यादि के बारे में बताया गया।

बुनाई अनुभाग ने बच्चों को विभिन्न प्रकार के बुने हुए मोतियों के कंगन, जूट फाइबर (सूचना), बुने हुए जूट फूलों की टोकरी, बुने हुए जूट, कार्डबोर्ड टोकरी, फ्रेम-हथकरघा मशीन (सूचना), हथकरघा मशीन के महत्वपूर्ण भागों, ट्रेडल आदि जैसे विषयों पर विभिन्न वीडियो के माध्यम से जानकारी दी गई। इसके अलावा पट्टा रॉड, हेडल, वार्प रोलर, हैंडल और बैक बीम, बुने हुए मधुमक्खी आकार के पेपर कार्ड, बुने हुए दिल के आकार पेपर कार्ड, बुने हुए कन्या आकार कार्ड, बुने हुए पेपर टोकरी के बारे में भी बताया गया।

छायांकन अनुभाग द्वारा छायाकंन के मूल सिद्धान्तों को उदाहरण सहित समझाया गया।

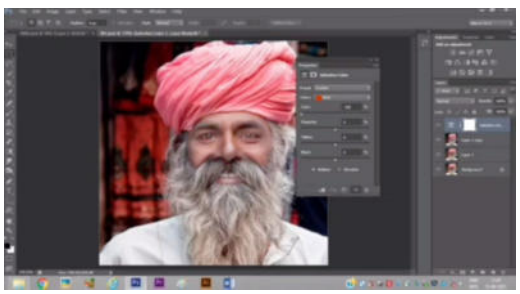

संगणक अनुभाग द्वारा बच्चों को कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दी गई जैसे:- 1. फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ट्विटर 2. सतर्कता दिवस के दौरान साइबर सेफ्टी की ऑनलाइन गूगल मीट, 3. हमारा मस्तिष्क और कंप्यूटर, कंप्यूटर की पीढ़ियाँ, 4. माइक्रोसोफ्ट विन्डो सर्वर 2019 पर डोमेन उपयोगकर्ता और समूह कैसे बनाएं, 5. माइक्रोसोफ्ट विन्डो 10 में डाटा खोए बिना वॉल्यूम कैसे सिकोड़ें और बढ़ाएं।

मिट्टी अनुभाग द्वारा बच्चों को अनेक मॉडल बनाना सिखाया गया जैसे :- अनानास, करेला, लौकी, फूलगोभी, कद्दू, शिमला मिर्च, गिल्ली डंडा, लकड़ी के तिपहिया साइकिल, सांप, खरगोश, हाथी, पक्षियों का समूह, चूहा, हाथी, कछुआ आदि।

हस्तकला अनुभाग द्वारा बच्चों को वीडियो बनाकर जानकारी दी गई जैसे :-

कोलाज बनाना, बुकमार्क बनाने की विधि, शेर का मुखौटा बनाना, खरगोश बनाना, वॉल हैंगिंग, उल्लू का चेहरा बनाने की विधि, भालू बनाना, मछली बनाना, डोर हैंगिंग बनाना, ओरिगामी क्राफ्ट, पेपर वेट बनाना, ओरिगामी स्टार, पेपर अम्ब्रेला बनाना, पेपर से कमल का फूल बनाना, आसान तरीके से पेपर का सांप बनाना, ओरिगामी तितली, पेपर से फूल बनाने की विधि से अवगत कराया गया।

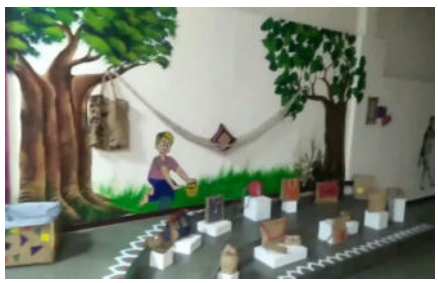

संग्रहालय अनुभाग द्वारा वीडियो के माध्यम से गांधी जयंती के अवसर पर बच्चों को गांधीजी से परिचित कराया गया ताकि उन्हें राष्ट्रपिता और एक व्यक्ति के रूप में बच्चे जानें। एक अन्य वीडियो के माध्यम से महात्मा गांधी के जीवन पर एक "कहानी सुनाने वाला सत्र" आयोजित किया गया कि कैसे उन्होंने अपने डर पर काबू पाया। संग्रहालय अनुभाग की "जूट प्रदर्शिनी" का आभासी दौरा भी आयोजित किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम के अवसर पर बच्चों को भविष्य के सतर्क नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। "गौरव गाथा गैलरी" के माध्यम से बच्चों को सतर्कता के विषय से परिचित कराया गया, जिसमें समझाया गया विभिन्न सुधारकों ने किस तरह से हमें सतर्क बनाया जिससे हम जागरूक बने और समाज में एक बड़ा बदलाव लाने में भी सफल बने। बच्चों को वास्तविक जीवन में सतर्क रहने के बारे में बताया कि जिससे किसी भी बच्चे को बचपन में शोषण का सामना न करना पड़े। साथ ही स्वस्थ और मिलावट मुक्त भोजन खाने में भी सतर्कता रखनी चाहिए, अपने स्वभाव आदि के बारे में सतर्क रहना चाहिए। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर बच्चों को एकता के विषय से परिचित कराया गया, इस दिन का महत्व समझाया गया और सरदार वल्लभ भाई पटेल के बारे में पूर्ण जानकारी दी गई।

सर्तकता जागरूकता सप्ताह

राष्ट्रीय बाल भवन में सर्तकता जागरूकता सप्ताह का आयोजन दिनाँक 27 अक्तूबर से 2 नवंबर, 2021 तक किया गया। इस आयोजन के दौरान कोविड-19 के नियमों के अंतर्गत सामाजिक दूरी एवं मास्क के साथ लगभग 55 कर्मचारियों ने भाग लिया। दिनाँक 30 अक्तूबर, 2021 को सभी सहभागियों ने **भ्रष्टाचार के खिलाफ** शपथ ग्रहण की। प्रशिक्षक (कंठ संगीत) द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ एक स्वरचित गीत - **"हम भारतवासी सतर्क हैं, हम भारतवासी सशक्त हैं...."** सहभागियों को सिखाया गया। अंत में सहभागियों द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण के चारों ओर एक पैदल यात्रा निकाली गई।

दिनाँक 2 नवंबर, 2021 को गतिविधि प्रशिक्षकों ने बच्चों के लिए ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा सतर्कता जागरूकता से सम्बंधित गतिविधियाँ आयोजित कीं। प्रशिक्षक (पुस्तकालय) द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों के लिए कहानी सुनाने की कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षक (नाट्य) द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों के लिए सतर्कता पर नाट्य गतिविधि आयोजित की गई।

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनांक 30 अक्तूबर, 2021 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक (प्रशासन) ने सभी सहभागियों को **राष्ट्रीय एकता दिवस** की शपथ ग्रहण कराई। प्रशिक्षक (कंठ संगीत) ने 75वें आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर एक देशभक्ति गीत - **"हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं...."** सहभागियों को सिखाया। उसके बाद प्रशिक्षक (हस्तकला) ने सहभागियों के लिए 'शांति का प्रतीक' पर एक ओरिगामी कार्यशाला का आयोजन किया। तत्पश्चात् समस्त सहभागियों ने राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण के चारों ओर एकता दौड़ की जिसमें स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस का मुख्य उद्देश्य बच्चों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर बच्चों को बताया गया कि हमारी सरकार द्वारा वर्ष 2014 में शुरू की गई सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर भारत के लौह पुरूष श्री पटेल के राष्ट्र के प्रति अपूर्व योगदान तथा अखण्ड भारत बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद करने के लिए हम राष्ट्रीय एकता दिवस मनाते हैं। इस कार्यक्रम का समापन "हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं" गीत गाकर तथा बच्चों को महत्वपूर्ण जानकारी देने के साथ हुआ। इस आयोजन के दौरान कोविड-19 के नियमों के अंतर्गत सामाजिक दूरी एवं मास्क के साथ लगभग 55 कर्मचारियों ने भाग लिया।

नवम्बर, 2021

राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों के द्वारा माह नवम्बर, 2021 की अवधि के दौरान प्रेरक कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रेरक वीडियो और शैक्षिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। ये सभी कार्यक्रम राष्ट्रीय बाल भवन यू-ट्यूब चैनल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए गए और साथ ही प्रशिक्षकों ने वीडियो चैट और कॉल के माध्यम से बच्चों के साथ इन कार्यक्रमों को सांझा किया, जिसके उपरांत नियमित छात्रों के साथ-साथ गैर-नियमित छात्रों से इन सभी कार्यक्रमों के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

कंठ संगीत अनुभाग में बच्चों को मिश्र खमाज राग में वीडियो के माध्यम से ठुमरी सिखाई गई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर एक सामूहिक गायन सत्र भी आयोजित किया गया। संविधान दिवस के अवसर पर एक वर्चुअल ऑनलाइन सत्र तथा कर्मचारियों के साथ एक सामूहिक गायन सत्र आयोजित किया गया। बाल दिवस के अवसर पर कंठ संगीत विभाग के बच्चों ने उमंग विषय पर गीत गाया जिसका वीडियो बाल दिवस कार्यक्रम में प्रस्तुत किया गया।

लोक संगीत अनुभाग में बच्चों को हरियाणवी लोक गीत, गुजराती लोक गीत, कबीर गीत आदि सिखाऐ गये।

नाट्यकला अनुभाग द्वारा बच्चों को जल्दी में चलना और बात करने की गतिविधि कराई गई, कुछ कर्मचारियों के साथ सतर्कता पर आधारित नुक्कड़ नाटक तैयार किया। कहानी-हमारा राजू सुधर गया, इमेजिनेशन और फेन्टेसी, नुक्कड़ नाटक रंगमंच और एकल अभिनय साथ ही माइम अभिनय के बारे में जानकारी दी गई।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को रिबन बुनना, सितारा बुनना, लैवेंडर की छड़ी बुनना, दीवार लटकन बुनना, बांस की टोकरी अवरग्लास आकार ऑप्टिकल भ्रम बुनाई, अंडाकार आकार ऑप्टिकल बुनाई, ज़िग ज़ैग कपड़ा ऑप्टिकल भ्रम बुनाई, डेनिम परिचय, डेनिम इतिहास, डेनिम बुनाई और डेनिम रंगाई आदि की जानकारी दी गई।

पर्यावरण, मछली घर एवं एनिमल कॉर्नर में बच्चों को बर्नौली प्रमेय की जानकारी के साथ-साथ संबंधित गतिविधियाँ कराई गई। बच्चों को हवाई जहाज की कार्यप्रणाली, वायुदाब, वायु के प्रवाह से संबंधित उनके दबाव क्षेत्र को भी समझाया। बच्चों को यह जानकारी भी दी गई की मेट्रो स्टेशनों पर येलो लाइन क्यों होती है। बच्चों को प्रवासी पक्षियों का परिचय दिया गया।

हस्तकला अनुभाग द्वारा बच्चों को 3डी ओरिगामी हंस, कागज द्वारा गुड़िया, मोर, पोस्टर कोलाज आदि बनाना सिखाया गया।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा बच्चों को सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम के अवसर पर सतर्क रहने के लिए एवं भविष्य के सतर्क नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। संग्रहालय के दृष्टिकोण के माध्यम से बच्चों को वास्तविक जीवन कक्षाओं में सतर्क रहने के बारे में जानकारी दी गई कि कैसे किसी भी बच्चे को शोषण का सामना नहीं करना चाहिए, बचपन में स्वस्थ और मिलावट रहित भोजन करने में सतर्क रहना, अपने स्वभाव आदि के प्रति सतर्क रहना आदि विषय पर आधारित वीडियो विशेष रूप से बनाए गये। एकता दिवस के अवसर पर बच्चों को भविष्य में सतर्क नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। एकता के विषय से परिचित कराया और सरदार वल्लभ भाई पटेल के बारे में जानकारी दी गई। राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर के तहत 'उमंग' विषय पर बच्चों को अपने बचपन का आनंद लेने और खेल के तरीके से सीखने के लिए प्रेरित किया गया। हाथ की कठपुतलियों का उपयोग करते हुए कहानी कथन द्वारा चमकी चुहिया और बंटी मेंढक के साथ बाल दिवस मनाया गया जिससे बच्चे मंत्रमुग्ध हो गए। बच्चों को वीडियो के माध्यम से राष्ट्रीय बाल भवन और राष्ट्रीय बाल संग्रहालय का आभासी (Virtual) दौरा कराया गया। हाथ की कठपुतली के माध्यम से "ड्रग्स को ना कहें और अपने भविष्य को उज्जवल बनाएं" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाल उत्सव के तहत बच्चों को धैर्य न खोने और अपने लक्ष्य पर टिके रहने के लिए रचनात्मक शिक्षा और उज्जवल भविष्य के लिए बाल भवन को मंच के रूप में चुनने हेतु प्रेरित किया गया। वीडियो के माध्यम से गौरव गाथा गैलरी की झलकियाँ दिखाई गईं। वीडियो के माध्यम से पंडित जवाहर लाल नेहरू जी के विभिन्न छिपे हुए तथ्यों से बच्चों को अवगत कराया गया। बच्चों के मन में खुशी पैदा करने के लिए 'उमंग' विषय के तहत एक प्रेरक कहानी सत्र का भी आयोजन किया गया। बाल उत्सव के आंनन्द और खुशी के साथ खेल-कूद के माध्यम से बच्चों को एक रचनात्मक गतिविधि में शामिल किया गया।

ड्रग्स को ना कहें कार्यक्रम

दिनाँक 9 नवम्बर, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन में "बाल उत्सव समारोह" का आयोजन किया गया जिसका विषय था-"ड्रग्स को ना कहें" और "अपने भविष्य को उज्जवल बनाएं"। इस अवसर पर बच्चों को बताया गया कि जब हम बड़े होते हैं तक हम परामर्श की कमी के कारण गलत आदतों में लिप्त होने की ओर प्रवृत होते हैं। इस अवस्था में उस समय हमारे जीवन में ड्रग्स का प्रवेश होता है और यह हमें एक गलत पथ पर ले जाने में प्रमुख भूमिका निभाता है। इस स्थिति पर विजय पाने और रचनात्मक तरीके से इससे बाहर निकलने के लिए राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

ने कठपुतली माध्यम सें चमकी चुहिया और बंटी मेंढक को दो मुख्य पात्रों के रूप में पेश किया। इन दो पात्रों द्वारा कहानी कथन के माध्यम से बच्चों को प्रेरित किया गया। बच्चों को बताया गया कि धैर्य न खोएं और अपने लक्ष्य पर अटल रहें और बाल भवन को अपने उज्जवल भविष्य के मंच के रूप में चुनें। इस वीडियो में एक किरदार ड्रग्स का शिकार हो रहा था और दूसरे को लुभाने की भी कोशिश कर रहा था, लेकिन दूसरा चरित्र नेतृत्व करता है और जोर देता है इन बुरी आदतों में समय बर्बाद न करें। बच्चे राष्ट्रीय बाल भवन जाएं आनंद उठाएं, मस्ती करें, रचनात्मक चीजें सीखें। क्योंकि दिमाग का ध्यान क्रीडा प्रणाली द्वारा कुछ नवीन सीखने में होगा इसलिए बच्चों को नशे की लत में लिप्त होने का समय नहीं मिलेगा और वे एक सामान्य और स्वस्थ जीवन व्यतीत करेंगे। बच्चों को बताया गया कि राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियाँ किस प्रकार से बच्चों की मदद करती है, जिससे बच्चे नशे की आदत न डालें अपने मन पर पूर्ण नियंत्रण रखें, गलत कामों से दूर रहें। इस वीडियो का मुख्य उद्देश्य – बाल भवन द्वारा जादुई तरीके से बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ाना था, ताकि युवा पीढ़ी के मन में दो तरह से एक लंबे समय तक चलने वाला प्रभाव छोडा जाए। पहला रचनात्मक रूप से हाथ की कठपुतलियाँ बनाकर उन्हे इस्तेमाल करना जिसे बच्चे बाल भवन में सीख सकते हैं तथा दूसरा बाल भवन की मजेदार गतिविधियों को फोकस के साथ सीखना। जिससे बच्चें बुरी आदतों पर ध्यान देने के बजाय अपने उज्जवल भविष्य पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

लोक संगीत तीन दिवसीय कार्यशाला

दिनाँक 17, 18 और 20 नवम्बर, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन में एक लोक संगीत कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें लोक संगीत प्रशिक्षक ने बच्चों को उत्कृष्ट तरीके से गुजराती लोक गीत सिखाया तथा गुजराती लोक गीत में बजाए जाने वाले वाद्य यंत्रों की भी जानकारी दी। बच्चों को बताया की गुजराती लोक गीत को किस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है। इस तीन दिवसीय लोक संगीत की कार्यशाला में विभिन्न बाल भवनों से अनेकों बच्चों ने इस कार्यशाला में बढ़चढ़ कर अपनी भागीदारी दिखाई। कार्यशाला में बच्चों ने बहुत ही उत्सुकता से गाने को बखूबी याद किया और बहुत खूबसूरती के साथ गाने को पेश भी किया। अपनी मातृभाषा न होते हुए भी सारे बाल भवन के बच्चों ने इसे बहुत ही तन्मयता के साथ सीखा और इस लोकगीत को अपनी आवाज़ और सुरो में पिरोया। इस कार्यशाला के माध्यम से बच्चे गुजरात की लोक गायन शैली की अनूठी कला से परिचित हुए।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर

दिनाँक 23 से 27 नवम्बर, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन में राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर – 'उमंग' के उपलक्ष्य में प्रदर्शन कला प्रशिक्षकों ने पाँच दिवसीय नृत्य कार्यशाला आयोजित की जिसमें पंजाब का लोक नृत्य

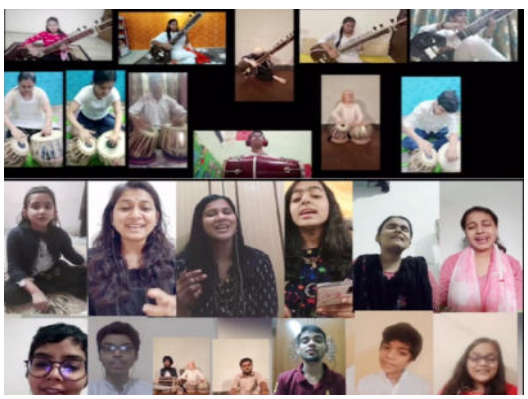

(गिद्दा और भंगड़ा) सिखाया गया। कार्यशाला में अनेक राज्यों के बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। सभी बच्चों ने रूचि तथा उमंग के साथ एक नई शैली को सीखा।

भरतनाट्यम अनुभाग के बच्चों ने राष्ट्रीय बाल सभा – 'उमंग' के अवसर पर भरतनाट्यम शैली में एक नृत्य फ्यूजन का प्रदर्शन किया और नियमित ऑनलाइन कक्षाओं के तहत बच्चों ने गणेश कौतुवम और नटेश कौतुवम सीखा।

संविधान दिवस कार्यक्रम

दिनाँक 26 नवम्बर, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक (प्रशासन) की देख रेख में कोविड-19 सुरक्षा मापदण्डों के साथ रा. प्र.सं.के. हॉल में किया गया, जिसमें भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। तत्पश्चात् कंठ संगीत प्रशिक्षक ने भारत के संविधान पर एक गाना सहभागियों को सिखाया जिसके बोल थे – **जिस दिन हमारे भारत में संविधान तैयार हुआ, भारत गणराज्य ने जब संविधान का अंगीकार किया....।** इस गाने को सभी सहभागियों ने दिलचस्पी और बड़े उत्साह के साथ मिलकर सीखा और गाया। राष्ट्रीय बाल भवन के पुस्तकालय विभाग द्वारा बनाई वीडियो के माध्यम से बच्चों एवं सहभागियों को बताया गया कि संविधान को बनाने में 2 साल 11 महीने 18 दिन लगे थे। इस संविधान को **गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 1950** को लागू किया गया था। इसकी मूल प्रति हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में हाथ से लिखी गई हैं। जिसमें संविधान सभा के 284 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। सबसे पहले भारत के पहले राष्ट्रपति श्री राजेंद्र प्रसाद एवं भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के हस्ताक्षर हैं। इस अवसर पर गतिविधि प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को वीडियो के माध्यम से भारतीय संविधान दिवस से सम्बंधित गतिविधि कराई गईं।

दिसम्बर, 2021

कंठ संगीत अनुभाग में बच्चों को विभिन्न प्रकार के गीत सिखाए गए जैसे कि कबीर भजन, मीरा भजन साथ ही बच्चों को नए वर्ष के गीत भी सिखाए।

लोक गीत अनुभाग में बच्चों को विभिन्न भजन, बिहार लोक गीत, अभंग, ठुमरी आदि सिखाए गए।

हस्तशिल्प अनुभाग में बच्चों को कोलाज बनाना, वॉल हैंगिंग बनाना सिखाया गया ताकि बच्चे अपने सामान को सजाने और सुरक्षित रखने का ज्ञान प्राप्त कर सकें।

बुनाई अनुभाग में बच्चों को भारतीय राज्यों के कुछ विषयों जैसे माहेश्वरी साड़ी, तांत साड़ी इत्यादि की जानकारी दी गई। बच्चों को बुने हुए क्रिसमस के सजावटी सामान जैसे :- बुने हुए सितारे, बुनी हुई गेंद, बुनी हुई मछली इत्यादि बनाना सिखाया गया, साथ ही बेकार सामान से उत्तम वस्तु बनाना जैसे – अपशिष्ट कपड़े से गलीचा बुनना, अखबार से टोकरी बुनना आदि। बुनाई के लिए विभिन्न प्रकार के सिंथेटिक कपड़ा जैसे रेयान, नायलॉन, पॉलीएस्टर आदि के बारे में भी सिखाया गया।

नाट्यकला अनुभाग में बच्चों को पप्पू बन गया दादा जी के प्ले सीन वर्क के बारे में विभिन्न प्ले रीडिंग विषय को पढ़ना सिखाया। खेल-खेल में नाटक पढ़ना और सभी गतिविधियों के बारे में बच्चों के साथ चर्चा की। प्ले सीन नाटक के अनुसार कार्य करना, आशुरचना के बारे में जानकारी दी गई। कहानी-बूड़ी काकी के अनुसार दृश्य तैयार करने की गतिविधि कराई गई।

फोटोग्राफी अनुभाग ने बच्चों को फोटोग्राफी के विभिन्न विषयों पर नियमित ट्यूटोरियल एवं फोटोग्राफी का परिचय दिया गया।

संगणक अनुभाग ने बच्चों को संगणक के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर रख-रखाव कार्य के विभिन्न नियमित आधार के काम के माध्यम आदि की जानकारी दी गई।

पर्यावरण, मछली घर एवं एनिमल कॉर्नर अनुभाग में बच्चों को प्रवासी पक्षियों से सम्बंधित जानकारी दी गई। सर्दियों के दौरान पर्यावरण में परिवर्तन किस प्रकार होता है, के बारे में बताया गया। बच्चों को बताया गया कि हमारा दिमाग कैसे काम करता है, वैज्ञानिक खिलौने खरगोश और कबूतर की मदद से आंखों का भ्रम करके बताया गया।

फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा कार्यशाला

फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा फोटोग्राफी के परिचय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बहुत उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बुनाई अनुभाग द्वारा कार्यशाला

बुनाई अनुभाग द्वारा बेकार कपड़ों से बुनाई करने की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बहुत उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस

दिनाँक 2 दिसम्बर, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन में गूगल मीट द्वारा विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर साइबर सुरक्षा कार्निवल नाम से एक वर्चुअल कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में लगभग 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन के उप-निदेशक (प्रशासन) ने अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। साइबर सुरक्षा जागरूकता साइबर पीस फाउंडेशन से सुश्री निशा दुआ-प्रधान सलाहकार ने यह कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की मूल समस्याओं के समाधान की जानकारी दी गई। सुश्री निशा दुआ डिजिटल दुनिया के बारे में बताती हैं कि दुनिया हमारी उंगलियों में है जैसे अब ऑनलाइन शॉपिंग, ई-लर्निंग, यात्रा, बैंकिंग, सामाजिककरण, मनोरंजन, ई-ऑफिस आदि शुरू हो चुकी है। शोध के अनुसार स्मार्ट फोन पर निर्भरता में पिछले दो वर्षों के दौरान 20% की वृद्धि हुई है। इसमें सोशल मीडिया ऐप्स और साइटों का अधिकतर उपयोग किया गया है। इंटरनेट सकारात्मक, सक्षम, उपयोगी लेकिन जोखिम भरा भी है और इसमें चुनौतियां भी हैं। इंटरनेट का जोखिम व्यसन, पहचान की चोरी, नकली समाचार, ऑनलाइन डेटिंग, साइबर बदमाशी, उत्पीड़न, ट्रोलिंग, शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य, ब्लैकमेलिंग, साइबर स्टाकिंग, अश्लील साहित्य आदि हैं। उसमें तीन सीएस अवधारणाओं के बारे में बहुत अच्छी तरह से समझाया है। साइबर सुरक्षा की सामग्री और आचरण आधार। व्यक्तिगत विवरण, पारिवारिक विवरण, वित्तीय विवरण विचित्र धमकाने वाली टिप्पणियां, नकली समाचार और भावनाऐ पोस्ट करने से पहले हमें दो बार सोचना चाहिए। यह कार्यशाला संवादात्मक और शिक्षाप्रद रही। अंत में उपनिदेशक-कार्यक्रम ने सुश्री निशा दुआ का एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

कंठ संगीत कार्यशाला

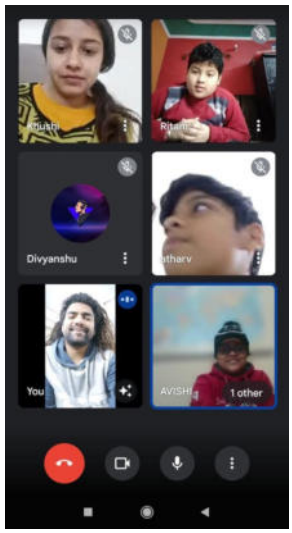

दिनाँक 1 से 3 दिसम्बर, 2021 तक राष्ट्रीय बाल भवन में प्रदर्शन कला अनुभाग ने राज्य बाल भवनों हेतु गायन की तीन दिवसीय कार्यशाला (वर्चुअली) आयोजित की जिसमें बच्चों को सरगम और शांति गीत सिखाया गया। इस कार्यशाला में बड़े उत्साह के साथ लगभग 42-45 बच्चों ने भाग लिया।

दिनांक 1 से 3 दिसम्बर, 2021 तक राष्ट्रीय बाल भवन में प्रदर्शन कला विभाग के कंठ संगीत अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत बच्चों को शांति गीत सिखाया गया। इस गीत के बोल थे - "ये वो तराना है. .." इस गीत को बच्चों ने बड़ी लगन के साथ सीखा एवं गाकर प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला में लगभग 45 बच्चों ने भाग लिया।

प्रदर्शनकला अनुभाग द्वारा नाटक रंगमंच कार्यशाला

दिनांक 7 से 11 दिसम्बर, 2021 तक राष्ट्रीय बाल भवन में राज्य बाल भवन हेतु नाटक रंगमंच के प्रशिक्षक ने पाँच दिवसीय कार्यशाला ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा आयोजित की। इस कार्यशाला का विषय था - "बिना मेहनत कुछ नहीं मिलता"। इस नाट्य कार्यशाला का आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने तथा रंगमंच कला की बारीकियों को सिखाने के लिए किया गया, जिसमें नाट्य कला की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी गई तथा अलग-अलग कहानियों तथा विषय के अनुसार नाटक का सृजन कैसे किया जाता है एवं रंगमंच तथा नाटक में तकनीकी विधियों का इस्तेमाल करना व विषय के अनुसार नाटक खुद से बनाने की कला को बच्चों को सिखाया गया। लगभग 50 बच्चों ने इस कार्यशाला में रूचिपूर्वक भाग लिया जोकि बच्चों की प्रतिभा की नई सोच तथा नाटक कला को सकारात्मक सोच प्रदान करती है जोकि कला क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

हस्तकला अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनांक 15 से 17 दिसम्बर, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन में हस्तकला अनुभाग के प्रशिक्षक ने पेन स्टैण्ड क्राफ्ट बनाने की कार्यशाला ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा आयोजित की। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

दिनांक 22 से 24 दिसम्बर, 2021 तक राष्ट्रीय बाल भवन में हस्तकला अनुभाग के प्रशिक्षक ने उंगली कठपुतली बनाने की तीन दिवसीय कार्यशाला ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा आयोजित की, जिसमें लगभग 20 बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

लोक नृत्य कार्यशाला

दिसम्बर, 2021 में 75वें आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन में प्रदर्शनकला विभाग के लोकनृत्य अनुभाग के प्रशिक्षक ने 'भारत की स्वतंत्रता के दौरान लोककथाओं का महत्त्व' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें बच्चों को भारत की स्वतंत्रता के दौरान लोककथाओं का महत्त्व समझाते हुए राजस्थानी भूमि के क्रांतिकारियों की कथाओं को बताते हुए एक नृत्य सिखाया। इस कार्यशाला द्वारा बच्चों ने क्रांतिकारियों की कथा को समझा तथा नृत्य को भी उत्साहपूर्वक सीखा।

हिंदी कार्यशाला

दिनांक 22 दिसम्बर, 2021 कों "एनटीआरसी हॉल" में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कार्यालयी कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों के साथ-साथ हिंदी में 100 प्रतिशत कार्य करने का सुझाव

दिया गया। तत्पश्चात् "हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम" का "पुरस्कार वितरण कार्यक्रम" भी आयोजित किया गया। पुरस्कार के रूप में प्रमाण-पत्र के साथ-साथ विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार उप-निदेशक(प्रशासन) द्वारा वितरित किए गए। इस कार्यशाला में लगभग 35 कर्मचारियों ने भाग लिया।

शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा

24 दिसम्बर, 2021 को शिक्षा मंत्रालय के तीन अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा किया गया। इन तीनों अधिकारियों को राष्ट्रीय बाल भवन में होने वाले कार्यक्रमों तथा सभी गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी गतिविधि अनुभागों में कनिष्ठ आशुलिपिक(हिंदी) ने उनका दौरा कराया। अतिथिगणों को यह भी बताया कि राष्ट्रीय बाल भवन के अंतर्गत 49 शाखाएँ दिल्ली के सरकारी स्कूलों में चल रही हैं, जिनमें कई हज़ारों की संख्या में बच्चे गतिविधियों का लाभ उठाते रहे हैं। बच्चों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाती है, जिनकी वीडियो राष्ट्रीय बाल भवन यू-ट्यूब चैनल पर अपलोड किए जाते हैं। और साथ ही प्रशिक्षक वीडियो चैट और कॉल के माध्यम से बच्चों के साथ सहयोग करते है।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा पेपर मास्क बनाने की कार्यशाला

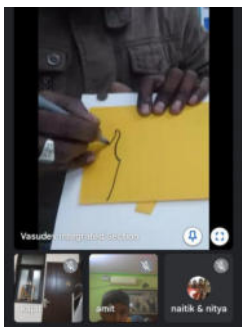

दिनांक 24 से 29 दिसम्बर, 2021 तक मिले-जुले अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय पेपर मास्क बनाने की कार्यशाला का आयोजन ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में 18 बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। भाग लेने वाले सभी बच्चों को ई-प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

चित्रकला अनुभाग द्वारा कार्यशाला

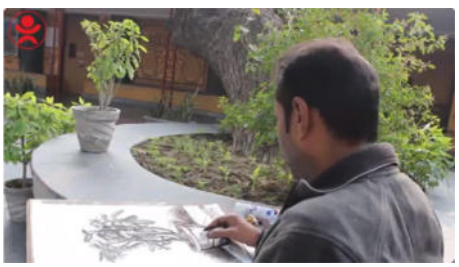

दिनांक 28 से 29 दिसम्बर, 2021 तक राष्ट्रीय बाल भवन में चित्रकला अनुभाग के प्रशिक्षक ने चारकोल चित्रकला की दो दिवसीय कार्यशाला ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा आयोजित की, जिसमें लगभग 20 बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

हस्तकला द्वारा कार्यशाला

दिनांक 28 से 30 दिसम्बर, 2021 तक राष्ट्रीय बाल भवन में हस्तकला अनुभाग के प्रशिक्षक ने कागज़ द्वारा फूल बनाने की तीन दिवसीय कार्यशाला ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा आयोजित की जिसमें लगभग 20 बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा योग कार्यशाला

दिनांक 28 से 30 दिसम्बर, 2021 तक राष्ट्रीय बाल भवन के शारीरिक शिक्षा अनुभाग के प्रशिक्षक ने ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा तीन दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में बच्चों को कई प्रकार के व्यायाम, आसन, प्राणायाम कराए गए। इस कार्यशाला द्वारा बच्चों का शारीरिक, मानसिक एवं सर्वांगीण विकास हुआ। इस कार्यशाला में लगभग 15 बच्चों ने भाग लिया। भाग लेने वाले सभी बच्चों को ई-प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

संगणक अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनांक 29 से 30 दिसम्बर, 2021 तक राष्ट्रीय बाल भवन में संगणक अनुभाग के प्रशिक्षक ने गूगल मीट एवं जूम मीटिंग के लिंक बनाने की दो दिवसीय कार्यशाला ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा आयोजित की जिसमें लगभग 20 बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स अनुभाग द्वारा कार्यशाला

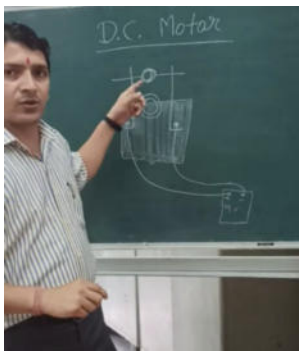

दिनाँक 29 से 31 दिसम्बर, 2021 तक राष्ट्रीय बाल भवन के रेडिया एवं इलैक्ट्रॉनिक्स अनुभाग द्वारा ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य इलैक्ट्रॉनिक्स को एक शौक के रूप में विकसित और बढ़ावा देना था। बच्चों को इलैक्ट्रॉनिक्स के अभिनव और दिलचस्प मॉडल विकसित करने और बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा कार्यशाला

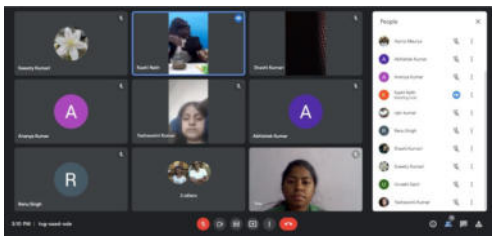

दिनांक 29 दिसम्बर, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन के मिट्टी कला अनुभाग द्वारा मिट्टी से कॉयल पोट (coil pot) बनाने की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बहुत उत्साहपूर्वक में भाग लिया।

दिनांक 30 दिसम्बर, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन के क्ले अनुभाग द्वारा मिट्टी से इंसानी ढांचा बनाने की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बहुत उत्साहपूर्वक में भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

दिनांक 30 दिसम्बर, 2021 को राष्ट्रीय बाल भवन में गूगल मीट के माध्यम से "राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक" का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक-श्रीमती दीपा आनन्द द्वारा की गई। इस बैठक से ज्ञात हुआ कि गत तिमाही में लिए गए निर्णयों के अंतर्गत अन्य अनुभागों में कार्यालयी कार्यों में राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग किए जाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन तिमाही रिपोर्ट में दर्शाए गए आंकड़ों के अनुसार हिंदी पत्राचार की स्थिति में और प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। निदेशक महोदया जी का कहना था कि मंत्रालय से जो भी पत्र अंग्रेजी में आते हैं उनका उत्तर हिंदी में भेंजे साथ ही हिंदी पत्राचार की प्रतिशतता को भी बढ़ाएं ताकि राजभाषा विभाग के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य को पूरा किया जा सके। बैठक के दौरान सदस्यों ने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु सुझाव भी दिए। बैठक के अंत में उपनिदेशक-प्रशासन ने रिपोर्ट में दर्शाए गए आंकड़ों के आधार पर आशा प्रकट की कि आगामी तिमाही प्रगति रिपोर्ट में हिंदी कार्यों की प्रतिशतता में अवश्य बढ़ोत्तरी होगी। तत्पश्चात् सभी सदस्यों को धन्यवाद के साथ बैठक समाप्त की गई। इस बैठक में लगभग 15 कर्मचारियों ने भाग लिया।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनांक 30 से 31 दिसम्बर, 2021 एवं 4 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन में मिले-जुले अनुभाग के प्रशिक्षक ने मधुबनी पेंटिंग पर तीन दिवसीय कार्यशाला ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा आयोजित की जिसमें लगभग 23 बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। भाग लेने वाले सभी बच्चों को ई-प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

जनवरी, 2022

कंठ संगीत अनुभाग में बच्चों को देशभक्ति के गीत - सारे जहाँ से अच्छा, और ब्रज लोकगीत यूट्यूब वीडियो के माध्यम से सिखाए एवं ऑनलाईन कक्षाएं भी जारी रखीं। लोहडी के पर्व पर एक विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत और आइकॉनिक सप्ताह (Iconic Week) के अंतर्गत सहभागियों को शिक्षा के महत्व पर आधारित एक स्वरचित गीत गवाया, वह वीडियो रूप में भेजा गया।

लोक संगीत अनुभाग में बच्चों को विभिन्न झूला गीत, देश भक्ति गीत सिखाया गया।

भरतनाट्यम अनुभाग में बच्चों को विभिन्न माध्यमों से भरतनाट्यम सिखाया गया।

लोक नृत्य अनुभाग ने बच्चों को कालबेलिया नृत्य, आजादी का अमृत महोत्सव कार्यशाला में सिखाया और बच्चों के साथ विभिन्न प्रकार के लोक नृत्यों के सिद्धांतों के बारे में चर्चा की।

सितार अनुभाग में बच्चों को राग (औदव, शादव, संपूर्ण), राग भूपाली का पुनरीक्षण, राग भीमपलासी का राग परिचय, राग भीमपलासी (स्थायी) की विभिन्न जातियों के माध्यम से जानकारी दी गई।

नाट्यकला अनुभाग में बच्चों को बहुत से दृश्य कार्य दिए गए, मकर संक्रांति और एकल प्रदर्शन, नाटक पढ़ने का व्यायाम और अभिनय के लिए विभिन्न विषय, नाटक पढ़ने पर ध्यान कैसे दें और त्वरित सोच क्या है, सुनने का काम और खेलने के लिए टीम वर्क आदि कराया गया।

हस्तकला अनुभाग में बच्चों को विभिन्न एक्शन-ओरिगेमी क्राफ्ट कार्यशाला, क्विलिंग क्राफ्ट कार्यशाला, कोलाज बनाना गतिविधि माध्यम से सिखाया गया।

गृह प्रबंधन अनुभाग में बच्चों को स्पंज केक मिठाई, रोटी चूरमा, मूंगफली की चटनी के साथ चावल की इडली, विभिन्न प्रकार के पालक के पकौड़े, पालक भजिया, पालक लच्छा परांठा, पालक हरा भरा कबाब, बोर्नविटा चॉकलेट बॉल्स, बोर्नवीटा पैन केक, बोर्नविटा चॉकलेट ब्लॉक, बोर्नविटा शेक, विभिन्न प्रकार के पंजाबी व्यंजन, पनीर मटर मसाला, पंजाबी दाल तड़का आदि बनाना सिखाया। जिसमें बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

पर्यावरण, मछली घर एवं एनिमल कॉर्नर में बच्चों को मस्तिष्क के भ्रम और कार्य के बारे में बताया। बच्चे ने सर्दी के मौसम में पर्यावरण में होने वाले बदलावों के बारे में भी चर्चा की। आस-पास के वातावरण और सर्दियों के मौसम में मौजूद पक्षियों का अवलोकन किया तथा सर्दियों के मौसम में पक्षियों में जीवित रहने की विशेषताओं की एक सूची तैयार कराई।

संग्रहालय अनुभाग में बच्चों को समय के परिवर्तन के बारे में बताया जिसका उद्देश्य था - समय अमूल्य है, समय को महत्व देने के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया। आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत, आमोद दिवस के अवसर पर समय का महत्व के बारे में बताया कि हमारे स्वतंत्रता सैनानियों ने समय को कैसे महत्व दिया और अपने समर्पण और भक्ति के माध्यम से ही देश को स्वतंत्र बनाने में कामयाब हुए, बच्चों को हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की कड़ी मेहनत को महत्व देने को भी प्रेरित किया गया। लोहड़ी और मकर संक्राति के अवसर पर बच्चों को

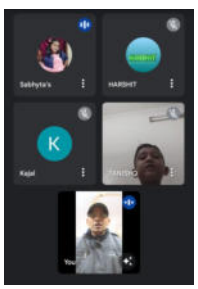

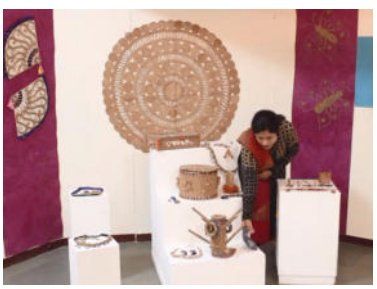

इन त्यौहारों, क्षेत्रों और ऋतुओ में एवं समुदाय में मनाए जाने के कारणों तथा इन त्यौहारों पर खाए जाने वाले पदार्थों के संदर्भ में बताया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन से प्रेरणा लेकर बच्चों को अच्छी तरह से अध्ययन करने के लिए प्रेरित करने वाले पराक्रम दिवस मनाने के साथ-साथ आजादी का अमृत महोत्सव (शिक्षा का महत्व) मनाया गया जिसमें गौरव गाथा गैलरी की झलक दिखाई गई। बच्चों को यह बताया गया कि यदि वे शिक्षित हैं तो ही वे प्रगति कर सकते हैं और राष्ट्र भी प्रगति कर सकता है। स्वतंत्रता के दौरान शिक्षा के महत्व के तहत 73वां गणतंत्र दिवस मनाया और बच्चों को संविधान से प्रेरणा लेने और राष्ट्र के लिए अपने कर्तव्यों को जानने के लिए प्रेरित किया गया। वीडियो के माध्यम से गौरव गाथा गैलरी झलक के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शिक्षा के महत्व की जानकारी दी गई।

संगणक अनुभाग में राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों एवं बच्चों को गूगल मीट या जूम के माध्यम से विभिन्न विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई जैसे:- "आप बस बोलो यह अपने आप टाइप करेगा", लेपटॉप खरीदने से पहले किन-किन चीजों का खास ध्यान रखना चाहिए। माइक्रोसोफ्ट द्वारा स्थाई फाईलों को रिकवर करने के बारे में भी बताया गया। माइक्रोसॉफ्ट विंडो सर्वर 2019 में में फाइल सर्वर कैसे बनाएं डोमेन के साथ मैप करें उपयोगकर्ता प्रोफ़ाइल आज़ादी का अमृतमहोत्सव के उपलक्ष्य में कंप्यूटर की मेमोरी को लेकर जूम मीट द्वारा एक कार्यशाला आयोजित की गई।

आमोद दिवस कार्यक्रम

दिनांक 01 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन में नववर्ष के आगमन पर गूगल मीट द्वारा आमोद दिवस समारोह का आयोजन दो सत्रों में किया गया। जिसमें बच्चों को आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों (जैसे - नाना साहेब, तात्या टोपे, रानी लक्ष्मी बाई एवं नेताजी सुभाष बोस) का भारत की स्वतंत्रता में योगदान के बारे में बताया गया। इस अवसर पर प्रथम सत्र के दौरान- प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा) ने ध्यान एवं योगासन प्रदर्शित किया। प्रशिक्षक (पुस्तकालय) ने नववर्ष पर कविता सुनाकर सबको आनंदमय कर दिया। राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्या बच्ची कुमारी हविषा ने नववर्ष की सुख समृद्धि और अच्छे विचारों पर भाषण प्रस्तुत किया। प्रदर्शन कला विभाग के प्रशिक्षकों ने सितार वादन तथा मराठी गीत प्रस्तुत किया। प्रशिक्षक (हस्तकला) ने 75वें आजादी के अमृत महोत्सव पर आधारित पेपर कटिंग द्वारा लॉयन बनाना सिखाया। प्रदर्शन कला अनुभाग की प्रशिक्षका ने महाराष्ट्र का लोकनृत्य प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के अंत में उपनिदेशक(प्रशासन) - श्री मुकेश गुप्ता ने हार्दिक शुभकामनाओं के साथ तहेदिल से सभी सहभागियों को कोविड-दिशानिर्देशों के साथ स्वस्थ रहने एवं सुरक्षित रहने का आशीषवचन दिया।

प्रदर्शन कला अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 4 से 6 जनवरी, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन के प्रदर्शन कला अनुभाग द्वारा "मुद्राओं की महत्ता" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बड़े उत्साह के साथ लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

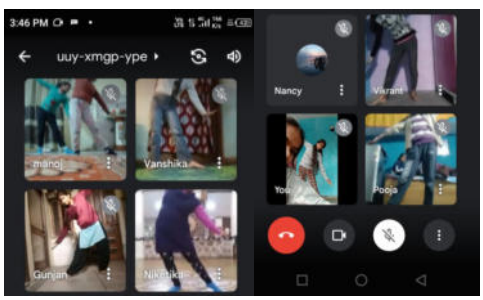

मिले-जुले अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 5 से 7 जनवरी, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन के मिले-जुले अनुभाग द्वारा पेपर द्वारा फूल बनाने की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ पेपर से फूल बनाना सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

दिनाँक 8, 11 और 12 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के मिले-जुले अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय कोलाज बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ कोलाज बनाना सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 40 बच्चों ने भाग लिया।

नशे के खिलाफ ई-प्रतिज्ञा कार्यक्रम

दिनाँक 12 और 15 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों ने भारत के सभी पदाधिकारी, कर्मचारी एवं युवा पीढ़ी को आजीवन शराब व नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने व भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए ई-प्रतिज्ञा ली, जिसका शीर्षक था - "से येस टू लाईफ, नो टू ड्रग्स"। इस ई-प्रतिज्ञा कार्यक्रम में बड़े उत्साह के साथ लगभग 80 सहभागियों ने भाग लिया।

लोक नृत्य कार्यशाला

भारत इस वर्ष 75वां आज़ादी के अमृत महोत्सव मना रहा है इस उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन में प्रदर्शन कला विभाग के लोक नृत्य अनुभाग द्वारा "भारत की स्वतंत्रता के दौरान लोककथाओं का महत्व" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को भारत की स्वतंत्रता के दौरान लोक कथाओं की महत्ता को समझाया और राजस्थानी भूमि के क्रांतिकारियों की कथाओं को नृत्य के माध्यम से समझाया। इस कार्यशाला में बच्चों ने क्रांतिकारियों की कथा को समझा तथा नृत्य को उत्सुकता के साथ सीखा। बच्चों ने इस कार्यशाला में उमंग के साथ भाग लिया।

कंठ संगीत कार्यशाला

भारत के 75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत प्रदर्शन कला विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित की गई, जिसमें प्रदर्शन कला विभाग के गायन अनुभाग द्वारा शिक्षा का महत्व विषय पर बच्चों को स्वरचित एक गीत सिखाया गया जिसके बोल थे-"शिक्षा ने हमेशा से हमको मार्ग दिखाया है"। इस कार्यशाला में बच्चों ने बहुत ही उत्सुकता के साथ गीत को सीखा और उसे बखूबी गाकर भी सुनाया और रिकार्ड भी किया।

लोक गीत कार्यशाला

भारत के 75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय बाल भवन में प्रदर्शन कला विभाग के लोक गीत अनुभाग द्वारा विषय- "स्वतंत्रता के लोक कथाओं का महत्व" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को लोक गीत को सिखाया गया। बच्चों ने इस कार्यशाला में बहुत ही उत्सुकता के साथ गीत को सीखा और बखूबी गाया। बच्चों ने इस कार्यशाला में बहुत उमंग के साथ भाग लिया।

लोक नृत्य कार्यशाला

भारत इस वर्ष 75वां आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है इस उपलक्ष्य में एक दिवसीय नृत्य कार्यशाला राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित की गई, जिसमें प्रशिक्षक (लोक नृत्य) द्वारा विषय- "शिक्षा की महत्वता" पर बच्चों को शिक्षा की महत्वता को समझाते हुए एक नृत्य सिखाया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बहुत ही उत्सुकता के साथ गीत को सीखा।

नाट्कीय कला अनुभाग द्वारा कार्यशाला

भारत में इस वर्ष 75वां आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया गया इस उपलक्ष्य में जनवरी, 2022 में राष्ट्रीय बाल भवन में नाट्कीय कला अनुभाग के प्रशिक्षक ने ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा दो दिवसीय रंगमंच कार्यशाला विषय-शिक्षा की महत्ता तथा लोक साहित्य के आधार पर आयोजित की। इस कार्यशाला में बच्चों को लोक नाटक की विशेषता को समझाया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम

भारत सरकार ने गूगल मीट के द्वारा दिनाँक 12 एवं 13 जनवरी, 2022 को भारत के सभी पदाधिकारी, कर्मचारी एवं युवा पीढ़ी को आजीवन शराब व नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने व भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए ई-प्रतिज्ञा लेने का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका शीर्षक "से यस टू लाइफ, नो टू ड्रग्स" था। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन के समस्त कर्मचारियों ने भाग लिया।

लोहड़ी एवं मकर संक्रांति कार्यक्रम

दिनांक 13 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के संस्कृति शिल्प ग्राम में लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां हुई, जिसके अंतर्गत बच्चों ने गूगल मीट के माध्यम से अपनी सहभागिता दर्ज की। इस उपलक्ष्य में प्रदर्शन कला के कंठ संगीत अनुभाग द्वारा एक गीत की प्रस्तुति दी गई, राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्या कुमारी खुशी ने लोहड़ी एवं मकर संक्रांति की जानकारी प्रदान की तथा नाटक अनुभाग द्वारा इस अवसर पर एकल नाटक का प्रस्तुतीकरण किया गया। संग्रहालय प्रशिक्षका ने मकर संक्रांति के अवसर पर दुल्लाभट्टी की कहानी सुनाई एवं लोहड़ी को फसलों का त्यौहार क्यों माना जाता है, की विस्तृत जानकारी दी तत्पश्चात् प्रदर्शन कला विभाग ने नृत्य की प्रस्तुति की और अंत में इस अवसर पर उपनिदेशक-(प्रशासन) के निर्देशन में लोहड़ी जलाकर कर्मचारियों ने एक-दूसरे को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति की बधाई दी। इस कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में लगभग 80 कर्मचारियों ने भाग लिया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत 'आईकोनिक वीक'

भारत इस वर्ष 75वां आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है इस उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन में '*आईकोनिक वीक*' दिनाँक 17 से 21 जनवरी, 2022 तक भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस दौरान दिनाँक 14 जनवरी, 2022 को प्रबंधन गृह अनुभाग के प्रशिक्षक ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भोजन के महत्व पर रचनात्मक गतिविधियाँ कराई एवं हरी सब्जियों के फायदे के बारे में बताया। दिनाँक 15 जनवरी, 2022 को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महत्वपूर्ण पत्रों पर रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। दिनाँक 18 जनवरी, 2022 को पुस्तकालय अनुभाग द्वारा कहानी सुनाने का सत्र आयोजित किया गया। दिनाँक 19 जनवरी, 2022 को शिक्षा के महत्व पर गतिविधियाँ कराई गईं। दिनाँक 20 जनवरी, 2022 को भारत की स्वतंत्रता के

दौरान लोक कथाओं के महत्व पर प्रकाश डाला गया। दिनाँक 21 जनवरी, 2022 को कोलाज बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। हस्तकला अनुभाग द्वारा बच्चों को अलग-अलग तरह से राष्ट्रीय ध्वज बनाना सिखाया गया। जिसे बच्चों ने उत्साहपूर्वक सीखा और तिरंगे के बैज, पतंग, शांति चिन्ह आदि बनाकर अपनी फोटो भी साझा की।

75वां आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम

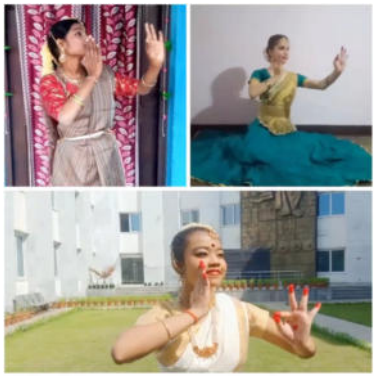

दिनांक 14 से 21 जनवरी, 2022 तक 75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के आधार पर राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 17 से 21 जनवरी, 2022 तक प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह आयोजित किया गया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भोजन के महत्व पर रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गई। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महत्वपूर्ण पत्रों पर रचनात्मक गतिविधियाँ, कहानी सुनाने का सत्र, शिक्षा के महत्व पर गतिविधियाँ, भारत की स्वतंत्रता के दौरान लोककथाओं का महत्व एवं कोलाज बनाने की कार्यशाला आयोजित की गईं।

एअॅरो मॉडलिंग अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 18 जनवरी से 20 जनवरी, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन के एॅअरो मॉडलिंग अनुभाग द्वारा ऑनलाईन प्रक्रिया से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य - एॅअरोमॉडलिंग का परिचय, इतिहास, प्रकार, उड़ान के प्रावधान, विमान उड़ाने का तरीका, विमान के भागों को नियंत्रित करना, एअरक्राफ्ट की कमांड की जानकारी आदि देना था। कार्यशाला में बच्चों को एॅअरो मॉडलिंग और एयरक्राफ्ट से संबंधित विभिन्न प्रकार के विषयों के बारे में जानकारी दी गई जैसे-एॅअरो मॉडलिंग का परिचय, एॅअरो मॉडलिंग के विभिन्न प्रकार के बारे में बताया गया, एॅअर क्राफ्ट को व्यवहारिक तरीके से उड़ाने का ज्ञान दिया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सभी बच्चों के दिमाग को प्रोत्साहित करने के लिए एॅअरो मॉडलिंग और विमान के बारे में समझने में आसान ज्ञान का उपयोग करना था। बच्चों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से बुनियादी एॅटरोमॉडलिंग से लेकर पीपीटी, छोटे वीडियो और अभ्यास के माध्यम से उन्नत एॅअरोमॉडलिंग तक बच्चों को जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में लगभग 54 बच्चों ने भाग लिया।

छायांकन अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 19 जनवरी, 2022 को आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन के छायांकन अनुभाग द्वारा 'शिक्षा की महत्ता' पर आधारित एक कार्यशाला का आयोजन ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा किया गया।

दिनाँक 21 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के छायांकन अनुभाग द्वारा लैंडस्केप फोटोग्राफी पर आधारित एक कार्यशाला का आयोजन ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को लैंडस्केप फोटोग्राफी के कंपोजिशन नियमों की जानकारी दी गई।

संगणक अनुभाग द्वारा कार्यशाला

आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में दिनाँक 21 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के संगणक अनुभाग द्वारा विषय-संगणक की मेमोरी पर आधारित एक कार्यशाला का आयोजन ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने संगणक की आंतरिक और बाहरी यादों को विस्तारपूर्वक सीखा। दिनाँक 19 और 20 जनवरी, 2022 को वर्चुअल जीईएम का प्रशिक्षण भी किया।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 14, 15 और 18 जनवरी, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन के मिले-जुले अनुभाग द्वारा 'बेकार सामान से अच्छा बनाओं' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

दिनाँक 19 से 21 जनवरी, 2022 तक राष्ट्रीय बाल भवन के मिले-जुले अनुभाग द्वारा वर्ली पेंटिंग पर आधारित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ वार्ली पेंटिंग को सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

दिनाँक 22, 25 और 27 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के मिले-जुले अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय मेंहदी डिज़ाईन बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ मेंहदी डिज़ाइन बनाने के कार्य को सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

दिनाँक 28, 29 जनवरी और 1 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के मिले-जुले अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय पेपर मैशी द्वारा खिलौने बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ पेपर मैशी से खिलौने बनाना सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

चित्रकला द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 21 जनवरी 2022 को आज़दी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन के चित्रकला अनुभाग द्वारा कोलाज बनाने की एक कार्यशाला का आयोजन ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने पुराने अखबारों और पत्रिकाओं की मदद से कोलाज बनाना सीखा। बच्चों ने बड़े उत्साह से इस कार्यशाला में भाग लिया।

बुनाई अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 28 और 29 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के बुनाई अनुभाग द्वारा दो दिवसीय बेकार सामान से वूवेन मैट बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ वूवेन मैट बनाना सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 28 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के मिट्टी कला अनुभाग द्वारा एक दिवसीय मिट्टी द्वारा हाथी बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ मिट्टी से हाथी बनाना सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

दिनाँक 29 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के मिट्टी कला अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय पेपर मैशी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ पेपर मैशी से डायनासोर बनाना सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

शहीद दिवस

कोविड-19 को फैलने से रोकने के नियमों का पालन एवं निर्देशानुसार, 50% कर्मचारियों की कार्यालय में उपस्थिति तथा बाकि 50% कर्मचारी घर से काम के दौरान दिनाँक 30 जनवरी, 2022 को भारत की आजादी के लिए संघर्ष के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वालों की स्मृति में राष्ट्रीय बाल भवन के समस्त कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थल व अनुभाग में खड़े होकर दो मिनट मौन रखा गया। इसमें 80 कर्मचारियों ने भाग लिया।

फरवरी, 2022

कंठ संगीत अनुभाग ने बच्चों को यू-ट्यूब के माध्यम से गायन सिखाया जिसके अंतर्गत 'बसंत गीत- बसंती परिधान', राग खमाज का आरोह-अवरोह, बंदिश, सरगम गीत और देशभक्ति गीत यानी "भारत जननी भारत माता" सिखाया। इसके अतिरिक्त नियमित कक्षाएं संचालित की गईं। मातृभाषा दिवस के अवसर पर ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई।

लोक संगीत अनुभाग में बच्चों को कबीर गीत, भजन, राजस्थानी लोक संगीत सिखाया गया। मातृभाषा दिवस के अवसर पर बच्चों के लिए ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बुनाई अनुभाग में बच्चों को हथकरघा मशीन और इसके महत्वपूर्ण भागों, हथकरघा मशीन की जानकारी और संचालन, पिट लूम की जानकारी तथा संचालन, शटल रहित करघे की जानकारी और संचालन जैसे विषयों पर विभिन्न वीडियो के माध्यम से बच्चों को जानकारी प्रदान की।

संग्रहालय अनुभाग में बच्चों को आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भोजन का महत्व', संग्रहालय प्रदर्शनी की झलक के माध्यम से तथा गौरव गाथा गैलरी आदि की सहायता से समझाया गया। बच्चों को यह भी बताया गया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों ने आज़ादी के लिए किन-किन कठिनाईयों का सामना किया, जिससे बच्चे बहुत प्रेरित हुए एवं 73वां गणतंत्र दिवस मनाने के साथ-साथ बच्चों को संविधान से प्रेरणा लेने और राष्ट्र के लिए बच्चों को अपने कर्तव्यों को जानने के लिए गौरव गाथा गैलरी की झलक के माध्यम से प्रेरित किया जिससे बच्चे शिक्षित होकर ही आगे बढ़ सकते हैं और राष्ट्र प्रगति कर सकता है।

मिले-जुले अनुभाग ने बच्चों को विभिन्न तीन दिवसीय गतिविधि पेपर मैशी कार्यशाला, वुड टॉयज कार्यशाला, न्यूज पेपर से मास्क बनाने की कार्यशाला एवं ऑफिस के लिए फोल्डर बनाने की जानकारी ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा प्रदान की।

छायांकन अनुभाग में बच्चों को फोटोग्राफी के विभिन्न विषयों पर नियमित ट्यूटोरियल आइडियोग्राफिक पर नियमित ट्यूटोरियल के बारे में समझाया गया।

पर्यावरण अनुभाग में बच्चों ने बसंत ऋतु के दौरान विभिन्न वनस्पतियों और पौधों के बारे में सीखा। कुछ बच्चों ने अनुभाग की मदद से अपने स्कूल का वातावरण और विज्ञान व विज्ञान परियोजना तैयार की। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के लिए विज्ञान लघु गतिविधियाँ तैयार की गई । अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के लिए पीपीटी व्यवस्था की। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर सदस्य बच्चों ने ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान बच्चों ने अपने आस-पास के अवलोकन का चार्ट तैयार किया, प्रस्तुत मौसम के पौधों का चार्ट तैयार किया, प्रस्तुत मौसम में पाए जाने वाले कीड़ों का चार्ट तैयार किया।

तबला कार्यशाला

दिनाँक 8 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के प्रदर्शन कला विभाग के तबला अनुभाग द्वारा 'विभिन्न तबला घराना' विषय पर एक दिवसीय तबला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ तबला बजाना सीखा।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 8, 9 और 10 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के मिले-जुले अनुभाग द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया से बच्चों के लिए लकड़ी के खिलौने बनाने पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

दिनाँक 11, 12 और 15 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के मिले-जुले अनुभाग द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया से बच्चों के लिए अखबार से मास्क बनाने पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

बसंत पंचमी

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए "सोशल डिस्टेंसिंग" तथा अनिवार्य रूप से "मास्क" लगाकर राष्ट्रीय बाल भवन में 5 फरवरी, 2022 को बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में माँ सरस्वती जी की आराधना की गई। तत्पश्चात् उपस्थित 17 कर्मचारियों ने भी माँ सरस्वती जी को फूल चढ़ाकर मंगल कामना की।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिसव

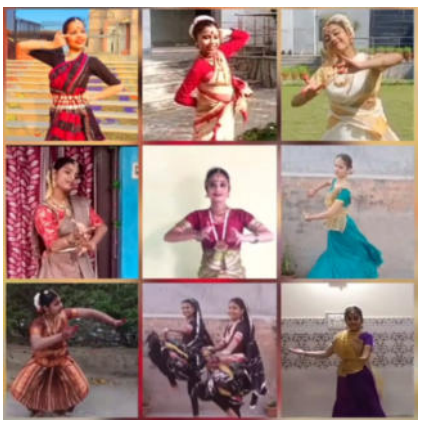

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए शिक्षा मंत्रालय द्वारा भेजे गए लिंक webcast.gov.in/mhrd.edu.gov. से जुड़ कर राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों ने दिनाँक 21 फरवरी, 2022 को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा उत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। इस दिन का महत्व सभी की मातृभाषा के प्रसार को बढ़ावा देना और दुनिया भर में भाषाई और सांस्कृतिक परंपराओं और विविधता के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के बीच एकजुटता को प्रेरित करना है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा उत्सव कार्यक्रम मनाने का उद्देश्य - मातृभाषा को बढ़ावा और संरक्षित रखना है। इस उत्सव कार्यक्रम द्वारा भारत में विविध संस्कृतियों और साहित्य, शिल्प, प्रदर्शन कला, लिपियों और रचनात्मक अभिव्यक्ति के अन्य रूपों के विभिन्न मंचों को समझाना है। इस उत्सव कार्यक्रम के दौरान अनेक गतिविधियाँ कराई गईं जैसे - भाषण, वाद-विवाद, गायन, निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता, संगीत, नाट्कीय प्रदर्शन, प्रदर्शनियाँ आदि का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

दिनाँक 26 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय बाल भवन के विज्ञान अनुभाग ने गूगल मीट के माध्यम से एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य विषय 'उज्जवल भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत

दृष्टिकोण' था। इस दौरान सभी विज्ञान कर्मचारी सहयोगियों ने अपनी-अपनी गतिविधि प्रस्तुत की एवं डॉ. सी.वी. रमन प्रभावों पर पीपीटी के माध्यम से चर्चा की और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के योगदान के बारे में बताया। तदुपरांत कर्मचारियों ने उपग्रह, मांसपेशियों का संकुचन, द्रव्यमान का केंद्र और कागज की ताकत आदि पर साइंस शो आयोजित किया। आईटी के वैज्ञानिक ने नवाचारों के बारे में समझाया, बिजली और बिजली उत्पादन का बुनियादी ज्ञान, एयरोमॉडलिंग का परिचय कैसे लाइन और रेडियो द्वारा मॉडल नियंत्रित करना तथा उनकी उत्पत्ति की जानकारी, ब्रह्मांड के पहले इंटरप्लेनेटरी मिशन मंगलयान इत्यादि की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में उपनिदेशक-प्रशासन ने सभी कर्मचारियों का स्वागत किया और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बारे में तथा मुख्य विषय पर बच्चों के साथ बातचीत की तथा सभी सहभागियों का धन्यवाद किया। यह कार्यशाला आकर्षक और शिक्षाप्रद रही। इस कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों, बच्चों, अभिभावकों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों और राज्य बाल भवनों से जुड़े सदस्यों ने भी भाग लिया। कार्यशाला में लगभग 118 सहभागियों ने भाग लिया।

मार्च, 2022

मिले-जुले अनुभाग में बच्चों को विभिन्न पेपर क्राफ्ट, मधुबनी, वर्ली पेंटिंग, कछुआ बनाना सिखाया गया और कछुए का चेहरा एवं पूंछ बनाने की विधि की भी जानकारी दी गई।

हस्तकला अनुभाग में बच्चों को विभिन्न कोलाज बनाना, बुकमार्क बनाने की विधि, ओरिगामी क्राफ्ट, क्वीलिंग क्राफ्ट, वॉल हैंगिंग आदि बनाना सिखाया।

पर्यावरण, मछली घर एवं एनिमल कॉर्नर में बच्चों को बसंत के मौसम में पर्यावरण परिवर्तनों के बारे में जानकारी दी गई जिसमें उन्होंने पौधों में रंग परिवर्तन देखा और फूलों के हिस्सों की भी पहचान की। बच्चों को फील्ड स्कोप (मिनी माइक्रोस्कोप) कार्यशाला के तहत पराग की स्लाइड बनवाई और उसमें से दिखाया। बच्चों को मधुमक्खी और तितली के जीवन चक्र और पंचांग के बारे में बताया गया। बच्चों ने मधुमक्खी और तितली के पर्यावरण पर और पारिस्थितिक महत्व के बारे में चर्चा की। फूलों के पराग से शहद बनने की जानकारी दी गई। बच्चों ने मक्खियों, मधुमक्खी, तितलियों आदि के शरीर के विभिन्न अंगों की पहचान करने के बारे में सीखा। बच्चों ने मधुमक्खियों के आर्थिक महत्व, पर्यावरणीय मुद्दों पर भी चर्चा की गई जिसमें मधुमक्खियों की आबादी पर जोर दिया गया, इस स्थिति से निपटने के उपायों के बारे में भी चर्चा की।

होली महोत्सव

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 17 मार्च, 2022 को समस्त कर्मचारियों के लिए होली उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने गूगल मीट द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संगीत अनुभाग के सदस्य बच्चों एवं कर्मचारियों ने होली के गीतों द्वारा किया। तत्पश्चात् नृत्य अनुभाग के प्रशिक्षकों ने सदस्य बच्चों के साथ लोक नृत्य प्रस्तुत किए। अंत में उपनिदेशक (प्रशासन)-श्री मुकेश गुप्ता जी ने सभी को होली पर्व की शुभकामनाएं दीं और सभी जनों को भाईचारे

का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सहभागियों ने एक दूसरे पर फूलों की वर्षा कर होली उत्सव की बधाई दी। इस कार्यक्रम में 50 सहभागियों ने भाग लिया।

हिन्दी कार्यशाला

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए तथा अनिवार्य रूप से मास्क पहनकर दिनाँक 22 मार्च, 2022 को "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सहभागियों को हिंदी अनुभाग द्वारा परिचालित किए गए हिंदी वाक्यांशों की समीक्षा, नियम, 1976 के नियम 10(4) के तहत कार्यालयों को अधिसूचित किए जाने संबंधी जानकारी तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों का पालन करते हुए राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए निर्धारित "जाँच बिंदुओं" पर विस्तृत चर्चा की गई।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

कोविड-19 महामारी के कारण कार्यालयी कार्यों को सुचारू रूप से कार्यान्वित करने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनाँक 30 मार्च, 2022 को "गूगल मीट" द्वारा की गई जिसमें राजभाषा हिंदी के वार्षिक कार्यक्रम के साथ-साथ गत बैठक के कार्यवृत्त पर चर्चा की गई तत्पश्चात् गत तिमाही (दिसम्बर, 2021 को समाप्त तिमाही) में भेजी गई प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की गई। इस बैठक में राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशिका महोदया तथा मंत्रालय के अधिकारीगण एवं राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों ने भाग लिया।

जवाहर बाल भवन, माण्डी

परिचय

जवाहर बाल भवन राष्ट्रीय बाल भवन की एक ग्रामीण इकाई है। साठ के दशक के मध्य में, जवाहर बाल भवन की स्थापना के लिए एक योजना शुरू की गई थी। मांडी में जवाहर बाल भवन इसी योजना का विस्तार था। यह ग्रामीण इकाई पहली बार 1972 में स्थापित की गई थी और मांडी गांव के चौपाल से काम करना शुरू किया था। श्रीमती गांधी ने वर्ष 1973 में अपने वर्तमान स्थान पर केंद्र का उद्घाटन किया, जहाँ मांडी के ग्रामीणों ने इसे स्थापित करने के लिए 4.75 एकड़ पंचायत भूमि दान की और इसे 'जवाहर बाल भवन' नाम दिया गया। इसका मुख्य उद्देश्य मांडी, महरौली, जौनपुर, गदाईपुर, सुल्तानपुर, मंगलापुरी, ग्वालपहाड़ी, बांधवारी, असोला, आया नगर, घिटोरनी, छत्तरपुर, मैदानगढ़ी, राजपुर, सतबारी, चंदनहोला, फतेहपुर बेरी, मांडी में और उसके आसपास खदानें और नेब सराय गांव, डेरा, भट्टी के ग्रामीण बच्चों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करना था।

यह एक ऐसी संस्था है जिसका उद्देश्य बच्चों को उनकी उम्र, योग्यता और क्षमता के अनुसार बातचीत करने, प्रयोग करने, बनाने और प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न गतिविधियों, अवसरों और सामान्य मंच प्रदान करके उनकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना है। यह अपार संभावनाओं के साथ बाधा रहित वातावरण प्रदान करता है।

वर्तमान में चल रही गतिविधियाँ हैं शारीरिक शिक्षा, हस्तकला या शिल्पकला, नृत्य, संगीत, संगणक, गृह प्रबंधन, फोटोग्राफी और प्रकाशन।

चूंकि कोविड-19 महामारी के कारण बाल भवन बंद था, ज.बा.भ. मांडी ने 2 मार्च 2022 को फिर से खुलने तक की अवधि के दौरान बच्चों के साथ सभी कार्यक्रमों और गतिविधियों का ऑनलाइन आयोजन किया। सभी ऑनलाइन कार्यक्रम और गतिविधियों को ज.बा.भ. मांडी के सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया। जोकि राष्ट्रीय बाल भवन की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इन्हें अन्य बाल भवनों के बच्चों ने भी देखा।

अम्बेडकर जयंती

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती, 14 अप्रैल को भारत में उनके योगदान के सम्मान में अम्बेडकर जयंती के रूप में मनाया जाता है। भारतीय संविधान के पिता बाबा साहब की 130वीं जयंती को श्रद्धांजलि देने के लिए 14 अप्रैल 2021 को ज.बा.भ. मांडी में बी आर अंबेडकर यानी अंबेडकर जयंती या भीम जयंती मनाई गई। ज.बा.भ. मांडी के सदस्य बच्चों ने इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा निर्देशित ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान पेंटिंग, शिल्प कार्य, डिजिटल वीडियो बनाया जिसे सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया।

रबीन्द्र जयंती

नोबल पुरस्कार विजेता रबीन्द्रनाथ टैगोर की 160 वीं जयंती 7 मई 2021 को रबीन्द्र जयंती के रूप में मनाई गई। 7 मई, 1861 को जन्मे टैगोर एक लोकप्रिय लेखक, कवि, नाटककार, दार्शनिक, कलाकार और चित्रकार थे जिन्होंने राष्ट्र के लिए बहुत योगदान दिया। ज.बा.भ. मांडी के सदस्य बच्चों ने ऑनलाइन कक्षा के बाद अपने घर से ही सुंदर गीत व नृत्य प्रस्तुत किए।

पृथ्वी दिवस

पृथ्वी दिवस पर्यावरण आंदोलन की उपलब्धियों का सम्मान करता है और पृथ्वी के संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाता है। पृथ्वी दिवस ने 1970 में आधुनिक पर्यावरण आंदोलन के जन्म को चिह्नित किया। 22 अप्रैल, 2021 को पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने घरों से पेंटिंग बनाई। प्रकाशन अनुभाग में एक ई-पोस्टर भी बनाया गया था।

विश्व पर्यावरण दिवस

कला और शिल्प वर्ग के बच्चों ने विश्व पर्यावरण दिवस पर एक दिवसीय गतिविधि में भाग लिया ताकि पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को व्यक्त किया जा सके। सदस्य बच्चों के साथ व्यक्तिगत रूप से ऑनलाइन साझा किए गए वीडियो को कला और शिल्प अनुभाग द्वारा सामूहिक रूप से 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाने के लिए रखा गया था - बच्चों ने सुंदर पोस्टर बनाए और प्रकाशन अनुभाग के सदस्य बच्चे द्वारा बनाया गया एक पोस्टर भी जारी किया गया।

मेरी किताब

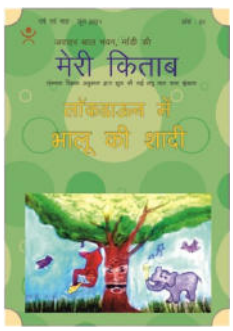

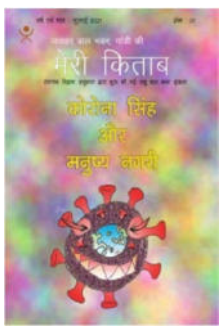

ज.बा.भ, मांडी में बच्चों को अपने भीतर की खोज करने का मौका दिया जाता है। उनकी रचनात्मक गतिविधियों को साकार करने की क्षमता। नवीनतम आउटपुट हैं 'मेरी किताब' जिसका शीर्षक है 'लॉकडाउन मे भालु की शादी' (लॉकडाउन के दौरान भालू विवाह) और 'कोरोना वाई सह और मनुष्य नगरी' (कोरोना सिंह एंड द सिटी ऑफ ह्यूमन) प्रकाशन अनुभाग द्वारा ऑनलाइन प्रकाशन गतिविधि के दौरान, बच्चे थे अन्य बातों के अलावा इन विषयों पर एक कहानी लिखने और उसका वर्णन करने के लिए भी कहा। दो सदस्य बच्चों ने क्रमशः इन विषयों पर कहानियाँ लिखीं और चित्र भी बनाए। बच्चों के लिए और उनके द्वारा इन कहानियों और दृष्टांतों को एक गतिविधि के रूप में कंप्यूटर अनुभाग द्वारा एक कहानी पुस्तक का आकार दिया गया था।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21/06/2021 को ऑनलाइन मनाया गया। बच्चों ने इस दिन योग के विभिन्न आसन किए और वीडियो पोस्ट किए।

गुरु पूर्णिमा

एक गुरु मानव जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा पर बच्चों ने ऑनलाइन डांस क्लास के दौरान पढ़ाए जाने वाले आध्यात्मिक नृत्य प्रस्तुत किया एवं घरों से नक्कारा बजाकर ऑनलाइन अपलोड किया।

स्वतंत्रता दिवस

जवाहर बाल भवन मांडी में भारत का 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। हमारे देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले हमारे वीर सैनिक (स्वतंत्रता सेनानी और देशभक्त जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया और जिन्होंने हमारे देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, उन्हें इस अवसर पर सलामी के साथ स्मरण किया गया। हमारे राष्ट्रीय ध्वज को उप-निदेशक (पी.सी एंड आर) और ज.बा.भ. मांडी के कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान के साथ फहराया गया। कला एवं शिल्प अनुभाग और प्रकाशन अनुभाग के बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पेंटिंग, पोस्टर बनाए और अपने घरों से राष्ट्रगान गाया जिसे रचनात्मक तरीके से ऑनलाइन पोस्ट किया गया।

पुष्प अध्ययन

प्रशिक्षक (कला और शिल्प) ने बताया कि फूल कैसे बनाते हैं और विभिन्न प्रकार के फूलों की पेंटिंग कैसे करते हैं। ऑनलाइन क्लास के बाद बच्चों ने तरह-तरह के फूल बनाए और उसे बहुत ही खूबसूरती से रंगा।

एनाटॉमी स्टडी

मानव शरीर विज्ञान, प्रशिक्षक (कला और शिल्प) द्वारा पढ़ाया जाता था, वरिष्ठ सदस्यों का अनुभाग जहां प्रशिक्षक द्वारा समझाया कि शरीर संरचना, विज्ञान, शरीर की संरचना का अध्ययन है। प्रशिक्षक द्वारा मानव संरचना के निर्माण को तीन चरणों में वर्णित किया गया। मानव और पशु की आकृति को चित्रित या मॉडलिंग करते समय 'संरचना' सबसे महत्वपूर्ण तत्व है, जिसके बिना इसमें पूर्णता का अभाव रहता है।

जन्माष्टमी का उत्सव

कम्प्यूटर सेक्शन के सदस्य बच्चे ने ऑनलाइन क्लास के बाद भगवान श्री कृष्ण के जन्म यानि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर एक सुंदर डिजिटल पोस्टर बनाया। कला एवं शिल्प अनुभाग के बच्चों ने भी ऑनलाइन कक्षा के बाद कला कार्य के माध्यम से उत्सव का चित्रण किया।

अक्कर बक्कर टाइम्स अख़बार

अक्कर बक्कर टाइम्स बच्चों के लिए और उनके द्वारा किया जाने वाला समाचार पत्र है। महामारी के दौरान 'अक्कर बक्कर टाइम्स' को प्रकाशन अनुभाग द्वारा 08/09/2021 को द्विभाषी ई-समाचार पत्र के रूप में जारी किया गया था।

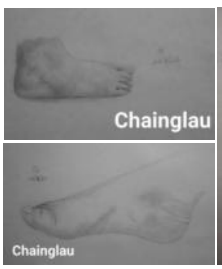

पहले पृष्ठ ने स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के रूप में मनाया जाने का संदेश दिया। पब्लिकेशन सेक्शन के बच्चों ने पेंटिंग बनाई और प्रदर्शन कला विभाग के बच्चों ने देशभक्ति के गीत गाए और नृत्य प्रस्तुत किया। पेंटिंग, गीत और नृत्य ई-अखबार के पहले पृष्ठ पर थे। दूसरे पृष्ठ में रचनात्मक शिक्षक दिवस के ग्रीटिंग कार्ड थे जो बच्चों द्वारा विभिन्न उपरणों के साथ बनाए गए थे। और अख़बार के तीसरे पन्ने में शिक्षकों के सम्मान को दर्शाने वाली सुंदर कविताएँ थीं। चौथे पेज पर वर्ल्ड फोटोग्राफी डे यानी 19 अगस्त 2021 को बच्चों द्वारा क्लिक की गई तस्वीरें थीं।

गणेश चतुर्थी

ज.बा.भ. मांडी में सभी त्योहार कार्यक्रम या गतिविधियों के माध्यम से मनाए जाते हैं। कला और शिल्प अनुभाग के बच्चों ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश के सुंदर चित्र बनाए और उन्हे ऑनलाइन जमा किया।

हिंदी दिवस

जवाहर बाल भवन के बच्चों ने हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कविताएँ लिखीं और पोस्टर भी बनाया। 7 सितंबर से 17 सितंबर 2021 तक एनबीबी द्वारा हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया था और ज.बा.भ. मांडी में भी इसे मनाया गया। पखवाड़ा में लगभग सभी कर्मचारियों ने भाग लिया और विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार जीते।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

संयुक्त राष्ट्र सभी देशों और लोगों को शांति से संबंधित मुद्दों पर जन जागरूकता के माध्यम से इस दिन के दौरान शत्रुता की समाप्ति का सम्मान करने के लिए आमंत्रित करता है। 2021 की थीम 'अंत विरोध, शांति का निर्माण' था। इस अवसर पर जवाहर बाल भवन के प्रकाशन अनुभाग के बच्चों ने आकर्षक पेंटिंग बनाई।

डांडिया बनाने की गतिविधि

पब्लिकेशन अनुभाग की ऑनलाइन गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने सरल तरीके से डांडिया स्टिक बनाना सीखा।

गांधी जयंती

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गांधी जयंती मनाने के लिए कला एवं शिल्प और प्रकाशन विभाग के बच्चों ने महात्मा गांधी के संदेशों और मूल्यों को दर्शाने वाले रचनात्मक शिल्प और पेंटिंग बनाई।

दुर्गा अष्टमी

भरतनाट्यम अनुभाग की एक सदस्य बच्ची ने दुर्गा पूजा/नवरात्रि के पावन अवसर पर अपने घर से 'माँ' दुर्गा पर आधारित एक सुंदर नृत्य की प्रस्तुति की।

राष्ट्रीय एकता दिवस

प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है, जिन्होंने 500, रियासतों को भारत में शामिल करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई इस दिवस को ज.बा.भ. माण्डी में भी पूरे उत्साह के साथ मनाया गया और एकता की शपथ ली गई।

दिवाली पर्व का उत्सव

जवाहर बाल भवन मांडी, भारत के विभिन्न त्योहारों द्वारा देश में सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने में विश्वास करती है। महामारी के दौरान ज.बा.भ. माण्डी ने बच्चों के साथ आनलाइन माध्यम से दिवाली मनाई। कला एवं शिल्प वर्ग के बच्चों ने रंगों से सुंदर ढंग से रंगोली बनाकर दीयों से सजाया और ऑनलाइन पोस्ट किया।

बाल दिवस समारोह और रचनात्मकता मेला

ज.बा.भ. मांडी के प्रकाशन अनुभाग द्वारा वर्चुअल माध्यम से बाल दिवस को मनाया गया। प्रकाशन अनुभाग द्वारा 14 नवम्बर से 17 नवम्बर 2021 तक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया :

14 नवंबर : बच्चों ने अलग-अलग तरह की आकर्षक रंगोली बनाई।
15 नवंबर : बच्चों ने सीखा और सुंदर किताब के निशान और पोस्टर बनाए।
16 नवंबर : भारत के ऐतिहासिक स्थानों की तस्वीरें प्रस्तुत की।
17 नवंबर : बच्चों ने रचनात्मक लेखन और चित्रण में भाग लिया।

संविधान दिवस

1949 में भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल 26 नवंबर को पूरे भारत में संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था।

जवाहर बाल भवन मांडी में भी संविधान दिवस को मनाया गया जहां सभी सदस्य बच्चों ने ऑनलाइन गतिविधियों में भाग लिया। सदस्य बच्चों ने प्रशिक्षक (वाद्य संगीत) द्वारा लिखित शीर्षक गीत 'ये हमारी जान है ये हमारी शान है' को एक अन्य बच्चे द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान सीखे गए नक्कारा की थाप पर गाया गया। इस दिन बच्चों ने पेंटिंग और रंगोली बनाकर ऑनलाइन प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रत्येक प्रतिभागी को ई-सर्टिफिकेट दिया गया। गृह प्रबंधन अनुभाग द्वारा एक तिरंगा सैंडविच तैयार किया गया था। ज.बा.भ. मांडी के सभी कर्मचारियों ने प्रस्तावना पढ़कर संविधान दिवस पर प्रस्तावना के सभी सिद्धांतों का पालन करने का संकल्प लिया।

क्रिसमस उत्सव

ज.बा.भ. मांडी में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से क्रिसमस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। ज.बा.भ. मांडी के कर्मचारियों ने एक मंजर बनाया जिसमें ईसा मसीह के जन्म के दृश्य को रीक्रिएट किया गया। उत्सव के हिस्से के रूप में पूरे स्थान को क्रिसमस ट्री, सांता क्लॉज तथा रोशनी से खूबसूरती से सजाया गया था। बच्चों ने ऑनलाइन नृत्य प्रस्तुत किया, कर्मचारियों ने बच्चों के साथ 'जिंगल बेल्स' और 'वी विश यू ए मेरी क्रिसमस' गीत गाए।

अधिकांश बच्चे, कर्मचारी और पूर्व छात्र गूगल-मीट प्लेटफॉर्म पर मिले और एक-दूसरे को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं, जिससे उन बच्चों का कायाकल्प हो गया,

जिन्हें महामारी ने अपने घरों तक सीमित कर दिया था। बच्चों ने अपने घरों में क्रिसमस, क्रिसमस ट्री, मैंगर और सांता क्लॉज पर खूबसूरत पेंटिंग भी बनाई जिन्हें ऑनलाइन प्रदर्शित किया गया। प्रकाशन अनुभाग में डिजिटल और एनिमेटेड ग्रीटिंग कार्ड बनाए गए थे।

नए साल का जश्न (2022)

ज.बा.भ. मांडी के सदस्य बच्चों और स्वयं सेवकों ने ग्रीटिंग कार्ड बनाए और कर्मचारियों के लिए ज.बा.भ. मांडी के गेट पर दिए। बच्चों ने 'नव वर्ष' के गीत पर अपने घरों से नृत्य तैयार किया और प्रदर्शन किया, अन्य लोगों ने नए साल का स्वागत करने के लिए पारंपरिक वाद्य यंत्र 'नक्कारा' पर प्रदर्शन किया। प्रकाशन अनुभाग द्वारा बच्चों के कार्यों के साथ एक ई-कैलेंडर तैयार किया गया था।

समाचार पत्र के लिए कहानी कैसे बनाएं

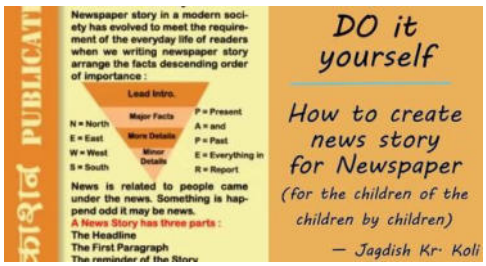

बच्चों ने ऑनलाइन गतिविधि के माध्यम से 16/01/2022 को बच्चों की, बच्चों के द्वारा और बच्चों के लिए समाचार पत्र के लिए कहानी बनाना सीखा, जहां बच्चों को निम्नलिखित विषय दिए गए थे।

1. जब कोरोना को कोरोना हो गया।
2. कोरोना को माँ ने दी डांट।
3. कोरोना से क्या पाया क्या खोया।
4. कोरोना को जब हुआ जुखाम।

बच्चों ने कहानी लेखन के विभिन्न पहलुओं को सीखा और कहानियां लिखीं।

लोहड़ी उत्सव

लोहड़ी को उत्तर भारत के लोग फसल उत्सव के रूप में मनाते हैं। लोहड़ी 13 जनवरी 2022 को आभासी रूप में पारंपरिक अलाव के साथ ज.बा.भ. मांडी में पूरी खुशी और उल्लास के साथ मांडी के कर्मचारियों और सदस्यों और ज.बा.भ. मांडी के पूर्व सदस्यों द्वारा मनाई गई थी। चारों ओर फूलों के गूदे से बनी रंगोली के साथ पॉपकॉर्न और मक्कड़ को अलाव में मिलाया गया। पारंपरिक लोक गीतों और नक्कारा की थाप पर अलाव के चारों ओर एक नृत्य था।

गणतंत्र दिवस समारोह

गणतंत्र दिवस को चिह्नित करने के लिए ऑनलाइन गतिविधियों का आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदर्शनकला विभाग के बच्चों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कला एवं शिल्प अनुभाग के बच्चों ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर कला के कार्य किए, पेटिंग बनाई और कविताएं लिखीं। पराक्रम दिवस (नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती) और राष्ट्रीय युवा दिवस (स्वामी विवेकानंद की जयंती जिन्होंने जनता को जगाया) की जानकारी को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गयो। कंप्यूटर अनुभाग ने भारत के गणतंत्र दिवस पर आधारित एक एनिमेटेड स्लाइड शो तैयार किया। सारा काम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए किया गया। प्रकाशन अनुभाग द्वारा गणतंत्र दिवस की डिजिटल शुभकामनाएं दी गई और

सदस्य बच्चों ने भी देशभक्ति के विचार व्यक्त किए। एक सदस्य ने रानी लक्ष्मीबाई का वेश धारण कर अपनी तस्वीर भेजी।

मांडी दिवस का स्वर्ण जयंती समारोह (1972-2022)

3 फरवरी 1972 से 3 फरवरी 2022 की अवधि के लिए जवाहर बाल भवन मांडी की स्वर्ण जयंती 1 फरवरी से 3 फरवरी 2022 तक सदस्य बच्चों, पूर्व सदस्य बच्चों, पूर्व कर्मचारियों और ज.बा.भ. मांडी के कर्मचारियों द्वारा ऑनलाइन मनाई गई। 1 फरवरी और 2 फरवरी को गूगल-मीट के माध्यम से ऑनलाइन विशेष गतिविधियां आयोजित की गई, जिसके लिए गतिविधिवार एक अलग समय सारिणी की घोषणा की गई। सत्र का संचालन सभी शिक्षकों द्वारा अपने मोबाइल फोन के माध्यम से विशेष गतिविधियों को लेकर किया गया। श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन) ने 'मिनी-बुक' पढ़ाया, श्री जे. बी. राणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (शा.शिक्षा) ने योग सिखाया, श्रीमती रजनी देवी, वार्डन (छात्रवास) ने मिल्क केक बनाना सिखाया, श्री अमित सिंह ने फोटोग्राफी गतिविधि, श्रीमती मनीषा जैन, पूर्व प्रशिक्षक (कला और शिल्प) ने अभिनव फोटो फ्रेम सिखाया, श्री जमील खान, प्रशिक्षक (वाद्य) ने विभिन्न संगीत वाद्ययंत्र बजाना सिखाया, श्री पवन कुमार ने अलग-अलग डांस स्टेप्स सिखाए और श्री. नरेन्द्र कुमार, प्रशिक्षक (कम्प्यूटर) ने गूगल मीट के माध्यम से लाइव संवादात्मक सम्मेलन किया और सभी वीडियो प्रस्तुत किए। फिनाले 3 फरवरी 2022 को गूगल मीट के जरिए किया गया। बच्चों ने लाइव प्रेजेंटेशन दिया।

गूगल-मीट की शुरुआत ज.बा.भ. मांडी की 50 साल की यात्रा के वीडियो प्रोडक्शन के रिलीज के साथ हुई। सदस्य बच्चे और पूर्व सदस्य, पूर्व कर्मचारी, जवाहर बाल भवन मांडी में सहयोगी भागीदारों ने अपने अनुभव साझा किए। इंस्ट्रक्टर (इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक) द्वारा बजाए गए नक्कारा के साथ ऑनलाइन लाइव सांस्कृतिक प्रस्तुति शुरू हुई, नृत्य, गीत, सदस्य बच्चों और पूर्व सदस्यों द्वारा कविताओं का पाठ और सदस्य बच्चों द्वारा नक्कारा पाठ अपने घरों से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रस्तुत किए गए। भरतनाट्यम बहुउद्देशीय हॉल में प्रशिक्षक (भरतनाट्यम) द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

'सुनहरी यादों का सुहाना सफ़र' सुंदर पंक्तियों के साथ पूर्व सदस्यों द्वारा 50 साल की यात्रा की सचित्र झलक देने वाले ग्रीटिंग कार्ड का भी विमोचन किया गया। डीडी (पी. सी. एंड आर) ने इस अवसर पर बच्चों को ऑनलाइन संबोधित किया।

मातृभाषा दिवस

मातृभाषा दिवस का परिचय

यूनेस्को ने वर्ष 1999 में 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में घोषित किया था। वर्ष 2000 से, 21 फरवरी को दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। बांग्ला भाषा की मान्यता के लिए पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के लोगों द्वारा भाषा आंदोलन को सम्मान देने के लिए यह घोषणा की गई।

2016 से हर साल जवाहर बाल भवन मांडी में मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी मातृभाषा दिवस स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग और भाषा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार मनाया गया था।

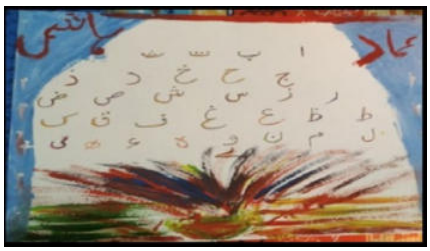

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का विषय 'सीमा के बिना भाषा' था और इसे निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ मनाया जाना था: -

हमारे देश की भाषाई विविधता पर प्रकाश डालें न केवल संबंधित मातृभाषा बल्कि अन्य भाषा के उपयोग को भी प्रोत्साहित करें' भारत में विविध संस्कृति और साहित्य, शिल्प, प्रदर्शन कला, लिपियों और रचनात्मक अभिव्यक्ति के अन्य रूपों के विभिन्न रूपों को समझने के लिए।

भारत की इस अनूठी भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को जवाहर बाल भवन मांडी द्वारा मातृभाषा दिवस समारोह के दौरान नृत्य, संगीत, गीत, पाठ, संवाद और भाषण के माध्यम से विभिन्न भाषाओं में दिए गए उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत किया गया था। बच्चों ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में बात की। सदस्य बच्चों के लिए, राज्य बाल भवन के पूर्व सदस्य बच्चे और बच्चे (जो ज.बा.भ. मांडी की ऑनलाइन गतिविधियों में शामिल हुए) जैसे, भाषण, गायन, पेंटिंग, प्रदर्शन कला (मुखर संगीत, नृत्य और वाद्य संगीत) नारा लेखन, विभिन्न भाषाओं में बोलना आदि आभासी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कंप्यूटर अनुभाग द्वारा संकलित सदस्य और पूर्व सदस्यों द्वारा की गई गतिविधियों का वीडियो वर्चुअल मोड के माध्यम से जारी किया गया था और एक पूर्व सदस्य द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के बारे में एक संक्षिप्त इतिहास के साथ शुरू किया गया था। ऑनलाइन/वर्चुअल प्रोग्राम के अधिकारी (सदस्य और पूर्व सदस्य) ने भी विभिन्न भाषाओं में बात की। इसके बाद बच्चों ने अपनी मातृभाषा और अन्य भाषाओं में बात की। अधिकांश बच्चों ने हिंदी, अंग्रेजी, मणिपुरी, मराठी, बंगाली, गुजराती, कोंकरी, तेलुगु, कन्नड़, पंजाबी और मलयालम में 'मैं एक हूं और मुझे अपनी संस्कृति और परंपरा पर गर्व है' पंक्ति बोली।

राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, गुजरात, हरियाणा, पश्चिम बंगाल जैसे विभिन्न राज्यों के गाने अलग-अलग भाषाओं में थे। एक अन्य बच्चे ने कैसियो पर रवींद्र नाथ टैगोर का प्रसिद्ध गीत 'एकला चलो रे' प्रस्तुत किया। सदस्य बच्चों और पूर्व सदस्यों द्वारा इसका पाठ बंगाली, हिंदी, कोंकणी, मणिपुरी और उर्दू में किया गया।

विभिन्न राज्यों के नृत्य अर्थात भरतनाट्यम (तमिलनाडु), डांडिया (गुजरात), राजस्थानी लोक नृत्य (राजस्थान), ब्रजभाषा में घूमकर नृत्य, रोबिन्द्र नृत्य (बंगाल), लावणी नृत्य (महाराष्ट्र) ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए। इन नृत्यों के अक्कडियो क्षेत्रीय भाषाओं में थे।

इसी तरह, प्रकाशन अनुभाग ने ऑनलाइन गतिविधियों का भी आयोजन किया जिसमें बच्चे भारत की विभिन्न भाषाओं में बोले एवं अपने हस्ताक्षर अंग्रेजी और अपनी मातृभाषा में किए। अत: रचनात्मक लेखन, नारा लेखन और पोस्टर बनाने में भाग लिया। बच्चों के योगदान से तीन वीडियो/डिजिटल प्रस्तुतियां दी गईं।

(क) सीमा के बिना भाषा (ख) मातृभाषा पर नारे और (ग) बच्चों द्वारा मातृभाषा पर बनाए गए पोस्टर। इस मौके पर एक डिजिटल पोस्टर भी जारी किया गया।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग ने मातृभाषा यानी हरियाणवी के माध्यम से कबड्डी और शतरंज का भी प्रदर्शन किया।

बसंत पंचमी (05/02/2022)

बसंत पंचमी के अवसर पर बच्चों ने विद्या की देवी मां सरस्वती की स्तुति में भरतनाट्यम नृत्य ऑनलाइन प्रस्तुत किया। इन नृत्यों को बच्चों ने कोविड-19 की अवधि के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं के बाद तैयार किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

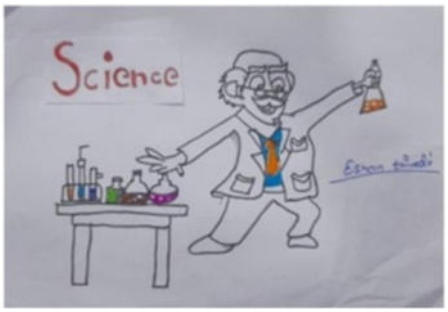

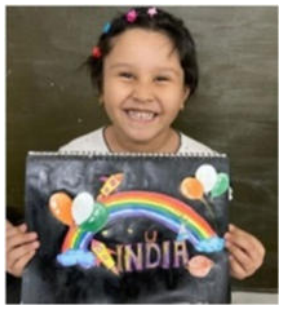

जवाहर बाल भवन माण्डी के सदस्य बच्चों ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर पोस्टर व पेंटिंग बनाकर ऑनलाइन जमा किये। बच्चों ने वीडियो बनाकर डॉ. सी. वी. रमन के बारे में भी बताया। अन्य लोगों ने बताया कि कैसे यह दिन भारतीय भौतिक विज्ञानी सर द्वारा रमन प्रभाव की खोज को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। सी.वी.रमन ने विज्ञान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भी दिन के महत्व का वर्णन किया। एक एनिमेटेड और डिजिटल वीडियो के माध्यम से प्रकाशन अनुभाग द्वारा इस दिन के महत्व को भी समझाया गया। कंप्यूटर अनुभाग ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जहां प्रत्येक प्रतिभागी को ऑनलाइन प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

जवाहर बाल भवन माण्डी का पुनः उद्घाटन

लगभग दो वर्षों की अवधि के बाद सदस्य बच्चों को विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से सूचित किया गया कि बाल भवन 2 मार्च 2022 से फिर से खुल रहा है और उन्हें माता-पिता द्वारा हस्ताक्षरित सहमति फॉर्म के साथ आना होगा एवं कोविड -19 की रोकथाम के लिए सभी निर्देशों का पालन करना होगा।

पहले ही दिन बच्चों की प्रतिक्रिया जबरदस्त थी, जब दोपहर और बाद के सत्र में 150 से अधिक बच्चे आए। श्री सुमीत पाटिल, बालश्री सम्मानित (रचनात्मक कला - 2004) ने बैचों में उनके साथ विशेष गतिविधियाँ आयोजित करके बच्चों का स्वागत किया। सभी सामग्री उनके द्वारा व्यवस्थित की गई थी। उन्होंने विशेष बच्चों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंग गंध रंगों की अवधारणा को भी पेश किया। पहली गतिविधि एक बड़े कैनवास पर शांति विषय 'कला को युद्ध नहीं बनाओ' के साथ की गई थी, बेस्ट फ्रॉम वेस्ट के हिस्से के रूप में हैप्पी फेसेस भी कचरे से बनाए गए थे। बच्चों के साथ स्पेशल इंटरेक्शन सेशन भी हुआ।

विश्व वन्यजीव दिवस

विश्व वन्यजीव दिवस 3 मार्च को मनाया जाता है। बच्चों ने स्पंज स्टैम्प स्टैंसिल गतिविधि में भाग लिया और विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर उन्होंने विभिन्न प्रकार के जानवरों, पक्षियों, कीड़ों और पानी के जानवरों को कागज पर रंगों से बनाया। यह विशेष गतिविधि बालश्री सम्मानित श्री सुमित पाटिल के मार्गदर्शन में हुई। बच्चों ने स्पंज स्टैंसिल कला बनाई जिसे वन्यजीवों के संरक्षण की आवश्यकता के संदेश को फैलाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' पर प्रदर्शित किया गया था।

वॉल पेंटिंग/डिजिटल पेंटिंग

बच्चों ने जवाहर बाल भवन माण्डी के पूर्व सदस्य के साथ मेंगर (प्रकाशन) के पर्यवेक्षण में प्रकाशन अनुभाग की दीवार पर दीवार पेंटिंग सीखी और विभिन्न जानवरों, पक्षियों और कीड़ों आदि को चित्रित किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

बच्चों ने श्री सुमीत पाटिल द्वारा एक गतिविधि के रूप में सुझाई गई विशेष 'बिंदी कला' में भाग लिया। बालश्री सम्मानित सुमित पाटिल ने इस दिन को महिलाओं को समर्पित किया। सदस्यों और पूर्व सदस्यों ने एक 'महिला' का रूप बनाने के लिए बिंदी का इस्तेमाल किया, जो एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और प्यार और स्नेह का प्रतीक है।

होली उत्सव

17 मार्च को बच्चों के साथ होली मनाई गई। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, नक्कारा पाठ, पारंपरिक गीत 'शाम ते...' और 'रंग रंगीली आई होली आई' पर लोक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के बाद गृह प्रबंधन गतिविधि के रूप में बच्चों के लिए एक पारंपरिक मिठाई 'मीठे गोजे' बनाई गई व वितरित की गई।

विश्व वन दिवस और विश्व जल दिवस

विश्व जल दिवस पर एक विशेष पोस्टर बनाया गया था। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर प्रकाशन अनुभाग द्वारा वन संरक्षण की महत्ता का संदेश देने के लिए और पानी बचाने के लिए एक एनिमेटेड प्रस्तुति भी की गई।

विशेष उपलब्धि - गर्व का क्षण

- संविधान दिवस 2021 को चिह्नित करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी गीत / कविता लेखन प्रतियोगिता में बाल सदस्य अंशिका को तीन विजेताओं में से एक चुना गया था। यह वास्तव में एक सराहनीय और प्रतिष्ठित उपलब्धि है। वर्ष 2018-19 में रचनात्मक लेखन कार्यशाला के दौरान रचनात्मक लेखन में राष्ट्रीय बाल भवन के पूर्व निदेशक एवं प्रख्यात लेखक डॉ. मधु पंत द्वारा बच्चों का मार्गदर्शन किया गया। यही प्रशिक्षण बच्चों को आगे बढ़ने में मदद कर रहा है।
- एक अन्य सदस्य बच्चे, आध्या को श्री जमील खान, प्रशिक्षक (इंस्ट्रूमेंट) द्वारा ज. बा.भ. मांडी में नक्कारा लोक वाद्य यंत्र में प्रशिक्षित किया गया। और उसे सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग (सीसीआरटी) छात्रवृत्ति के लिए चुना गया, जिसे राष्ट्रव्यापी चयन के बाद प्रदान किया जाता है।

कला और शिल्प गतिविधियाँ / कार्यशालाएँ

कला और शिल्प अनुभाग के बच्चों ने ऑनलाइन कक्षाओं में निम्नलिखित कलाएँ सीखीं और बनाई।

1. कैनवास पर ऐक्रेलिक रंग का काम 21 जुलाई 2021
2. पेंसिल शेडिंग 14 जुलाई 2021
3. लिनो प्रिंट बनाने की तकनीक (18 मई 2021)
4. डॉट आर्ट मेकिंग (पहली मई)
5. ऑयल पेस्टल और कई अन्य चीजों के माध्यम से लैंडस्केप बनाना।

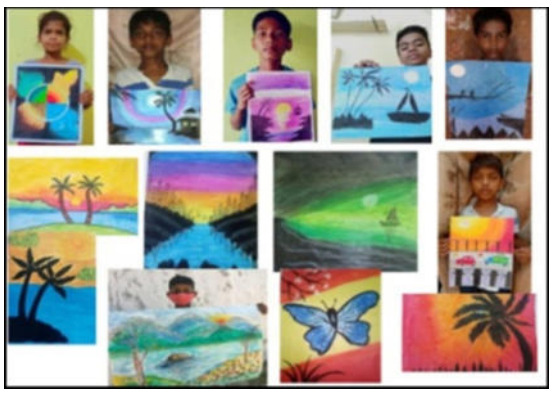

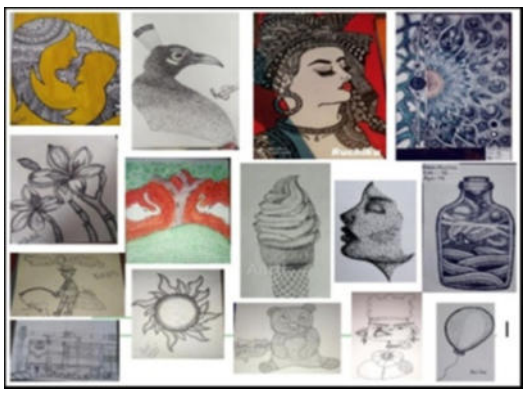

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र

क्षेत्र	बाल भवन केन्द्रों की संख्या
दक्षिणी दिल्ली	12
पश्चिमी दिल्ली	12
उत्तरी दिल्ली	13
पूर्वी दिल्ली	12
कुल	**49**

बाल केन्द्रों की स्थापना, बाल भवन की गतिविधियों को अधिक से अधिक बच्चों तक विशेष रूप से उपेक्षित तथा साधनविहीन बच्चों तक पहुँचाने के लिए ही की गई है। राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली के चार क्षेत्रों में 49 बाल भवन केन्द्र स्थापित हैं। ये बाल केन्द्र आसपास के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए सृजनात्मक केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं जो बच्चों को एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ वे दृश्य व प्रदर्शन कलाओं के माध्यम से आत्माभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करते हैं। यहाँ बच्चों को स्वस्थ, खुशहाल व तनाव रहित वातावरण में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध होती हैं। इन केन्द्रों का मूलभूत उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से वंचित बच्चों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सहायता करना है, जो किसी भी कारणवश मुख्य बाल भवन की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते।

बाल भवन केन्द्र दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों को सीखने के विविध प्रकार के अनुभवों से संप्रेषित कराने के साथ-साथ उनके बौद्धिक विकास तथा उनके सौंदर्यबोध को विकसित करने में भी सहायक हैं।

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

दक्षिणी दिल्ली (12)

1. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   सब्जी मण्डी के समीप, के ब्लॉक
   कालकाजी, नई दिल्ली-110019
2. केन्द्रीय विद्यालय
   एन.सी.ई.आर.टी. केम्पस
   कुतुब होटल के सामने
   दिल्ली-110026
3. केन्द्रीय विद्यालय
   आई.आई.टी. गेट, दिल्ली-110030
4. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   हुमायूँपुर गाँव, नई दिल्ली-110029
5. राजा राम मोहन राय
   सर्वोदय कन्या विद्यालय
   हौजरानी गाँव, मालवीय नगर
   नई दिल्ली-110017

6. प्रयास ऑबजर्वेशन होम फोर बॉयस
कोटला फिरोज़शाह क्रिकेट स्टेडियम के पीछे
दिल्ली गेट, नई दिल्ली-110002

7. चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी.एच.बी.)
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर
गर्वमेंट ऑफ एन.सी.टी. आफॅ दिल्ली
कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स
लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

8. देव समाज मॉर्डन स्कूल नं. 2
सुखदेव विहार, मसीह गढ़ (समीप
एस्कोर्ट हार्ट अस्पताल) नई दिल्ली-110022

9. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
सैक्टर-9, आर.के. पुरम, दिल्ली-110022

10. गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
मदन पुर खादर, दिल्ली-110076

11. योगी अरविन्द सर्वोदया विद्यालय नं. 2
सैक्टर-4, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली-110062

12. विलेज काटेज होम
लाजपत नगर (रिफ्यूजी कालोनी)
कस्तूरबा निकेतन, नई दिल्ली-110024

पश्चिमी दिल्ली (12)

1 सर्वोदय कन्या विद्यालय
समीप डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी,
दिल्ली-110018

2 सर्वोदया कन्या विद्यालय
राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110027

3 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग
नई दिल्ली-110005

4 बालिका गृह
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
बालिका गृह, जेल रोड
हरी नगर, दिल्ली-110064

5 एम. सी. आदर्श स्कूल,
रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली

6 बाबा खड़क सिंह मार्ग
डीआईजेड क्षेत्र, ब्लॉक नं. 82
गेरराज़ बी, 89 के समीप, ब्लॉक राजा बाजार
(बांग्ला साहिब के सामने) नई दिल्ली-110001

7 एम.सी. प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल
मज़लिस पार्क-2, गली नं. 12,
समीप जल बोर्ड, दिल्ली-110033

8 गर्वमेन्ट गर्ल्स सैकेण्ड्री स्कूल
डिप्टी गंज, सदर बाजार,
समीप बारा टूटी चौक, दिल्ली-110006

9 कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल
वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव
बारार सक्वेयर, दिल्ली केन्ट, दिल्ली-110064

10 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी,
आदर्श नगर पार्क), दिल्ली-33

11 बाल निकेतन
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली।

12 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव,
पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली-110008

उत्तरी दिल्ली (13)

1 एम.सी. मॉडल स्कूल
सी-7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप
दिल्ली-110035

2 प्रतिभा विकास विद्यालय
रोहिणी सैक्टर-11, दिल्ली-110085

3 रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल
एन.एस.रोहतक रोड, मिंयावाली नगर
इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार
नई दिल्ली-110081

4 झरोंदा कलाँ वेलफेयर सेन्टर, सी.आर.पी.एफ.
झरोंदा कलाँ केन्द्र, दिल्ली–110072

5 बाल सहयोग भवन डिस्पेंसरी
ई–ब्लॉक, नाँगलोई नं. 2, दिल्ली–110041

6 गर्वमेंट को–एजूकेशनल सर्वोदय सैकेण्ड्री स्कूल
सैक्टर–2, रोहिणी, दिल्ली –110085

7 एम. सी. बालिका विद्यालय
बी. टी. ब्लॉक, समीप सिंगल पुर गाँव
पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली।

8 सर्वोदय विद्यालय
रोहिणी सैक्टर–7, नाहर पुर, दिल्ली–110085

9 एम.सी. मॉडल स्कूल
आई–ब्लॉक, जहाँगीर पुरी मार्किट के समीप
दिल्ली–110033

10 जवाहर नवोदय विद्यालय
मुंगेशपुर, गाँव कुतुब गढ़ के समीप
नई दिल्ली–110039

11 नगर निगम उत्कृष्ट विद्यालय
निमड़ी कालोनी, निमड़ी कालोनी
बस स्टाप के पास, दिल्ली।

12 झलकारी बाई सर्वोदय विद्यालय
जे.जे. कालोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली–110052

13 नजफगढ़
सरस्वती शिशु मंदिर
ढिचाउ रोड, समीप बस स्टैण्ड
नजफगढ़, दिल्ली–110043

पूर्वी दिल्ली (12)

1 बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप
शाहदरा, दिल्ली–110032

2 सर्वोदय कन्या विद्यालय
डी–ब्लॉक, (समीप आनन्द विहार रेलवे स्टेशन),
आनन्द विहार, दिल्ली–110092

3 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
राठी मील के पीछे, बलबीर नगर
शाहदरा, दिल्ली–110032

4 सर्वोदय बाल विद्यालय
पूर्वी विनोद नगर, समीप पॉकेट–सी, मयूर विहार,
फेस–2, बस स्टॉप के पास, दिल्ली–110091

5 शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल
डी–ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी
दिल्ली–110094

6 राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय
ईएसआई के समीप, इन्दिरा गाँधी अस्पताल
गेट नं0 4, सूरजमल विहार, दिल्ली –110092

7 सर्वोदय गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली।

8 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
ढक्का चौक के समीप और ढक्का बस स्टॉप,
ढक्का गाँव, दिल्ली–110009

9 एम.सी.डी. प्रोजेक्ट कार्यालय
पुरानी इमारत, ई–ब्लॉक
मेन बस स्टैण्ड के समीप
हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर,
दिल्ली–110051

10 सीएचजी (चिल्ड्रन होम फोर गर्ल्स)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

11 सीएचबी (चिल्ड्रन होम फोर बॉयस)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

12 एम.सी.डी. प्राईमरी स्कूल
नत्थू सिंह कालोनी, शाहदरा–110093

संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट

बाल भवनों से प्राप्त वर्षपर्यन्त निम्नलिखित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट

1. किलकारी बिहार बाल भवन

वर्ष 2021, कोरोना महामारी के दौरान माह अप्रैल से जुलाई, 2021 तक ऑनलाइन प्रशिक्षण चलाया गया। लगभग 26 विधाओं में ग्रुप बनाए गए, जिसमें सृजनात्मक गतिविधियों के द्वारा कक्षाएँ चलाई गई।

माह अगस्त, 2021 से बच्चों की कक्षाएँ पुनः ऑफलाइन चलाई गई एवं दिसम्बर, 2021 के अंतिम सप्ताह से ऑनलाइन कक्षाएँ संचालित की गई। जिन बच्चों के पास स्मार्ट फोन सुविधा उपलब्ध नहीं थी, उनकी इस समस्या के समाधान के लिए उनकी गली-मुहल्लों में रह रहे किलाकारी बाल भवन के सीनियर बच्चों द्वारा 20 से 22 जुलाई, 2021 तक सृजनात्मक अभिनय की गतिविधियाँ उन तक पहुँचाई गई।

14 नवम्बर, 2021 को 'बाल दिवस' और किलकारी का 'स्थापना दिवस' बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि-शिक्षा मंत्री, बिहार सरकार एवं मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार थे। इस समारोह के दौरान 150 बच्चों ने "गुड्डे-गुड़िया का विवाह" की एक एवं बड़ी ही मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों एवं बच्चों को कुल 25 सम्मानों से नवाज़ा गया।

ग्रीष्मकालीन सत्र कैम्प-कोरोना की परिस्थिति को देखते हुए ग्रीष्मकालीन सत्र कैम्प का आयोजन ऑनलाइन द्वारा किया गया, जिसमें लगभग 60 प्रकार की गतिविधियाँ संचालित की गई। कैम्प के दौरान लगभग 3000 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का समापन समारोह भी ऑनलाइन माध्यम से ही किया गया, जिसे फेसबुक पर लाइव किया गया। फरवरी माह में 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मातृभाषा की गरिमा और महत्व से सभी का परिचय कराया गया। यह जानकारी भी दी गई कि 1952 में ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों एवं समाज सेवकों द्वारा अपनी मातृभाषा को जिंदा रखने हेतु जो प्रदर्शन किया गया, उस दौरान पाकिस्तानी पुलिस की गोलियों से 16 लोग मारे गए। इन शहीदों की याद में यूनेस्को ने 1999 में "अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस" की घोषणा की और तभी से मातृभाषा दिवस मनाया जाना शुरू हुआ। इस दौरान अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जैसे :- नृत्य, पहेली कार्यक्रम जिसका शीर्षक था - 'जो बूझ जाए, हाथ उठाकर जवाब दे और चॉकलेट इनाम पाए'। तत्पश्चात् शुरू हुआ कहावतों पर आधारित कविता-पाठ। स्वरचित कविता का पाठ किया गया एवं मातृभाषा में होली गीत गाए गए। मातृभाषाओं में स्लोगन/नारे, भोजपुरी, मैथिली, अंगिका, वज्जिका, बंगला जैसी मातृभाषाओं की कहावतों का उनके अर्थ लिखकर बड़ी-बड़ी पट्टियों पर प्रदर्शित किया गया।

2. लाल चंदभाई वोरा, बाल भवन बागसरा

क्र.सं.	दिनाँक	गतिविधियाँ	सहभागियों की संख्या
1.	3.7.21	खेल कूद का आयोजन किया गया जिसमें लेमन स्पून दौड़, म्यूजिकल चेयर, दौड़ आदि कार्यक्रम कराए गए।	55
2.	10.7.21	अनेक विज्ञान के प्रयोग किए गए।	40
3.	5.8.21	बच्चों द्वारा राखी बनवाई गई।	40
4.	7.8.21	पुस्तकालय में बच्चों द्वारा पठन-पाठन का आयोजन किया गया।	20
5.	14.8.21	स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ को चिन्हित करने के लिए माता-पिता का सम्मेलन आयोजित किया गया।	85
6.	21.8.21	रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में बच्चों द्वारा कार्ड और राखी बनाई गई।	65
7.	28.8.21	बच्चों को पेड़ की हरी पत्तियों से विभिन्न जानवर और पक्षी बनाना सिखाया गया।	30
8.	4.9.21	बच्चों ने पेड़ों पर रंग लगाया और वृक्षारोपण किया।	85
9.	2.10.21	गांधी जयंती समारोह के दौरान बच्चों को स्वच्छता का महत्व बताया गया।	100
10.	8.10.21	लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उनको कराटे का प्रशिक्षण दिया गया।	35
11.	9.10.21	नवरात्रि व शरद पूर्णिमा के अवसर पर रास गरबा का आयोजन किया गया।	95
12.	16.10.21	बच्चों ने मिट्टी का काम गतिविधि में अलग-अलग आकार बनाना सीखा।	25
13.	23.10.21	बच्चों को गरबा, कोड़िया सजाना और गौरैया का घर बनाना सिखाया गया।	55
14.	30.10.21	बच्चों द्वारा दीपावली कार्ड एवं माला बनवाई गई।	50
15.	4.11.21	बच्चों ने मोती के काम से आभुषण बनाना सीखा।	27
16.	4.11.21	बच्चों ने एकल एवं समूह नाटक प्रदर्शन करना सीखा।	65
17.	13.11.21	बच्चों को बाल दिवस के अवसर पर रचनात्मक गतिविधि के आधार पर जवाहरलाल नेहरू के जीवन की जानकारी दी गई।	25
18.	18.11.21	जादू द्वारा एक पेंसिल से दीवार का एक टुकड़ा बनाया। जादूगर को बेनकाब करने का कार्यक्रम प्रस्तुत किया।	85

19.	20.11.21	बच्चों को अच्छा लिखने के लिए उत्साहवर्धक कैलिग्राफी गतिविधि का आयोजन किया गया।	22
20.	27.11.22	बच्चों के लिए योग शिविर का आयोजन किया गया।	95
21.	11.12.22	बच्चों के लिए खेल उत्सव का आयोजन किया गया।	65
22.	18.12.22	बच्चों को शिल्प कार्य का ज्ञान दिया गया एवं चित्र में पेंसिल सोल कराया गया।	60
23.	25.12.22	क्रिसमस दिवस के उपलक्ष्य में सांता क्लॉज चित्र में रंग भरना सिखाया गया। संगीत कार्यक्रम में बच्चों द्वारा लोक गीत, बाल गीत, तुकबंदी की प्रस्तुति दी गई।	60
24.	फरवरी	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया।	85

3. जिंदल बाल भवन, ओडिसा

जिंदल बाल भवन के नवोदित बच्चों का नेतृत्व करते हुए उत्कल दिवस के अवसर पर यादगार कार्यक्रमों को देखते हुए कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

जिंदल बाल भवन के नवोदित बच्चों का नेतृत्व करते हुए उत्कल दिवस, रक्षा बंधन, जन्माष्टमी, विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व संगीत दिवस, बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस, अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस, हिंदी दिवस, अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस, राष्ट्रीय खेल दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, बाल दिवस, अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस, ऑनलाइन प्रतियोगिता, हरित दिवस, विश्व जनसंख्या दिवस, स्वास्थ्य और स्वच्छता सप्ताह, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, विश्व तंबाकू विरोधी दिवस, विश्व रेड क्रॉस दिवस, विश्व हँसी दिवस, अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस, हिंदी कविता गतिविधियाँ, पृथ्वी दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, राष्ट्रीय बालिका बाल दिवस, झंडा दिवस, नेताजी और वीर सुरेंद्र साई को श्रद्धांजलि, राष्ट्रीय युवा दिवस, शहीद दिवस आदि पर यादगार कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। आजादी का अमृत महोत्सव, वीर गाथा और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की शुरूआत भारत सरकार ने भारत की स्वतंत्रता की प्लेटिनम जयंती बनाते हुए की थी।

दादा-दादी दिवस - बच्चों को उन्हें प्यार करने वाले दादा-दादी के आशीर्वाद से सम्मानित किया गया और पुरानी पीढ़ी के लिए उनके सम्मान और प्यार के अभूतपूर्व निशान दिखाए गए।

मातृभाषा दिवस - विश्वभर में राष्ट्रभाषा को बढ़ावा देना और राष्ट्रभाषा को अत्यधिक महत्व देने के साथ प्रत्येक भारतीय मातृभाषा का विकास करना ताकि इसे वैश्विक भाषा बनाया जा सके। इस दिन का अवलोकन करते हुए बाल भवन के युवा शिक्षार्थियों ने कला, पेंटिन्ग, पोस्टर, कविता पाठ और भाषण के वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बड़े उत्साह के साथ हिन्दी भाषा के महत्व और भव्यता को बढ़ाने के लिए समय का सदुपयोग किया।

बाल दिवस समारोह - बच्चों ने इशारों, मिमिक्री, नृत्य, अभिनय, गीत और फैंसी ड्रेस के साथ दिन की शुरूआत की। छोटे बच्चों ने पूरे जोश के साथ अपने दिल की बात व्यक्त की और इस उत्सव को बड़े उत्साह और उमगं के साथ प्रस्तुत किया। अपने भावों में युवा प्रतिभागियों ने देशभक्तों और राष्ट्र के महान दिग्गजों और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए उनके बलिदानों को याद किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस - स्वामी विवेकानन्द के जीवन और संदेश से प्रेरित बच्चों ने स्वामी विवेकानंद पर पोस्टर बनाकर और स्वामी जी की विचारधाराओं के अनुपालन में नारे लिखकर युवा दिवस का आयोजन किया। इस दिवस का उद्देश्य देश के युवाओं को जागरूक करना और मातृभूमि की विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपने

अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करना, बच्चों को विवेकानंद के दृष्टिकोण को प्रचारित करने और उनके संदेश को आगे ले जाने के लिए प्रेरित करना था।

कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव - श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के अवसर पर श्रीकृष्ण के परिधानों से सजे छोटे बच्चों ने अपने प्रदर्शन के माध्यम से प्रेम, शक्ति, चुनौतियों और क्षमा का संदेश फैलाया।

रक्षा बंधन उत्सव - पौराणिक कथाओं से जुड़े इस दुर्लभ उत्सव को पवित्रता और महत्व का संदेश फैलाने के लिए, जीवन शैली में सुरक्षा और पवित्रता के पवित्र अनुष्ठानों में से एक के रूप में माना जाता है। रक्षाबंधन, भाई की कलाई पर प्यार, देखभाल और समर्थन का बंधन, भाई-बहन की जोड़ी के बंधन और एक पवित्र रिश्ते के मूल्य को उजागर करने के लिए मनाया जाता है। बाल भवन के बच्चों ने खुशी-खुशी रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया।

कारगिल विजय दिवस - सियाचिन ग्लेशियर के आस-पास की ऊँची चौकियों से पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों द्वारा समर्थित घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए भारतीय सेना द्वारा की गई पहल से संबंधित सर्वोच्च बलिदान की गाथा और 60 दिनों का ऑपरेशन, ऑपरेशन विजय नामक काउंटरस्ट्राइक, कारगिल विजय दिवस की स्मृति में मनाया जाता है। यह पर्व उन बहादुर सैनिकों की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। इस अवसर पर बच्चों ने बहादुरी के कृत्यों की मुद्राओं, संवाद एवं गतिविधियों के माध्यम से कारगिल सैनिकों के सम्मान में कारगिल सैनिकों की तरह प्रदर्शन किया।

पर्यावरण दिवस - हर नागरिक में पर्यावरण और पर्यावरणीय खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए "हरित दिवस" का आयोजन किया गया और नवोदित बच्चों ने हरा-भरा रहने और सदाबहार रहने के लिए अपन उत्साह व्यक्त किया। इस अवसर पर बच्चों ने बड़े पैमाने पर समाज में अस्थिरता और पारिस्थितिक असंतुलन की अवधारणा को पेश करने के साथ-साथ आभासी मंच पर पोस्टर और शब्दों के माध्यम से पर्यावरण पर इसके प्रभाव को बदलने के लिए प्रयास किए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - योग जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो मन और शरीर की एकता का प्रतीक, विचार और क्रिया, संयम और पूर्ति, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है, इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न शारीरिक मुद्राओं को उजागर करते हुए आभासी मंच पर योग-अभ्यास की एक श्रृंखला का अनुसरण किया, जो पुराने तनाव पैटर्न को दूर करने में मदद करते हैं, दिमाग को आराम देते हैं, ध्यान केंद्रित करते हैं, अवधारणा को तेज करते हैं और बड़े पैमाने पर मानसिक कल्याण में सुधार करते हैं।

राष्ट्रपिता जयंती दिवस- इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित कर एक वृत्तचित्र के साथ बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात् भाषण, नृत्य प्रदर्शन, कविता का पाठ, गीत और पैंटोमाइम का प्रदर्शन किया गया। फैंसी ड्रेस शो का भी आयोजन किया गया, जिसमें शानदार प्रदर्शन हुआ। कविताओं, नाटकों और भाषण में गांधीवादी आदर्शों, अहिंसा और देश के स्वतंत्रता आंदोलन और बलिदान पर जीने की विचारधारा को प्रतिध्वनित किया गया।

विश्व शांति और अहिंसा दिवस- इस अवसर पर बच्चों ने गतिविधियों के माध्यम से इस तथ्य का प्रचार किया कि शांति की बारे में केवल बात करना ही काफी नहीं है, बल्कि इस पर विश्वास करना चाहिए और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए खुद को समर्पित करना चाहिए।

कहानी सुनाना: एक कला, एक शैली- इस अवसर पर बच्चों ने कला-एकीकृत शिक्षा के एक भाग के रूप में कहानी सुनाने की प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें बच्चों ने एक कथाकार के रूप में कहानी सुनाने में अपना कौशल और इच्छाशक्ति दिखाई।

उपलब्धियों और प्रशंसाओं के साथ ताज पहनाया गया- 1 से 3 अक्टूबर के बीच अर्नापूर्णा रंगमच, पुरी

(ओडिशा) में अंतर्राष्ट्रीय मेगा नृत्य उत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें जवाहर बाल भवन का प्रतिनिधित्व करते हुए सत्चेतन सत्पथी ने 7वां रैंक प्राप्त किया, माजी कल्याणेश्वरी ने 8वां रैंक प्राप्त किया और साई संभवी त्रिपाठी को चौथा रैंक मिला। 24 दिसम्बर को स्मृति सांस्कृतिक संघ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मेगा नृत्य उत्सव के समारोह में 13 बच्चों ने भाग लिया। इसमें बच्चों के अच्छे नाट्य कौशल के प्रदर्शन की सराहना की गई।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस- साक्षरता एक मानव अधिकार है और सभी ज्ञान का आधार। इस दिन को चिन्हित करने के लिए बच्चों ने साक्षरता आधारित रोमांचक गतिविधियों में भाग लिया। वरिष्ठों ने भी साक्षरता पर नारे के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए, शिक्षा पर जोर देकर सभी के लिए एक अधिक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस- "लड़कियों को उड़ने के पंख दो, रोने और मरने का दर्द नहीं", इस नारे के साथ, युवाओं ने महिला समुदाय की सुरक्षा, विशेषाधिकार, सशक्तिकरण और सम्मान के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने और उनकी स्थिति को उन्नत करने की दिशा में समाज में अपनी प्रतिबद्धताओं का प्रदर्शन किया। 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर नृत्य में संगीत की लयबद्ध प्रस्तुति के साथ युवा बच्चों ने अपने रंग-बिरंगे परिधानों के साथ एक लड़की के अधिकारों और उसकी स्वतंत्रता, शिक्षा स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अपनी विचारधारा की आकांक्षाओं को व्यक्त किया।

स्थापना दिवस - सुभाष चन्द्र बोस, वीर सुरेंद्र साई- "बलिदान के बिना स्वतंत्रता नहीं है, स्वतंत्रता के बिना जीवन नहीं है"। महान देशभक्ति और देश की धरती के गौरवशाली सपूतों के बलिदान को याद करते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस और वीर सुरेंद्र साई - इन महान आत्माओं को छोटे बच्चों एवं युवाओं ने डिजिटल हार्दिक पुष्पांजलि अर्पित की और उनकी आभासी जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। साथ ही ऑनलाईन माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानजनक सलामी भी दी।

4 नवम्बर, 2021 को कला चित्रकला और संगीत प्रतियोगिता- बच्चों ने दिनांक 04 नवम्बर, 2021 को कालाहांडी कला प्रतिष्ठान और महावीर सांस्कृतिक अनुष्ठान की 18वीं राष्ट्रीय बाल प्रतियोगिता में भाग लिया। कुमारी आस्था अदिति साहू ने जूनियर ग्रुप में 'बेस्ट ऑफ द ईयर' डी सर्टिफिकेट प्राप्त किया और 2021 की अन्य चित्रकला प्रतियोगिताओं की उपलब्धियों के लिए उन्हें निदेशक द्वारा सम्मानित किया गया। इसी तरह अन्य छात्रों में साई रक्षिता स्वैन, कौशिकी सामंत, गार्गी मोहंती और कई अन्य जिन्होने कला, चित्रकला के साथ-साथ संगीत में अपनी उत्कृट उपलब्धियों के साथ बाल भवन को गौरांवित किया।

फसल उत्सव- भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता की जीवंतता और सत्यता के आधार पर बाल भवन के सहवासियों ने नए साल का जश्न आभासी प्लेटफॉर्म पर अपने कलात्मक प्रिंट के साथ शानदार ढंग से भारतीय क्षितिज की ओर गीत, नृत्य, रंगोली, स्किट और स्केच के साथ मस्ती और उत्साहपूर्वक मनाया। उत्साही प्रतिभागियों ने अपने उत्सव के एयर-शो का प्रदर्शन किया, जो कला, नाट्य भावों और मनोरंजन के साथ-साथ उम्र और जातीयता के बावजूद फसल के गीत के साथ गूंज रहा था।

शहीद दिवस- 'यह कारण है, जो मृत्यु नहीं शहीद बनाती है' - भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गजों के बिना शर्त बलिदान को याद करते हुए, जवाहर बाल भवन, अंगुल ने उन महान आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने राष्ट्र की मुक्ति के लिए अपना जीवन दान कर दिया। बाल भवन के सहभागियों ने सत्य और अहिंसा के महान नेता और साधक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को संगीत, नृत्य, नाटक और पेंटिंग के माध्यम पूरे उत्साह के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की।

परोपकारी अभियान- महामारी स्थिति के बीच सामुदायिक सेवा में स्थानीय कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों द्वारा सहायता प्रदान की गई। अपने परोपकारी अभियान के प्रतीक के रूप में त्रिकोणीय विकृतियों के साथ शारीरिक रूप

से विकलांगों के लिए सुरक्षित पैक सूखा-भोजन, सहायक दवाएं और उपयोगी कपड़े सहित पौष्टिक राशन सामग्री वितरित की।

ईयूएनओआईए: बेलगाम कल्पना का लक्ष्य- बाल भवन के सहवासियों ने भारतीय और पश्चिमी धुनों को आत्मविश्वास और मधुरता के साथ एम्फीथिएटर में प्रस्तुत किया और अपने दिल और आत्मा की श्रेष्ठता को व्यक्त किया। सभी नवोदित प्रतिभागियों को गीत, माधुर्य, पिच, ताल, अभिव्यक्ति और समग्र प्रभाव की पसंद पर स्कोर किया गया। इसी तरह नृत्य में अन्य प्रतिभागियों ने जूरी और दर्शकों को अपने नाट्य इशारों के माध्यम से आकर्षित एवं मंत्र मुग्ध कर दिया।

4. रंगप्रभात बाल भवन

अप्रैल माह में नाटक, वाद्य संगीत, संगीत, ड्राईंग और पेंटिंग पर बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया। 10 अप्रैल, 2022 से एक माह तक बालविकास मेला प्रारंभ किया गया। इस दौरान लोक गीतों, रचनात्मक नाटक, कहानी कहने आदि पर प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। इस बाल विकास मेले में लगभग 150 बच्चों ने भाग लिया। 10 अप्रैल से 18 अप्रैल, 2021 तक 10 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

जून माह में दिनाँक 5 जून, 2021 को पर्यावरण दिवस समारोह के अवसर पर फेस बुक के माध्यम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सदस्य बच्चों ने पर्यावरण के मुद्दों पर गीत और वार्ता का मंचन किया। अध्यक्ष महोदया द्वारा बाल भवन परिसर में पौधारोपण भी किया गया। 19 जून, 2021 को पठन दिवस का उत्सव मनाया गया। इस उपलक्ष्य में सोशल मीडिया प्लेटफार्म क्लब हाउस में प्रोफेसर जी शंकर पिल्लई के नाटक मयिलपीली का वाचन किया गया। 20 जून, 2021 को कार्टून कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें गूगल मीट के माध्यम से एक कार्टून कार्यशाला आयोजित की गई। 21 जून, 2021 को विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गूगल मीट द्वारा योग कार्यशाला का आयोजन किया गया ताकि जीवन में इसके महत्व और उपयोगिता का प्रसार किया जा सके। सहभागियों के लिए कार्यशाला बहुत उपयोगी साबित रही। 21 जून, 2021 को विश्व संगीत दिवस का गूगल मीट द्वारा संगीत पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कर्नाटक संगीत की प्रसिद्ध संगीतकार श्रीमती सुधा गणेश ने मानव के दैनिक जीवन में संगीत और उसके महत्व पर ज़ोर दिया।

अगस्त माह से ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा संगीत और चित्रकला कक्षाएं आयोजित की गईं। 15 अगस्त, 2021 को 75वां स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदया द्वारा बाल भवन परिसर में ध्वजारोहण किया गया और बच्चों ने देशभक्ति गीतों का मंचन किया। बच्चों ने आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वयं रिकार्ड राष्ट्रगान को "Rashtragaan.in" पर अपलोड किया। बाल भवन के संस्थापक गुरू कोचुनारायण पिल्लई की 15वीं पुण्यतिथि को स्मृति दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक अधिवक्ता डी.के. मुरली द्वारा किया गया।

अक्तूबर माह में महात्मा गांधी का 152वां जन्म दिवस मनाया गया और इस उपलक्ष्य में बच्चों ने राष्ट्रीय एकता गीत, देशभक्ति गीत आदि का मंचन किया। 2 अक्तूबर से 6 अक्तूबर, 2021 तक बच्चों के लिए 5 दिवसीय रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया गया। बच्चों के लिए मिनिमल आर्ट, चाइल्ड साइकोलॉजी की कक्षाएँ आयोजित की गई। कार्यशाला के अंत में बच्चों ने रचनात्मक नाटक 'द रेस' का मंचन किया। 3 अक्तूबर, 2021 के बाद लॉकडाउन की अवधि समाप्ति के बाद शारीरिक कक्षाएँ प्रारंभ की गई। 11 अक्तूबर, 2021 को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनेक गतिविधियाँ व प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई, जैसे :- ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, भाषण, मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता वर्ग, स्वाभिमान पर जागरूकता वर्ग, तनाव प्रबंधन पर जागरूकता वर्ग आदि। 13 और 14 अक्तूबर, 2021 को दो दिवसीय नवरात्रि महोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन आयोजित किया गया।

नवम्बर माह में बाल दिवस के उपलक्ष्य में 14 नवम्बर, 2021 को बाल रैली का आयोजन किया गया। आज़ादी के अमृत महोत्सव में भाग लेने के लिए बच्चों ने अनेक कार्यक्रमों जैसे :- रंगोली बनाने की प्रतियोगिता, देशभक्ति गीत प्रतियोगिता, लोरी प्रतियोगिता आदि में भाग लिया।

5. बाल भवन, कोटकपुरा

इस वर्ष कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन के बावजूद भी ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों के लिए योग और ध्यान कक्षाएं, कला और शिल्प, नृत्य आदि की कक्षाएं आयोजित की गईं। बाल भवन का नैतिक उद्देश्य माता-पिता और बड़ों के प्रति भाईचारे और सम्मान की भावना विकसित करके राष्ट्र के लिए जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करना था। बाल भवन कोटकपुरा की मदद से महीने में कम से कम एक बार स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। बाल भवन के बच्चे किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए अधिक सुसज्जित हैं। आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा, सामाजिक-जिम्मेदारियां, पर्यावरण अध्ययन, आग की रोकथाम नेतृत्व जैसे कुछ विशेष विषयों की शुरूआत की गई। ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में कुछ विषयों पर चर्चा की गई जैसे शिक्षक अपने काम में उत्कृष्टता कैसे प्राप्त कर सकते हैं और अपने कौशल में सुधार कर सकते हैं? एक शिक्षक अपने छात्रों के लिए एक अच्छा उदाहरण कैसे स्थापित कर सकता है? शिक्षण सत्र से छात्र बहुत प्रेरित हुए जैसे कि टाइम टेबल कैसे तैयार किया जाए, इंटरनेट का उचित उपयोग, साइबर सुरक्षा आदि जिसके माध्यम से छात्रों ने बहुत कुछ सीखा।

13 अप्रैल को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जयंती मनाई गई, जिसमें ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला के माध्यम से सभी छात्रों को डॉ. अम्बेडकर के योगदान के बारे में पढ़ाया गया।

22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। जिसमें बच्चों ने ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। धरती माता की रक्षा करने और सभी के लिए एक बेहतर जगह बनाने की शपथ ली गई ताकि आगे आने वाली पीढ़ी को पृथ्वी को स्वस्थ रूप से सौंप सकें। पृथ्वी दिवस पर एक सुनियोजित गतिविधि स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

28 अप्रैल को कोविड-19 कोरोना वायरस से समाज की सुरक्षा के मद्देनजर स्थानीय स्वास्थ्य प्रशासन के सहयोग से टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया।

1 मई को मजदूर दिवस ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा मनाया गया। जिसमें बच्चों ने श्रम की गरिमा के बार में सीखा। श्री गुरू तेग बहादुर जी के प्रकाश उत्सव ने छात्रों को एक महान ऊर्जा प्रदान की। बच्चे अपने जीवन में उनकी शिक्षाओं को अपनाने के लिए सक्षम और प्रतिबद्ध हैं।

4 मई को छात्रों ने "वाहनों से होने वाले प्रदूषण" पर एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया। प्रदूषण के कारण प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों और प्रदूषण को कम करने के उपायों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्व में सभी को स्वस्थ और खुशहाल रहने के लिए कामना की गई।

9 मई को मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त ईद, अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती आदि का भी आयोजन किया गया।

1 जून को विश्व दुग्ध दिवस ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन और अपने माता-पिता की देख-रेख में दूध भरा एक गिलास लेकर दूध के महत्व पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में

भाग लिया। दूध तनाव को कम करने में कैसे मदद करता है, हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है और प्रोटीन के स्त्रोत पर एक व्याख्यान श्रृंखला शिक्षकों द्वारा छात्रों के लिए प्रस्तुत की गई।

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। "पेड़ स्वर्ग को सुनने के लिए बोलने के लिए पृथ्वी के अंतहीन प्रयास हैं" श्री रवींद्रनाथ टैगोर के एक सुप्रसिद्ध उदाहरण को बच्चों ने चित्रों के माध्यम से चित्रित किया। सभी बच्चों ने पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया।

8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया गया। 'महासागर : जीवन और आजीविका', संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को मनाने के लिए 6 दिसम्बर, 2008 को प्रस्ताव पारित किया। प्यारा सागर, वह आपको धोखा नहीं देगा। 8 जून को पूरी दुनिया हमारे आस-पास के सबसे बड़े जल निकाय, जोकि महासागर है, के लिए एक-जुट होती है। यह हमारी पृथ्वी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि यह हमें जल प्रदान करता है, जो हमारे दैनिक जीवन में सबसे आवश्यक तत्व है। मानव औद्योगिक कचरे से लेकर अवांछित कूड़े को फेंकने तक, अपने प्राकृतिक संसाधनों के साथ पृथ्वी की गतिशीलता को अस्थिर कर रहा है, जो एक अंतिम और दुर्भाग्यपूर्ण अंत की ओर ले जा सकता है। इसलिए दुनियाभर के महासागरों को बचाना और भी महत्वपूर्ण है।

12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बाल श्रम को खत्म करने के लिए सभी का ध्यान आकर्षित किया गया और याद दिलाया गया कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का अधिकार दिया जाना चाहिए न कि बच्चों के हाथों में उपकरण थमाना चाहिए। यह कोशिश रहे कि बच्चे एक स्वस्थ और सुरक्षित बचपन जीएं।

14 जून को श्री गुरू अर्जन देव जी का शहादत दिवस ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा मनाया गया। सिख धर्म में शहादत की परंपरा के संस्थापक श्री गुरू अर्जुन देव जी जिन्होंने "तेरा किया मीठा लगे" कहकर अकाल पुरख की हर इच्छा का पालन किया सभी गुरू जी को श्रद्धा और सम्मान देते हैं। इस दौरान बच्चों ने ऑनलाइन शब्द कीर्तन की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें निस्वार्थ रूप से सभी ने अपना रक्तदान किया।

15 जून से 25 जून तक ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान एक ऑनलाइन गतिविधि शिविर आयोजित किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों के लिए आर्ट ऑफ लिविंग, योग, पेंटिंग, फेब्रिक पेंटिंग, पॉट-पेंटिंग, टाई एंड डाई, बेकार सामान का उपयोग, पेपर मोल्डिंग, बुनाई, गार्डनिंग एंड मेकिंग ऑफ साइंस प्रोजेक्ट्स, एस.एस.टी. परियोजनाओं आदि की शिक्षा नि:शुल्क प्रदान की गई।

20 जून को फादर्स डे मनाया गया। यह दिवस एक महान ऊर्जा के साथ मनाया गया जिसमें पितृ गतिविधियों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन किया गया। इसमें बताया गया कि एक अच्छा पिता किसी भी परिवार में सबसे मूल्यवान संपत्ति है। पिता परिवार और अपने बच्चों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध रहता है।

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसमें बताया गया कि खुश, सामंजस्यपूर्ण और स्वस्थ रहने के लिए स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और हमारे दैनिक जीवन में योग का अभ्यास करने से अनेक बिमारियों का निदान किया जा सकता है।

23 जून को ओलंपिक दिवस के अवसर पर ओलंपिक की भावना का उत्सव मनाया गया और फिट तथा स्वस्थ रहने के लिए खेलों को अपने जीवन का दैनिक हिस्सा बनाना जरूरी है, बच्चों को यह ज्ञान प्रदान किया गया।

1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉक्टरों के समर्पण के लिए उनकी क्षमता के अनुसार बीमारों का इलाज करने के लिए एक श्रद्धांजलि का रूप दिया गया। हमें निस्वार्थ फरिश्तों का ऋणी होना चाहिए जिन्होंने कोविड-19 के समय में हमें बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली।

2 जुलाई को "सभी मेहनती और प्रतिभाशाली खेल पत्रकारों को विश्व खेल पत्रकार दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं"।

26 जुलाई को विजय दिवस का आयोजन किया गया। यह दिन देशभक्ति की भावना से भरा हुआ होता है और सभी सैनिकों के बलिदान के प्रति एक बड़ा सम्मान प्रस्तुत करता है।

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को पोस्टर मेकिंग और देशभक्ति गीत प्रतियोगिता आयोजित की गई, साथ ही बुलेटिन बोर्ड प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। रक्षा बंधन त्यौहार से सम्बंधित राखी बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने राखी बनाने के लिए पर्यावरण के अनुकूल सामग्री का उपयोग करना सीखा। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

5 सितम्बर को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें एक प्रेरक और प्रेरणादायक व्याख्यान के माध्यम से प्रधानाचार्य ने छात्रों और शिक्षकों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और कार्यों का विवरण दिया। कहानी सुनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा फल और सब्जी की नक्काशी, स्लोगन राइटिंग, कोलाज और पावर-पॉइंट के प्रदर्शन से कुपोषण के उन्मूलन पर जोर देकर इसे उल्लेखनीय बनाया।

2 अक्तूबर को गांधी जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने आस-पास सफाई के लिए एक सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चारों सदनों द्वारा सुनियोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

15 अक्तूबर को दशहरा पर्व, जो कि बुराई पर सत्य की जीत है, मनाया गया। बच्चों ने रामायण के पात्रों के रोल प्ले किए जिसमें स्वयं की नकारात्मकता और बुराई को जलाने की शिक्षक की सलाह छात्रों के लिए एक महान सबक थी।

नवम्बर माह में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट को प्रदर्शित करने के लिए कला शिल्प, ड्राइंग और विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। दिवाली त्यौहार के अवसर पर मोमबत्ती की सजावट, डिस्प्ले बोर्ड, ग्रीटिंग कार्ड बनाने की प्रतियोगिता कराई गई। 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया।

दिसम्बर माह में भारतीय नौसेना दिवस, श्री तेगबहादुर जयंती दिवस, विजय दिवस, किसान दिवस, क्रिसमस दिवस प्रमुख समारोह थे। 'परीक्षा पे चर्चा' प्रमुख गतिविधि रही।

09 जनवरी को गुरू पर्व मनाया गया और गुरू गोबिंद सिंह जी की शिक्षाओं को बच्चों को समझाया गया। इस अवसर पर गायन और पाठ की श्रृंखला ऑनलाइन आयोजित की गई। इस अवसर पर पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। लोहड़ी और माघी उत्सव आदि का भी आयोजन किया गया। 15 जनवरी को सेना दिवस, 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस जयंती एवं 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह का आयोजन किया गया। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना के साथ ध्वजारोहण किया गया।

6. बाल भवन, दमन

21 फरवरी, 2022 को "अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगीत प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बच्चों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए गए।

भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. जवाहर शिशु भवन
   94/1, चौरंगी रोड़, कोलकाता-700020 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 2223-1551/6878/6667, ई-मेल : ncm.va.academy@gmail.com

2. जवाहर शिशु भवन
   पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी, जिला हावड़ा-711113 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 033-26532317, ई-मेल : prabal.jsb@gmail.com

ओडिशा

3. राज्य जवाहर बाल भवन
   प्लॉट नं. 624P, 627P, सरकारी स्टेट, पोखारीपुट मेन रोड़, एरोड्रोम एरिया, भुवनेश्वर-751020(ओडिशा)
   फोन नं. 0674-3269166, मो. नं. 09237197667 ई-मेल : madhushreya73@rediffmail.com

4. जिला जवाहर बाल भवन (ज्योतिर्मयी महिला समिति)
   आर-8, ग्वाल सिंह, पोस्ट ऑफिस ठाकुरपटना, केंद्रपाड़ा-754250 (ओडिशा)
   फोन नं. 06727-220729 ई-मेल : balbhavan.knd15@gmail.com

5. जिंदल बाल भवन
   जेएसपीएल टाउनशिप, पो.ओ. जिंदल स्कूल कैम्पस, जिंदल नगर, अंगुल-759111 (ओडिशा)
   फोन नं. 09777444489/90, 9777445444 ई-मेल : opjs@angul.jspl.com

मणिपुर

6. मणिपुर बाल भवन
   सामाजिक अधिकारिता विभाग, निदेशालय परिसर, द्वितीय एम.आर. गेट, इम्फाल-795001 मणिपुर सरकार
   फोन नं. 7005018575 ई-मेल : balbhavan.manipur@gmail.com

झारखण्ड

7. झारखण्ड स्टेट बाल भवन
   सिटीजन फाउंडेशन, 7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर, रांची-834002 (झारखण्ड)
   फोन नं. 651-2482777, 2481777, 3205777, ई-मेल : mail@citizensfoundation.org

8. आशा-लता बाल भवन (विकलांग विकास केन्द्र)
सैक्टर 5-डी, बोकारो स्टील सिटी-827006, जिला बोकारो (झारखंड)
फोन नं. 9835327133, 06542-27766 ई-मेल : ashalatakendra@yahoo.co.in

नागालैंड

9 बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, नागालैंड, कोहिमा-797001
फोन नं. : 0370-2245761 ई-मेल : socialwelfarengl@gmail.com

मिजोरम

10. बाल भवन
मिजोरम बाल भवन सोसाइटी, गृह नं. वाई/ए-46, द्वारा सामाजिक अधिकारिता विभाग,
आईज़ोल-796007 (मिजोरम)
फोन नं.: 0389-2390866, ई-मेल : zdthangi@gmail.com, avzawni@gmail.com

बिहार

11. बिहार बाल भवन ''किलकारी''
राष्ट्र भाषा परिषद कैम्पस, सैदपुर, राजेन्द्र नगर, पटना-800004 (बिहार)
फोन नं.: 0612-2661211, ई-मेल : kilkari2008@yahoo.co.in

12. यूनिक बाल भवन
यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा चलाया जाता है, स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
जिला समस्तीपुर-848236 (बिहार) फोन नं. : 06275-244442, ई-मेल : ucesociety80@gmail.com

13. मदर टेरेसा बाल भवन
मदर टेरेसा विद्यापीठ, क्लब रोड रामना, मुज़फ्फरपुर, बिहार-842002
फोन नं.: 9973658416, 0749886640, ई-मेल : motherteresabalbhavan@gmail.com

पश्चिमी क्षेत्र

संघ शासित प्रदेश

14. बाल भवन बोर्ड
सरकिट हाऊस के सामने, दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र, सिलवासा-396230
फोन नं. : 0260-2642287, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

15. बाल भवन बोर्ड
फुटबाल पार्क, मोती दमन-396220 संघ शासित प्रदेश दमन और दीव
फोन नं.: 0260-2230941, ई-मेल : balbhavandaman@gmail.com

16. बाल भवन बोर्ड
समीप जिला पुस्तकालय, लूहारवाडा, दीव -362520 (दमन और दीव)
फोन नं.: 02875-254516, ई-मेल : balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

17. महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष मार्ग, चरनी रोड़ (पश्चिम), मुम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 022-23614189, ई-मेल : jawaharbalbhavan.mumbai@gmail.com

18. सांई बाल भवन
श्री माता निर्मला देवी नृत्या झंकार, प्लॉट नं0 68, सैक्टर-ए, 4 नं0 पुलिस चौकी के पास
सिडको, औरंगाबाद-430001 (महाराष्ट्र) फोन नं.: 09422716215 ई-मेल : meera.pauskar@gmail.com

19. जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कॉलोनी, दिओपुर, धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 09421525926 ई-मेल : jaihindbalbhawan@gmail.com

20. गरवारे बाल भवन
एन-7, बी-1, सिडको, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0240-2484794, 2472234 ई-मेल : sps@garwarepoly.com, gcccidco@gmail.com

21. ताराबाई संगरपवार बाल भवन
221/बी, परांजजे स्कूल, बजाज नगर, नागपुर-440010 (महाराष्ट्र)
बाल मंदिर संस्था बाल भवन, बजाज नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0712-2243127 ई-मेल : bmsanstha@gmail.com

22. सांई बाल भवन
58, नंदवन हाउसिंग सोसाइटी, साई बाबा मंगल के पास, नाकाने रोड, दयपुर धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 9960836186 ई-मेल : raigarh@jspl.com

गुजरात

23. बाल भवन
चिल्ड्रन ड्रीम लैंड्स, नेहरू उद्यान रेस कोर्स, राजकोट-360001 (गुजरात)
फोन नं.: 0281-2440930, ई-मेल : balbhavanrajkot@gmail.com

24. बाल भवन सोसाइटी
सायाजी बाग के पीछ, करेलिबौग, वड़ोदरा-390018 (गुजरात)
फोन नं.: 0265-2792718-2795937, ई-मेल : balbhavanbrd@gmail.com

25. कुसम बहन अदानी बाल भवन
अक्षयगढ़-362229, केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)
फोन नं. 02871-236390, 0942613689, 08980000157 ई-मेल : balbhavan@gurukulmail.com

26. रूपायतन बाल भवन
गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़- 362004 (गुजरात)
फोन नं.: 0285-2627573, ई-मेल : rupayatanbalbhavan@gmail.com

27. श्री वी. एन. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
सैक्टर-28, बी/एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर-382028 (गुजरात) फोन नं.: 079-23210477, 9909011297
ई-मेल : janpandya@yahoo.com, shilpimage@gmail.com

28. लालचंद भाई वोरा बाल भवन
द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा, जिला अमरेली (गुजरात)
फोन नं.: 0796-222479, ई-मेल : vvmst@rediffmail.com

29. श्री महात्मा गाँधी बाल भवन
(श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस) छाया मेन रोड़, पो.ओ.-छाया, जिला पोरबंदर-360575 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2243790, ई-मेल : swamijipbr@gmail.com

30. श्री एन. के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड, जिला नादियाड-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0268-2568851 ई-मेल : jeetsolanki_12@yahoo.in

31. बाल भवन, अमरेली
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय परिसर, रामजी मन्दिर के सामने, पुस्तकालय चौक, अमरेली-365601 (गुजरात) फोन नं.: 02792-222118, 09377914333 ई-मेल : balbhavanamereli@gmail.com

32. सरदार पटेल बाल भवन
मिल रोड आरटीओ के सामने, नादियाड, जिला खेडा-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2566196 ई-मेल : nadiad@sardarpatelbalbhavan.com

33. पार्थ एक्टविटीज बाल भवन
अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क', सामने अंक्षर वाड़ी मंदिर वाघावाडी रोड़, भावनगर-364002 (गुजरात) फोन नं.: 078-2470523
ई-मेल : privij64mehta@gmail.com, partactivities.balbhavan@gmail.com

34. शिशु विहार बाल भवन
शिशु विहार सर्कल, नियर क्रिसेंट, कृष्णा नगर, भावनगर-364001 (गुजरात)
फोन नं: 0278-2512850, ई-मेल : mail@shishuvihar.org

35. श्री स्वामीनारायण बाल भवन
धर्मपुर, मालनपाडा, बस स्टॉप के सामने, तलुक धर्मपुर, जिला-वलसाड-396050 (गुजरात)
फोन नं.: 02633-240107, 9913458525, ई-मेल : gandhinagargurukul@gmail.com

गोवा

36. बाल भवन बोर्ड
परेड ग्राउंड के सामने, केंपेल, पणजी-403001, (गोवा)
फोन नं. 0832-2226823 ई-मेल : panajibalbhavan@gmail.com

राजस्थान

37. बाल भवन जयपुर
ए-18, दशरथ मार्ग, हनुमान नगर एक्सटेंशन, सिरसी रोड, जयपुर-302021 (राजस्थान)
फोन नं. 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

38. वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एसएसईईडब्ल्यूए सोसायटी, वीना मार्ग, गुलाब बाग, करौली-322241 (राजस्थान)
फोन नं. 07464-220281, 221999 ई-मेल : pvms525@gmail.com, vmsseewa@yahoo.com

उत्तरी क्षेत्र

संघशासित

39. बाल भवन चंडीगढ़
द्वारा भारतीय बाल कल्याण परिषद, यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23-बी, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़-160023
फोन : 0172-2704573/2721858, 9779357180 ई-मेल : iccwchandigarh@gmail.com

हरियाणा

40. बाल भवन हिसार
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, हिसार (हरियाणा)
फोन नं. : 01662-237027 ई-मेल : dccw.hisar@gmail.com

41. बाल भवन कुरूक्षेत्र
द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
फोन नं. : 01744-222340, 220271, ई-मेल : dccwkurukshetra@gmail.com

42. बाल भवन रोहतक
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, रोहतक-124001 (हरियाणा)
फोन नं. : 01262-253819, ई-मेल : dcworohtak@gmail.com

43. सलवान बाल भवन
सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर-15 (भाग-II), गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
फोन नं. 9811285244 ई-मेल : balbhavan@salwangurgaon.com

44. पठानिया बाल भवन
पठानिया पब्लिक स्कूल, 8 केएम स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक, हरियाणा
मो. 09254377414, 09254350347, ई-मेल : ppsrohtak@gmail.com

45. बाल भवन, फरीदाबाद
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास
फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), फोन नं. : 1290-2418215

46. बाल भवन, सिरसा
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बरनाला रोड, सिरसा-125055 (हरियाणा)
फोन नं.: 01666-222602 ई-मेल : dccwsirsa1976@gmail.com

47. बाल भवन, अम्बाला
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, हिसार रोड़, अम्बाला सिटी-134003 (हरियाणा)
फोन नं. : 0171-2556751 ई-मेल : dcwcambala@gmail.com

48. बाल भवन, भिवानी
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, भिवानी-127021 (हरियाणा)
फोन नं. : 01664-242426, 9416096715 ई-मेल : dewobhiwani@gmail.com

पंजाब

49. बाल भवन, पंजाब
सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, बसंल एवन्यू, जैतू रोड़, कोटकपूरा-151204 (पंजाब)
फोन नं. : 01635-221186, ई-मेल : srbm_kkp@rediffmail.com

जम्मू व कश्मीर

50. जम्मू बाल भवन
87-पंजीतिरथी, जम्मू-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. : 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

51. शांति निकेतन बाल भवन
गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1, गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर विनायक बाजार, जम्मू तवी-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. 0191-2553726 ई-मेल : listenrenu@yahoo.com

52. कश्मीर बाल भवन
(गुलबान-ए-कश्मीर), अन्तर्गत मजलीसन-निसा जम्मू व कश्मीर सौपोर, मौलाना यासीन कॉम्पलैक्स
सामने सरकारी आईटीआई, सौपोर कश्मीर-193201, फोन नं. 09419039827, 01954-223507
ई-मेल : meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तराखण्ड

53. आर्च बाल भवन
एमडीडीए डुप्लेक्स विला 3, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड 248001
फोन नं. 9412054216 ई-मेल : arch.birdcount@gmail.com

54. बाल भवन गोपेश्वर
द्वारा जन शिक्षा समिति, गोपेश्वर, चमोली-246401(उत्तराखंड)
फोन नं. : 01372-252381, 253300, 09412109401, 09758825001
ई-मेल : vinodrawatnd@gmail.com

हिमाचल प्रदेश

55. आधारशिला बाल भवन
आधारशिला पब्लिक स्कूल, उप्पर पन्नर रोड, भावर्ना, पालमपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
पिन-176102 फोन : 09218606017, निवास : 09218606017, 09218506018,
ई-मेल : kherrk@hotmail.com

56. आवर ओन बाल भवन
शाहपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) पिन-176206
फोन नं. 01892-238112, 239002, ई-मेल : awasthi35@yahoo.com

दक्षिणी क्षेत्र-1

आंध्र प्रदेश

57. जिला बाल भवन गड़वाल
जोगुलाम्बा गड़वाल तेलंगाना, जिला - महबूब नगर, आंध्र प्रदेश-509125 (तेलंगाना)
फोन नं. : 9666853335 ई-मेल : bodashankarmridangist@gmail.com

58. जिला बाल भवन
द्वारा बापुर कलैक्टोरेट बिल्डिंग, ग्रामसपेट, कलैक्टोरेट ऑफिस कम्पाउण्ड, जिला चित्तूर, आंधप्रदेश-517002
फोन नं. : 09440315924, 9440290051, ई-मेल : distbalabhavan@gmail.com

59. जिला बाल भवन
द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, हनमकोंडा, जिला वारंगल-506001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 09912500516, ई-मेल : jhansi.bbwgl@gmail.com

60. जिला बाल भवन
तिलक रोड, फायर स्टेशन के सामने, निज़ामाबाद-503001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 08462-225503, 09440037622, ई-मेल : saiprabhu11@gmail.com

61. बाल भवन
द्वारा आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, मुतयालमपाडु, एसबीआई के समीप, विजयवाड़ा,
कृष्णा जिला-500011(आंध्र प्रदेश) फोन नं. : 09989361436

62. चाचा बाल भवन
एसबीआई के समीप, मेन रोड, राजम, जिला श्रीकाकुलम - 532127 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 09348363738, 09440585616, ई-मेल : drsunkariramesh@gmail.com

63. जिला बाल भवन
क्वार्टर नं. ए/285, हिल कालोनी, नालगौंडा जिला, नागार्जुन सागर, आंध्र प्रदेश, पिन-508202
फोन नं. : 08680-276622 ई-मेल : balupalabindala@gmail.com

64. वीसीएसपी बाल भवन
विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम, रु-53-17-50/7, टीएफ-402, आटोमेटिव मेडिलापालेम,
विशाखापटनम-530013, (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 9246640024, 9866300171 ई-मेल : vcsp.balbhavan@yahoo.com

65. बाल भवन
द्वारा स्पेस केन्द्रीय स्कूल, स्पेस विभाग आईएसआरओ, डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस, श्रीहरिकोटा-524124
(आंध्र प्रदेश), फोन नं 08623-225123/225001, ई-मेल : sradha@shar.gov.in

66. नेल्लोर बाल भवन-बाल भवन एवं राज्य बाल भवन
120, द्वारका टावरस, टेकेमिट्टा, नेल्लोर-524003 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. 9848627158, 0861.2325659, ई-मेल : subhadra.govindaraju@gmail.com

67. जिला बाल भवन
107, आर एण्ड बी बिल्डिंग, सरोजिनी देवी रोड, समीप रंजना पार्क, तिरूपति, जिला चित्तूर-517501 (आंध्र प्रदेश) ई-मेल : dbbtpt@gmail.com, subbu.chinnakotla@gmail.com

68. जवाहर बाल भवन
तेलंगाना सरकार, शिक्षा विभाग, पब्लिक गार्डन्स, हैदराबाद-500004
ई-मेल : director_jbbts@yahoo.com

69. जिला बाल भवन
म.नं. 10-2-105/1, आई.एम.ए. बिल्डिंग के सामने, ममिलागुडम, खम्मम-507002 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं.: 08742-247000, 9866934173

कर्नाटक

70. बाल भवन सोसाइटी
कब्बन पार्क, डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट, कर्नाटका सरकार,
बैंगलूरू-560001 (कर्नाटक) फोन नं.: 080-22864189, 9448804127
ई-मेल : secybalbhavan.bng@gmail.com

71. अनुभूति बाल भवन
192, ब्लाक 4, 12-ए मेन रोड, कोरमंगला लेआउट, बेंगलौर-560034 (कर्नाटक)
फोन नं: 080-25581238/37 ई-मेल : manjularaman@gmail.com

72. नतानम बाल नाट्य केन्द्र
प्रथम क्रास, चेनल एरिया, राजेन्द्र नगर, शिमोगा-577201 (कर्नाटक)
फोन नं. 08182-223402 ई-मेल : manjuk821@gmail.com

73. माउंटेन व्यू बाल भवन
माउंटेन व्यू स्कूल कैम्पस, विद्या नगर, चिकमंगलूर-577101 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08262-223140/222228, 9611967170 ई-मेल : mvi_school@yahoo.co.in

74. बाल भवन
न. 67/2 वृद्धाहाली रोड, सागर-577401 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08183-236228 ई-मेल : rpssagara@gmail.com

75. विद्या बाल भवन
सामने रेलवे स्टेशन बनवारा, आरसिकेरे-तालुक, हसन जिला-573103 (कर्नाटक)
फोन नं.: 01874-235018, 7026418709
ई-मेल : kgnataraj1970@gmail.com, srigowori1981@gmail.com

76. जिला जवाहर बाल भवन
बन्नीमनताप, मैसूर-570015 (कर्नाटक)
फोन नं.: 0821-2495486, 09060300196, 9448914794 ई-मेल : rpssagar@gmail.com

दक्षिणी क्षेत्र - II

केरल

77. जवाहर बाल भवन, त्रिचूर-680020 (केरल)
फोन : 0487-2332909 ई-मेल : balbhavanthrissur@gmail.com

78. जवाहर बाल भवन
शास्त्री जंक्शन, कोल्लम-691001 (केरल)
फोन : 0474-2746536, 2748769, ई-मेल : balbhavanklm@gmail.com

79. जवाहर बाल भवन
बाल भवन रोड, पैलेस वार्ड, अल्पुजहा-6880011 (केरल) फोन : 0477-2260622, 2264254

80. केरल राज्य जवाहर बाल भवन
कनककुन्नु, विकास भवन पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695033 (केरल)
फोन : 0471-2316477 ई-मेल : jawaharbalbhavantvm@gmail.com

81. रंग प्रभात बाल भवन
अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695607 (केरल)
फोन : 0472-2872344, 9447554190, ई-मेल : rangaprabhath@gmail.com

82. सुहरूथ बाल भवन
सुरूथ नाटक कालारी, विथुरा-695551(केरल)
फोन : 04722-858688, ई-मेल : vithurasuhruthbalbhavan@gmail.com

83. श्री सत्य सांई बाल भवन
श्री सत्य सांई ओरफांगे ट्रस्ट, 9/1108 अजित बिल्डिंग संस्था मंगलम, तिरूवनंतपुरम-695010 (केरल)
फोन : 0471-2721422, 2115161, ई-मेल : saigramam@gmail.com

तमिलनाडु

84. जवाहर बाल भवन
कला और संस्कृति विभाग
तमिल वलारची वलगाम, दूसरा तल, हॉलस रोड, एग्मोर चेन्नई -600008 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

85. जवाहर बाल भवन
सिंगरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल, विल्लीवक, पैरियार नगर, चेन्नई-600008 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

86. जवाहर बाल भवन
विज़डम मैट्रिकुलेशन स्कूल, कृष्णमूर्ति नगर, व्यासर पाडी, चेन्नई-6001018 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

87. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, नं. 73-ए, मीतू स्ट्रीट, कांचीपुरम - 631502, जिला-तमिलनाडु
फोन : 044-23624238 मो. 944133105, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

88. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, तिरूमति लोगकनाथन, मैट्रीकुलेशन हायर सैकेण्ड्री स्कूल,
#65 धर्माराजा कोइल स्ट्रीट, आरकोट, जिला वेलोर-632503 (तमिलनाडु)
फोन : 04172-235899 मो. 9994291129, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

89. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 16, पवाला कुन्द्रू, माडालायाम, तिरूवनमलय-606601(तमिलनाडु)
फोन : 9786298609, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

90. जवाहर बाल भवन
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस, श्रद्धा कॉलेज मेन रोड, कैनरा बैंक, सामने पोस्ट-सेलम-630016(तमिलनाडु)
फोन : 0427-2443594, 2330021, 9443109337 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

91. जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस, 117-ए, डॉ. सान सलैई, एल.आई.सी. के पीछे,
नामक्कल-637001 (तमिलनाडु) फोन : 0427-2442197 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

92. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 67, डॉक्टर ले आउट, समीप क्लब लेन, सम्पत नगर, ईरोड-11,
(तमिलनाडु), फोन : 9443532934 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

93. जवाहर बाल भवन
सरकारी उच्चत्तर माध्यमिक स्कूल कैम्पस, उथगामंडलम, (तमिलनाडु)
ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

94. जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट, काज़ा नगर, थिरूचिरापल्ली-620020 (तमिलनाडु)
फोन : 0431-2423122, 09443153122, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

95. जवाहर बाल भवन करूर
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, नाईट सोइल रोड मूलाथोप्पू, श्रीरेनगम, थिरूचिरापल्ली-620006 (तमिलनाडु)
फोन : 9443153122 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

96. जवाहर बाल भवन
तंजावुर, रजियोनल असिस्टेंट कल्चर, क्षेत्रीय आर्ट सकंल्चर सैंटर नं. 5, मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर,
मैडिकल कॉलेज रोड, तंजावुर-613009 (तमिलनाडु)
फोन : 04362-30121 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

97. जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस, कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्-605602 (तमिलनाडु)
फोन : 9629036923 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

98. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय कैम्पस-2, पुडुपलायम रोड, थंजावुर, पुडु थेरू, कडलूर-607001
(तमिलनाडु) ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

99. बाल भवन
आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157, अलागार कोविल सलाई, मदुरै-625009(तमिलनाडु)
फोन : 0452-22661795, 09842761765 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

100. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय, नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, शिवगंगा-630561
फोन : 9597726333 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

101. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रिय आर्ट एण्ड कल्चर सेंटर, सरकारी संगीत कॉलेज कैम्पस, पशुमलैई, मधुरई, अली नागाराम, थेनी-625531(तमिलनाडु), फोन : 9789000657 ई-मेल : artandculture@tngovt.in

102. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर, तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग, 820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट, एन.जी.ओ. 'ए' कॉलोनी, तिरूनलवेल्ली-627011(तमिलनाडु)
फोन : 0462-2553890 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

103. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 2/3सी, गणेश नगर पश्चिम, 4th स्ट्रीट, थिरूचन्दूर सलाई, तूतीकोरिन-628008(तमिलनाडु) फोन : 9487048658 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

104. जवाहर बाल भवन
एसएलबी राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नागरकोईल, जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
फोन नं.: 9842649466

संघशासित क्षेत्र

105. जवाहर बाल भवन
नं. 1, मरियामलाई, अदिगल सलाई, पुराने बस स्टैंड के पास, पुडूचेरी-605001
फोन : 0413-2225751, 2207206, 2207201 ई-मेल : jbbpondy@gmail.com

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

106. बाल भवन
16/99-ए, फूल बाग, कानपुर-208009 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0512-2313129, ई-मेल : balbhawan3129@gmail.com

107. जवाहर बाल भवन
जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड, आनंद भवन, इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0532-2467078, ई-मेल : jbballdjnmf@gmail.com

108. बाल भवन
एनएच-2, क्वाटर नं. डी-215, एनटीपीसी कॉलोनी, रिहंद नगर, जिला-सोनभद्र-231223 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : hkjain@ntpc.co.in

109. बाल भवन
ऊर्जा विहार, एन.टी.पी.सी., डाकघर-ऊँचाहार, जिला रायबरेली-229406 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05314-62329, 62047, 09871094763 ई-मेल : balbhawanunchahar@gmail.com

110. पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन
सीतामणि, संत रविदास नगर, जिला, भदौही-221309 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05414-236762, 536539, ई-मेल : balbhavansitamarhi@rediffmail.com

111. अमित बाल भवन
गांधी पार्क, 439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं. 4, रायपुर रोड़, फिरोज़ाबाद-283203 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : dr.amit0190@gmail.com

112. बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस, दादरी विद्युत नगर, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा-201008 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0120-2805846, 9717385288 ई-मेल : balbhavandadri@gmail.com

113. बाल भवन अमरोहा
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति, मोहल्ला बागला, अमरोहा, जे.पी. नगर-244221 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05922-259665, 9410071882 ई-मेल : ngvs2008@gmail.com

114. बाल भवन
यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी सिरसी, मो. सराय सदाक, डालन सिरसी, मुरादाबाद-248001 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 09411431912 ई-मेल : kingshabih@gmail.com

115. शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी (स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर, आंतिया तलाब, झांसी-284001 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

116. संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), 129, मयूर मार्किट, ग्वालियर-474011 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 9425121695 ई-मेल : vijaybalvikas@gmail.com

117. इंदौर बाल भवन
29/3, ओल्ड पलासिया, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार,
इंदौर-452001(मध्य प्रदेश) फोन : 0731-2566331 ई-मेल : balbhavanind@gmail.com

118. संभागीय बाल भवन
केशरवानी कॉलेज, लोहियापुल, गराह फाटक, जबलपुर (मध्य प्रदेश)
फोन : 9479756905 ई-मेल : balbhavanjbp@gmail.com

119. बाल भवन सागर
मध्य प्रदेश सरकार, एचआईजी-1, पदमाकर नगर राजाकेदी, मकरोनिया, सागर-470003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07582-230221, 09425096898 ई-मेल : divbalbhavansagar@gmail.com

120. जवाहर बाल भवन
1250-।। स्टॉप, तुलसी नगर, भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0755-2558059, ई-मेल : balbhavan3@gmail.com

121. अभिनव बाल भवन
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी, 239, पुतलीघर कॉलोनी, शाहजहांनाबाद,
भोपाल-462001 (मध्य प्रदेश) फोन : 9753589295 ई-मेल : abhinavbb.123@gmail.com

122. बाल भवन उज्जैन
वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन मध्य प्रदेश सरकार, विक्रम कीर्ति मंदिर के समीप,
काठी रोड, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश) फोन : 9893008817 ई-मेल : commwcd@nic.in

123. बाल भवन
पीली कोठी, रीवा-486001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07662-254379, 9425889970 ई-मेल : balbhavan@gmail.com

124. बाल भवन छिंदवारा
गुलमोहर कालोनी, पोस्ट-तामिया, जिला छिंदवारा-480559 मध्य प्रदेश
फोन : 9926715553, 9424679654 ई-मेल : nyus_chw@rediffmail.com

छत्तीसगढ़

125. जिंदल बाल भवन
जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़ रायगढ़-496001 (छत्तीसगढ़)
फोन : 07762-227001, 9303451988 ई-मेल : raigarh@jspl.com

126. ओ.पी. जिंदल बाल भवन
केअर ऑफ जिंदल पावर लिमिटेड, वीपीओ, तामनार, रायगढ़-496107 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9329438428 ई-मेल : vineet@jindalpower.com

127. जवाहर बाल भवन एनटीपीसी
पोस्ट उज्जवल नगर, सिपत, बिलासपुर-495555 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9425281080 ई-मेल : abinashpathak@ntpc.co.in

राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र

1. आदिवासी बाल भवन खानवेल
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

2. आदिवासी बाल भवन दपाद्दा
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

3. आदिवासी बाल केन्द्र
   पूर्व माध्यमिक विद्यालय, संयुक्ता नगर, बावरे, पोस्ट भिक्खीचारू, जिला-गाजियाबाद-401209(उत्तर प्रदेश),
   फोन नं.: फोन नं.: 0981932221, 07523945652, 09919322221,
   ई-मेल : shashankmohan.rai@gmail.com

4. उन्नायन बाल केन्द्र
   मेजा रोड, इलाहाबाद-212303(उत्तर प्रदेश), फोन नं.: 9415635383, 9621313320,
   9415266619, 9918974324, ई-मेल : balkendramejaroad@gmail.com

5. गिरिवासी वनवासी बाल केन्द्र
   गिरिवासी वनवासी सेवा प्रकल्पा, एक्सलव्या नगर, घोरावाल-231210 (उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 09450321867, 81279448480, ई-मेल : hksinghkeota@gmail.com

6. परमसुख आदिवासी बाल केन्द्र
   धौलखर, कोराउन, इलाहाबाद-212306(उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 0141-2359917, ई-मेल : rajam8247@gmail.com

8. बाजलता बाल केन्द्र
   तहसील - सम्भा, जिला - जम्मू (जम्मू और कश्मीर)
   फोन नं.: 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

9. रंगपुर बाल केन्द्र
   मुलानियां, तहसील-आर.एस. पुरा, जिला जम्मू-181102 (जम्मू और कश्मीर)
   फोन नं.: 0919-2553726, ई-मेल : sushilksmotra@gmail.com

10. चुराचांदपुर बाल केन्द्र
    द्वारा रेंजकोई सरकारी सीनियर स्कूल, रेंजकोई चुराचांदपुर, मणिपुर

11. सेनापति बाल केन्द्र
द्वारा ब्राईट अकादमी स्कूल, सेनापति बाजार, मणिपुर। ई-मेल : saniistevel@gmail.com

12. भारती बाल केन्द्र
गाँव और पोस्ट ऑफिस - बाटी, मथुरा-281004 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 9412626588, 9457028252, ई-मेल : bhartimitra1816@rediffmail.com

13. (भारतीय जन कल्याण शिक्षा समिति)
एफ-2, कावेरी रॉयल अपार्टमेंट, स्वर्ण जयंती नगर, ए.डी.ए. कॉलोनी, रामबाग रोड,
अलीगढ़-202001 (उत्तर प्रदेश)

14. प्रारंभ कला अकादमी
सोलिटेअर टोउन, बी-विंग, 503-504, मनपाडा, घोडबंदर रोड, थाणे (पश्चिम)-400610, महाराष्ट्र
फोन नं.: 9821108156,
ई-मेल: arundhati801@yaho0o.co.in, prarambhakalaacademy@gmail.com

31.03.2022 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

ग्रुप क

1. श्रीमती दीपा आनन्द, उपसचिव, शिक्षा मंत्रालय (अतिरिक्त प्रभार निदेशक, रा.बा.भ. 15.07.2020 से)
2. श्रीमती इंद्राणी चौधूरी, उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान)
3. श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन)

ग्रुप ख

4. श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रभारी अधिकारी (बा.भ.के.) - सेवानिवृत्त 31.12.2021

ग्रुप ग

5. श्री दिनेश कुमार, अनुभाग अधिकारी
6. श्री अकबर अली मलिक, सुरक्षा अधिकारी-सह-केयरटेकर
7. श्रीमती गुरदीप कौर, कार्यालय सहायक
8. श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन)
9. श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)
10. श्री आशीष भट्टाचार्जी, वरिष्ठ प्रशिक्षक (छायांकन)
11. श्री जय भगवान राणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
12. श्री मनोज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)
13. श्री चन्द्रमणि, सहायक प्रबन्धक (प्रदर्शन कला)
14. श्रीमती नेहा वत्स, कलाकार (प्रदर्शन कला)
15. श्री काशी नाथ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)
16. श्री राजीव कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (बुनाई)
17. श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)
18. मो. अनिरूल इस्लाम, कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)
19. श्री नीरज कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
20. श्री मोहन कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जूडो)
21. श्री वासुदेव, कनिष्ठ कलाकार
22. श्रीमती स्मृति अरोड़ा, कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)
23. श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
24. श्री संजय कुमार जैन, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)

25. श्री चमन लाल, उ.श्रे. लिपिक
26. श्री विनोद सिंह बिष्ट, उ.श्रे. लिपिक
27. श्रीमती सीमा चौहान माथुर, उ.श्रे. लिपिक
28. श्री जगदम्बा प्रसाद, उ.श्रे. लिपिक
29. श्रीमती माया रानी, उ.श्रे. लिपिक
30. श्री चिरंजी लाल, उ.श्रे. लिपिक
31. श्री गोपाल राम आर्य, नि.श्रे. लिपिक
32. श्री सुधीर कुमार, नि.श्रे. लिपिक
33. श्रीमती अनीता राय, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
34. सुश्री अमृता साव, हिन्दी अनुवादक
35. श्री मदन लाल मेहता, इलैक्ट्रीशियन
36. श्री अरविंद कुमार चौहान, स्टेज टेक्नीशियन सह इलैक्ट्रीशियन
37. श्री मनोज कुमार वर्मा, कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन
38. श्री बृज कुमार, चालक
39. श्री प्रदीप भट्ट, चालक
40. श्री आर.के. रामास्वामी, तकनीकी सहायक
41. श्री अश्विनी कुमार, तकनीकी सहायक – सेवानिवृत्त 30.11.2021
42. श्रीमती रजनी देवी, वार्डन छात्रावास
43. सुश्री नीता, वरिष्ठ पुस्तकालयाधयक्ष सह प्रशिक्षक (अन्य कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर)
44. श्रीमती प्रतिज्ञा, कनिष्ठ पुस्तकालयाधयक्ष सह प्रशिक्षक
45. सुश्री निधी सरयाल, कनिष्ठ अनुसंधान सहायक (संग्रहालय)

एम.टी.एस.

46. श्री राम सिंह साही
47. श्री गैंदा राम – सेवानिवृत्त 31.07.2021
48. श्री रमेश कुमार
49. श्री सुरेन्द्र सिंह
50. श्री साहब सिंह मीना
51. श्री जय राम
52. श्री रमेश प्रसाद यादव
53. श्री प्रेम सिंह साही
54. श्रीमती गीता साही
55. श्री जगदीश चन्द्र

56. श्री मुन्ना लाल
57. श्री जसवंत सिंह सैनी
58. श्री महेश कुमार
59. श्री कैलाश चन्द
60. श्री गोविंद सिंह बिष्ट
61. श्री नेत्र सिंह बिष्ट
62. श्री राम दीन
63. श्री राम विनोद सिंह
64. श्री तारकेश्वर गोंड
65. श्री मोहन सिंह सैनी
66. श्री लायक सिंह
67. श्री राम दुलारे
68. श्री महादेव
69. श्री मोहन लाल
70. श्री धनपाल सिंह
71. श्री जय चंद
72. श्री हरेन्दर सिंह
73. श्री दुर्गा प्रसाद
74. श्री महिन्द्र सिंह
75. श्री उमेश कुमार
76. श्री बिशन स्वरूप
77. श्री होरी लाल
78. श्री नितिन
79. श्रीमती अनुराधा
80. श्री बाबू लाल मीना

भाग ख

वार्षिक लेखा
2021-22

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

SINGH CHHABRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

संदर्भ : एससीसीओ / 2022–23 / एनबीबी / 02 14 जून, 2022

सेवा में,

श्री मुकेश गुप्ता,
उप निदेशक (प्रशासन),
राष्ट्रीय बाल भवन,
कोटला रोड, नई दिल्ली–110002

विषय : राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड के 31.03.2022 वर्ष समाप्ति के लिए लेखा कार्य एवं वित्तीय विवरण तैयार करना।

महोदय / महोदया,

आपके पत्र संख्या 6(16)NBB/Accts/CA/2021-22/706, दिनांक : 24.03.2022 उपरोक्त विषय 'लेखांकन कार्यभार' के संबंध में यह सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा उक्त कार्यभार (असाइनमेंट) को लेखा विभाग के स्पष्टीकरण के अनुसार पूरा कर लिया गया है और संबंधित वर्ग और अनुसूची के साथ तुलनपत्र, आय और व्यय, प्राप्तियां तथा भुगतान खाता को तैयार किया गया है और इसे उचित कार्रवाई के लिए साझा किया जाता है।

इसके अतिरिक्त इसकी पुष्टि की जाती है कि उपर्युक्त उल्लिखित खाता लेखा बहियों के अनुरूप है।

आशा है कि उपरोक्त आपको विवरण क्रमानुसार प्राप्त हो गया है।

हम आपको अपनी सर्वोत्तम सेवा हेतु आश्वासन देते हैं।

भवदीय
कृते सिंह चाबड़ा एण्ड कं.
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट,

SINGH CHHABRA & CO. New Delhi Chartered Accountants

सीए. हरीश कुमार छाबड़ा
पार्टनर

Delhi Office: 305, V 4 Tower, Plot No. 14, Karkardooma Community Centre, Delhi 110092. • Tel: +91(11) 43632550
Dehradun Office : 1, Turner Road, Clement Town, Dehradun 248002
Email: mail@scco.co.in Website : www.singhchhabra.com

31 मार्च 2022 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

निधि के स्रोत	अनुसूची	2021-22	2020-21
समग्र/पूंजी निधि	1	(97,03,36,301)	(87,56,95,663)
निर्धारित/निश्चित की गई/इंडोमेंट निधि	2	2,50,835	2,50,835
ऋण देयता		–	–
वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	3	1,14,58,63,016	1,06,47,05,353
कुल		**17,57,77,550**	**18,92,60,524**
पूंजी अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	4	6,86,04,580	6,65,93,186
मूर्त परिसंपत्तियां		6,85,90,797	6,65,75,802
अमूर्त परिसंपत्तियां		13,783	17,384
पूंजीगत चल रहे कार्य			
निश्चित/इंडोमेंट निधि से निवेश	5	–	–
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि			
अन्य निवेश	6	1,71,50,725	16046704
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	4,62,14,653	5,45,64,443
ऋण/अग्रिम एवं जमा	8	4,38,07,592	5,20,56,191
कुल		**17,57,77,550**	**18,92,60,524**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
लेखा नोट्स	24		

संबंधित कर्मचारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता

राशि रुपयों में

विवरण	अनुसूची	2021-22	2020-21
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9	3,16,680	83,998
अनुदान/सब्सिडी	10	19,39,24,452	14,97,19,703
निवेश से आय	11	7,77,204	9,01,945
अर्जित ब्याज	12	4,59,895	6,55,914
अन्य आय	13	4,34,013	7,19,051
गत अवधि की आय	14	2,56,329	13,546
कुल (क)		**19,61,68,573**	**15,20,94,157**
व्यय			
कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	12,35,56,296	8,80,50,567
सेवानिवृत्ति लाभ	15क	12,72,60,849	11,81,31,429
अनुदान एवं उपदान आदि पर व्यय	10	-	-
शैक्षिक व्यय	16	17,06,221	15,74,064
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	2,70,54,710	2,55,06,594
परिवहन व्यय	18	-	-
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	19,91,113	25,81,383
वित्त लागत	20	13,194	9,216
मूल्य ह्रास	4	46,54,075	42,53,146
अन्य व्यय	21	19,511	15,26,810
गत अवधि के व्यय	22	1,89,15,808	1,33,33,358
कुल (ख)		**30,51,71,777**	**25,49,66,567**
व्यय पर आय की अधिकता के कारण शेष		**10,90,03,204**	**(10,28,72,409)**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
लेखा नोट्स	24		

संबंधित कर्मचारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2021-22	2020-21
I. आरंभिक शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. बचत खाता (एच.क्यू.)	5,28,31,704	4,73,91,576
II. प्राप्त अनुदान - भारत सरकार द्वारा		
क) शिक्षा मंत्रालय द्वारा		
- पूंजीगत व्यय के लिए	34,22,000	–
- राजस्व व्यय के लिए	19,69,44,000	15,48,23,000
III. शैक्षिक प्राप्तियां	–	–
IV. विविध देनदार	–	–
V. स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री	–	–
VI. अन्य निधियों में निवेश से आय	–	–
VII. निम्न लिखित पर प्राप्त ब्याज		
क. बैंक जमा पर	–	–
ख. ऋण तथा अग्रिम पर	–	119
ग. बचत बैंक खाते पर	13,46,530	15,83,385
VIII. अन्य आय	8,87,948	4,76,957
IX. विगत अवधि आय	–	9,202
X. अन्य प्राप्तियां - देय		
भारतीय जीवन बीमा निगम (जी ई आई)	–	–
आंतरिक प्राप्ति लेखा	–	–
आयकर की वापसी	36,380	2,482
आंतरिक रसीद से राशि	–	5,06,221
जी.पी.एफ से राशि	–	4,22,022
XI. चालू देयताएं		
प्रतिभूति जमा	21,452	8,000
कार्य निष्पादन प्रत्याभूति	–	–
आपूर्तिकर्ताओ/लेनदारों से भुगतान	–	6,300
XII. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम की वसूली	–	–
बीएसईएस से प्राप्त राशि	–	23,495
विविध देनदार	–	–
ध्रुव नियमित गतिविधि	4,10,203	24,22,023
कुल	**25,59,00,217**	**20,76,74,782**

अदायगियां	2021-22	2020-21
I. व्यय		
क. स्थापना व्यय	1,60,02,170	1,92,74,354
ख. वेतन एवं भत्ते	10,07,89,930	6,17,39,202
ग. सेवानिवृत्ति लाभ	3,84,48,378	3,80,99,660
घ. शैक्षिक व्यय	17,06,221	9,25,471
ड. प्रशासनिक व्यय	2,33,13,884	2,35,55,966
च. परिवहन व्यय	–	–
छ. मरम्मत एवं रखरखाव	18,09,563	25,48,858
ज. पूर्व अवधि के व्यय		30,000
झ. अन्य व्यय	13,194	15,36,026
II. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति भुगतान - राज्यों को सहायता	–	–
III. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
क. स्थाई परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4)	43,99,655	5,33,861
IV. संविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
सप्लायर/ लेनदारों को भुगतान	14,478	–
शुल्क एवं कर	2,06,000	6,300
देय सामान्य व्यय	61,33,162	3,67,885
देय वेतन व्यय	48,42,074	42,46,617
V. अन्य भुगतान		
अन्य आय	–	–
एमएचआरडी को ब्याज	–	–
मुख्य को देय राशि	–	1,23,643
एफ डी आर की नवीकरण	–	–
VI. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम	21,97,776	14,73,825
कार्य निष्पादन गारण्टी	–	–
प्रतिभूति जमा	–	3,81,410
आयकर विभाग के पास जमा राशि	–	–
पूर्वदत व्यय	8,04,259	–
VII. पूंजीगत व्यय हेतू अग्रिम	99,99,791	–
VIII. अंतिम शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. बचत खाते में (एच.क्यू.)	4,52,19,682	5,28,31,704
कुल	**25,59,00,217**	**20,76,74,782**

संबंधित कर्मचारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

अनुसूची-1 – समग्र/पूंजीगत निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
वर्ष के आरंभ में शेष	(87,56,95,663)	(77,33,61,129)
जोडें : वित्तीय वर्ष 2019-20 और 2020-21 में आवर्ती व्यय में गलती से ली गई राशि का प्रारंभिक शेष में समायोजन	84,461	–
वर्ष का समायोजित आरंभिक खाता शेष	(87,56,11,202)	(77,33,61,129)
जोड़ें : समग्र पूंजीगत निधि में अंशदान	–	–
जोड़ें : पूंजी व्यय हेतु प्रयुक्त सीमा तक भारत सरकार की ओर से अनुदान	1,43,62,566	5,37,875
जोड़ें : निश्चित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां	–	–
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां जिस पर संस्था का स्वामित्व है	–	–
जोड़ें : दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां/उपहार	–	–
घटायें : लेखा परीक्षा आपत्ति के अनुसार समायोजन	(84,461)	–
जोड़ें : आय तथा व्यय खाते से अंतरित व्यय पर आय की अधिकता	–	–
कुल	**(86,13,33,097)**	**(77,28,23,254)**
(घटायें) आय तथा व्यय खाते से अंतरित घाटा	10,90,03,204	(10,28,72,409)
वर्ष के अंत में शेष	**97,03,36,301**	**(87,56,95,663)**

अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
क		
क. आरंभिक खाता शेष	2,50,835	2,50,835
ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन	–	–
ग. निधि से किये गये निवेश से आय	–	–
घ. निवेश/अग्रिम पर प्रोदभूत ब्याज	–	–
ड़. बैंक बचत खाते पर ब्याज	–	–
च. अन्य परिवर्धन (श्रेणी निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल (क)	**2,50,835**	**2,50,835**
ख.		
निधियों का निर्धारित उद्देश्य हेतु प्रयोग/व्यय		
i. पूंजीगत व्यय	–	–
ii. राजस्व व्यय	–	–
कुल (ख)	–	–
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क - ख)	2,50,835	2,50,835
प्रस्तुत की गई		
नकद तथा बैंक शेष निवेश ब्याज अर्जित हुआ लेकिन देय नहीं	–	–
कुल	**2,50,835**	**2,50,835**

अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
क. वर्तमान देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	–	–
2. विद्यार्थियों से जमा	–	–
3. विविध लेनदार	67,93,496	67,18,397
क. आर.ओ. से	–	–
ख. अन्य	55,25,661	54,64,014
4. जमा-अन्य (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	12,67,835	12,52,383
5. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्लयू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ, जी.आई.एस., एन.पी.एस.)	**14,04,013**	**13,23,827**
क. अतिदेय	–	–
ख. अन्य	14,04,013	13,23,827
6. अन्य वर्तमान देयताएं	**2,61,50,147**	**3,39,60,240**
क. वेतन	38,57,255	36,94,801
ख. प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	–	–
ग. प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां	–	–
घ. अप्रयुक्त अनुदान	1,61,00,424	2,40,21,442
ड. अग्रिम अनुदान	–	–
च. अन्य निधियां	–	–
छ. अन्य देयताएं	61,92,468	62,36,528
ज. एनबीबी मेन को देय राशि	–	7,469
कुल (क)	**3,43,47,656**	**4,20,02,464**
ख. उपबन्ध		
1. कराधान के लिए	–	–
2. उपदान	6,06,97,755	6,40,16,813
3. अधिवर्षिता पेंशन	1,00,66,19,886	91,91,46,617
4. संचयित छुट्टी नकदीकरण	4,41,97,719	3,95,39,459
5. ट्रेड वारंटियां/दावे	–	–
6. व्यय हेतु प्रावधान	–	–
कुल (ख)	**1,11,15,15,360**	**1,02,27,02,889**
कुल (क + ख)	**1,14,58,63,016**	**1,06,47,05,353**

अनुसूची-4 – मूल्यह्रास की सूची

	निवल मूल्य				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
राष्ट्रीय बाल भवन+ उपहार मदें	**01.04.21 की स्थिति**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**कटौती**	**31.03.22 की स्थिति**	**31.03.21 तक संचित ह्रास**	**चालू वर्ष के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**31.03.22 को संचित ह्रास**	**31.03.22 की स्थिति**	**31.03.21 की स्थिति**
भूमि एवं भवन	8,90,72,176.11	–	–	8,90,72,176.11	5,19,66,461.10	17,81,444.00	–	5,37,47,905.10	3,53,24,271.01	3,71,05,715.01
ट्यूबवैल	9,99,702.00	–	–	9,99,702.00	5,38,155.70	19,995.00	–	5,58,150.70	4,41,551.30	4,61,546.30
विद्युतीय संस्थापन	2,22,09,117.13	13,69,610.00	–	2,35,78,727.13	1,16,49,303.89	9,58,329.23	–	1,26,07,633.12	1,09,71,094.01	1,05,59,813.24
संयंत्र एवं मशीनरी	7,53,942.50	–	–	7,53,942.50	4,70,980.50	17,439.00	–	4,88,419.50	2,65,523.00	2,82,962.00
वैज्ञानिक उपकरण	12,10,671.52	48,240.00	–	12,58,911.52	11,17,249.52	16,366.00	–	11,33,615.52	1,25,296.00	93,422.00
कार्यालय उपकरण	57,55,371.05	9,27,605.00	–	66,82,976.05	33,70,388.28	3,37,578.00	–	37,07,966.28	29,75,009.77	23,84,982.77
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	70,63,309.03	30,170.00	–	70,93,479.03	53,40,682.59	2,82,839.02	–	56,23,521.61	14,69,957.42	17,22,626.44
वाहन	2,77,643.00	–	–	2,77,643.00	2,75,191.00	350.00	–	2,75,541.00	2,102.00	2,452.00
पुस्तकें	10,01,112.00	91,211.00	–	10,92,323.00	9,98,654.00	9,394.00	–	10,08,048.00	84,275.00	2,458.00
फर्नीचर और फिक्सचर	1,66,02,319.81	4,92,374.00	–	1,70,94,693.81	1,53,89,419.84	1,61,214.13	–	1,55,50,633.97	15,44,059.84	12,12,899.97
कम्प्यूटर	94,94,020.00	14,34,428.00	–	1,09,28,448.00	92,01,979.00	4,01,137.00	–	96,03,116.00	13,25,332.00	2,92,041.00
विविध	86,84,841.97	–	–	86,84,841.97	79,96,508.61	1,19,949.00	–	81,16,457.61	5,68,384.36	6,88,333.36
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	11,58,352.00	10,395.00	–	11,68,747.00	11,58,352.00	10,395.00	–	11,68,747.00	–	–
कुल	**16,42,82,578.00**	**44,04,033.00**	–	**16,86,86,611.00**	**10,94,73,326.00**	**41,16,429.00**	–	**11,35,89,755.00**	**5,50,96,856.00**	**5,48,09,252.00**
जवाहर बाल भवन										
भवन, जवाहर बाल भवन	1,18,45,382.22	12,79,843.00	–	1,31,25,225.22	14,80,638.64	2,62,505.00	–	17,43,143.64	1,13,82,081.58	1,03,64,743.58
विद्युतीय उपकरण	844,644.57	9,27,559.00	–	17,72,203.57	3,41,163.05	87,836.85	–	4,28,999.90	13,43,203.67	5,03,481.52
ट्यूबबेल	2,64,833.00	–	–	2,64,833.00	1,02,548.08	5,297.00	–	1,07,845.08	1,56,987.92	1,62,284.92
संयंत्र एवं मशीनरी	1,48,837.00	–	–	1,48,837.00	80,408.02	6,718.29	–	87,126.31	61,710.69	68,428.98
कार्यालयी उपकरण	1,31,189.00	–	–	1,31,189.00	70,374.06	9,518.94	–	79,893.00	51,296.00	60,814.94
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	1,64,846.00	–	–	1,64,846.00	1,64,843.00	–	–	1,64,843.00	3.00	3.00
फर्नीचर एवं फिक्सचर	5,80,303.74	25,634.00	–	6,05,937.74	2,75,451.28	35,851.00	–	3,11,302.28	2,94,635.46	3,04,852.46
वाहन – जवाहर बाल भवन	2,309.03	–	–	2,309.03	2,307.50	–	–	2,308.00	1.53	1.53
पुस्तकें – जवाहर बाल भवन	1,128.18	–	–	1,128.18	1,127.18	–	–	1,127.18	1.00	1.00
कम्प्यूटर	4,83,575.00	–	–	4,83,575.00	1,93,430.00	96,715.00	–	2,90,145.00	1,93,430.00	2,90,145.00
विविध	25,552.15	–	–	25,552.15	13,760.67	1,204.81	–	14,965.48	10,586.67	11,791.48
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	18,488.00	8,000.00	–	26,488.00	18,488.00	8,000.00	–	26,488.00	–	–
कुल (जवाहर बाल भवन)	**1,45,11,088.00**	**22,41,036.00**	–	**1,67,52,124.00**	**27,44,539.00**	**5,13,647.00**	–	**32,58,186.00**	**1,34,93,942.00**	**1,17,66,548.00**

अनुसूची – 4 क

अमूर्त परिसंपत्तियाँ	**01.04.2021 को निवल ब्लॉक**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**वर्ष के दौरान बिक्री**	**31.03.2022 को निवल ब्लॉक**	**31.03.2021 तक ह्रास**	**वर्ष 2021-22 के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**कुल ह्रास 31.03.2022 तक**	**31.03.2022 को शुद्ध ब्लॉक**	**31.03.2021 को शुद्ध ब्लॉक**
एण्टी वायरस और साफ्टवेयर	2,72,114.00	20,398.00	0	2,92,512.00	2,54,730.00	23,999.00	–	2,78,729.00	13,783.00	17,384.00
कुल	**17,90,65,780.00**	**66,65,467.00**	–	**18,57,31,247.00**	**11,24,72,596.00**	**46,54,075.00**	–	**11,71,26,671.00**	**6,86,04,580.00**	**6,65,93,185.00**

अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. बैंकों में सावधि जमा	–	–
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-6 – अन्य निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
(i) एफ.डी.आर. सामान्य	1,71,50,725	1,60,46,704
(ii) एफ.डी.आर. प्रतिभूति जमा	–	–
कुल	**1,71,50,725**	**1,60,46,704**

अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
1. स्टॉक	–	–
क. स्टोर्स तथा स्पेयर सामान	–	–
ख. खुले उपकरण	–	–
ग. प्रकाशन	–	–
घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपभोज्य पदार्थ तथा शीशे का सामान	–	–
ड़. भवन निर्माण सामग्री	–	–
च. विद्युत संबंधी सामान	–	–
छ. लेखन सामग्री	–	–
ज. जलापूर्ति सामग्री	–	–
2. विविध देनदार	**3,71,575**	**3,76,575**
क. छः माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण	3,71,575	3,76,575
ख. अन्य	–	–
3. टी.डी.एस.	**2,55,052**	**1,73,068**
शुल्क और कर	–	1
टी.डी.एस. 20-21	1,73,067	1,73,067
टी.डी.एस. 21-22	81,985	–
4. अन्य वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	**3,68,353**	**11,83,096**
उपार्जित ब्याज	–	4,04,540
बैण्ड प्रतियोगिता	31,064	31,064
परिक्षा पे चर्चा	2,26,196	2,26,196
ध्रुव	1,11,093	5,21,296
5. नकद तथा बैंक शेष	–	–
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. नकद शेष (आर.ओ.)	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में	**4,52,19,673**	**5,28,31,704**
बचत खातों में	4,52,19,673	5,28,31,704
सावधि जमा खातों में	–	–
बचत खातों में	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में (गैर योजना)		
बचत खातों पर एच.क्यू. के साथ	–	–
बचत खातों पर आर.ओ. के साथ	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रक्रमण शुल्क पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक सीमैट एच.क्यू. पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रतिभूति जमा एच.क्यू. पर	–	–
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया सीमैट एच.क्यू. पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक एन.वी.ई.क्यू.एफ. लेखा पर	–	–
ख. अनुसूचित बैंकों में (योजनागत)		
बचत खातों पर एच.क्यू. के साथ	–	–
बचत खातों पर आर.ओ. के साथ	–	–
कुल	**4,62,14,653**	**5,45,64,443**

अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (बिना ब्याज सहित)		
क. विविध अग्रिम	–	–
ख. त्यौहार	–	–
ग. चिकित्सा अग्रिम	–	–
घ. अग्रदाय अग्रिम	–	–
ड. अन्य (कम्प्यूटर)	–	–
च. एल.टी.सी. अग्रिम	–	–
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम (ब्याज सहित)	**23,992**	**33,864**
क. वाहन ऋण	–	–
ख. आवास ऋण	–	–
ग. अन्य (कम्प्यूटर)	23,992	33,864
3. अग्रिम तथा नकद अथवा अन्य प्रकार से वसूली योग्य अन्य राशियां	**4,29,32,366**	**5,19,55,841**
क. पूंजी खाते पर		
i सी.पी.डब्लयू डी. को अग्रिम	3,48,54,367	4,15,82,819
ख. आपूर्तिकर्ताओं को		
i डी.टी.सी. को अग्रिम	–	1,59,875
ii राज्यों को सहायता	39,76,263	56,39,949
iii बीएसईएस से प्राप्य राशि	17,052	21,829
iv केंद्रीय भंडार को अग्रिम	–	–
ग. अन्य पक्ष	–	–
घ. ओ. बी. ए. अग्रिम	40,82,909	44,67,016
ड. सीजीएचएस को अग्रिम	–	–
च. अन्य	1,775	1,775
छ. मुख्य आंतरिक रसीद से वसूली योग्य राशि	–	82,578
4. पूर्वदत्त व्यय	**8,04,259**	–
क. बीमा	–	–
ख. अन्य व्यय	8,04,259	–
5. जमा	**46,975**	**66,486**
क. टेलीफोन	–	–
ख. लीज़/किराया	–	–
ग. बिजली	20,175	21,975
घ. अन्य (जमा)	26,800	44,511
कुल	**4,38,07,592**	**5,20,56,191**

अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
विद्यार्थियों से शुल्क		
शैक्षिक		
1. संबद्धता शुल्क	73,000.00	81,500.00
2. प्रवेश शुल्क	–	–
3. नामांकन शुल्क	–	–
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	–	–
5. प्रयोगशाला शुल्क	–	–
6. कला एवं शिल्प शुल्क	–	–
7. पंजीकरण शुल्क	–	–
8. पाठ्यक्रम शुल्क	–	–
कुल (क)	**73,000.00**	**81,500.00**
परीक्षाएं		
1. दाखिला परीक्षा शुल्क	–	–
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	–	–
3. अंक पत्र, प्रमाण-पत्र शुल्क	–	–
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	–	–
कुल (ख)	**–**	**–**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	–	–
2. जुर्माना/विविध शुल्क/दंड शुल्क	–	–
3. चिकित्सा शुल्क	–	–
4. परिवहन शुल्क	–	–
5. छात्रावास शुल्क	2,41,800.00	–
6. संस्थानों से प्रसंस्करण का शुल्क	–	–
7. बीबीके प्राप्तियां	–	2,498.00
कुल (ग)	**2,41,800.00**	**2,498.00**
प्रकाशनों की बिक्री		
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों आदि की बिक्री	–	–
2. प्रवेश प्रपत्रों सहित विवरणिका (प्रोस्पैक्टस) की बिक्री	1,080.00	–
3. अन्य	–	–
कुल (घ)	**1,080.00**	**–**
अन्य शैक्षिक प्राप्तियां		
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	–	–
2. सदस्यता शुल्क	800.00	–
कुल (ड़)	**800.00**	**–**
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ड़)	**3,16,680.00**	**83,998.00**

अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

राशि रुपयों में

विवरण	पूंजी	वेतन	सामान्य	एनईआर सामान्य	एनईआर पूंजी	2021-22	2020-21
पिछले वर्ष का शेष (31.03.2021 की स्थिति के अनुसार अव्ययित शेष)	65,77,791	69,96,481	91,89,808	7,362	12,50,000	2,40,21,442	1,94,56,020
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	34,22,000	7,94,44,000	11,75,00,000	–	–	20,03,66,000	15,48,23,000
घटायें : पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल	99,99,791	–	43,62,775	–	–	1,43,62,566	5,37,875
जोड़ें : अप्रयुक्त अनुदान की वापसी	–	–	–	–	–	–	–
शेष	–	8,64,40,481	12,23,27,033	7,362	12,50,000	21,00,24,876	17,37,41,145
घटायें : 31.03.2022 की स्थिति के अनुसार अव्ययित शेष	–	63,88,046	84,55,016	7,362	12,50,000	1,61,00,424	2,40,21,442
राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया	–	**8,00,52,435**	**11,38,72,017**	–	–	**19,39,24,452**	**14,97,19,703**

अनुसूची-11 – निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
1. ब्याज		
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर		
ख. अन्य डिबेंचर/बंध पत्र		
2. सावधि जमा पर ब्याज		**9,01,945**
क. पटियाला स्टेट बैंक में सावधि जमा पर ब्याज		
ख. आई.सी.आई.सी.आई. – सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज		
ग. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रतिभूति जमा में सावधि जमा पर ब्याज		
घ. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रसंस्करण शुल्क में सावधि जमा पर ब्याज		
ड. भारतीय स्टेट बैंक सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज		
च. आई.सी.आई.सी.आई. – एन.वी.ई.क्यू.एफ.में सावधि जमा पर ब्याज		
छ. केनरा बैंक–आंतरिक रसीद में सावधि जमा पर ब्याज	7,77,204	
(उपरोक्त राशि प्रोदभूत ब्याज सहित दर्शाई गई हैं)		
3. यू.जी.सी. अनुदानों पर ब्याज		
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज		
5. अन्य (सी.पी.एफ.)		
कुल	**7,77,204**	**9,01,945**
निश्चित/एंडोमेंट निधि में अंतरित राशि		
शेष	**7,77,204**	**9,01,945**

अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		
i. योजनागत		
क. केनरा बैंक	4,36,452	6,52,407
ख. एम.एस.जे.ई.	–	–
ii. योजनेत्तर		
क. केनरा बैंक योजनेत्तर	–	–
2. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/ स्टाफ	2,128	3,507
ख. अन्य	–	–
3. देनदारों तथा अन्य प्राप्ति योग्य मदों पर		
क. प्रतिभूति जमा	21,315	–
ख. देनदारों से प्राप्त ब्याज		–
कुल	**4,59,895**	**6,55,914**

अनुसूची-13 – अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. छात्रावास कक्षों का किराया	–	–
2. लाईसेंस शुल्क	73400	68,263
3. ऑडिटोरियम/खेल के मैदान/सुविधा केन्द्र का बुकिंग शुल्क	–	–
4. वसूले गये बिजली बिल		7,120
5. वसूला गया जल शुल्क		1,257
6.	–	24,900
कुल	**73,400**	**1,01,540**
ख. संस्था के प्रकाशनों की बिक्री	–	–
ग. कार्यक्रम के आयोजनों से आय		
1. वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों से सकल प्राप्ति	–	–
घटायें : वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
2. उत्सव/मेला आयोजन से सकल प्राप्तियां	–	–
घटायें : उत्सव/मेला आयोजन पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
3. शैक्षिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां	–	–
घटाएं – शैक्षिक भ्रमणों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
4. अन्य (निर्दिष्ट करें तथा अलग से विवरण दें)	–	–
कुल	**–**	**–**
घ. अन्य		
1. परामर्शी सेवाओं से आय	–	–
2. जनसूचना अधिकार शुल्क	2,910	–
3. रॉयल्टी से आय	–	–
4. प्रवेश प्रपत्र की बिक्री	–	316
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)	50	1,663
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ		–
क. स्वामित्व वाली परिसंपत्तियां		–
ख. नि:शुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	–	–
7. संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा कल्याणकारी संस्थाओं से प्राप्त दान/अनुदान	–	–
8. अन्य	40,316	68,674
9. गत अवधि की आय	–	–
10. ट्राई (TRAI) से वसूली	–	–
11. CGHS कर्मचारी	2,27,900	2,39,400
12. CGHS पेंशनर्स	–	16,900
13. कर्मचारियों के वेतन से वसूली	89,437	2,88,758
14. सामान्य वसूली		–
15. सदस्यता शुल्क	–	1,800
कुल	**3,60,613**	**6,17,511**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ)	**4,34,013**	**7,19,051**

अनुसूची-14 – गत अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
1. शैक्षिक प्राप्तियां	–	–
2. निवेश से आय	–	–
3. अर्जित ब्याज	–	–
4. अन्य आय	2,56,329	13,546
कुल	**2,56,329**	**13,546**

अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
क. वेतन एवं मजदूरी	5,62,76,871	6,15,18,619
ख. भत्ते एवं बोनस	6,23,29,675	1,98,79,167
ग. एल.टी.सी. सुविधा	51,646	8,830
उप-जोड़	**11,86,58,192**	**8,14,06,616**
घ. भविष्य निधि में योगदान	–	–
ड़. एनपीएस में योगदान	20,54,225	14,71,515
च. स्टाफ कल्याण पर व्यय	–	–
छ. सेवानिवृत्ति लाभ	12,72,60,849	11,81,31,429
ज. चिकित्सा सुविधा	27,05,458	42,73,936
झ. संतान शिक्षा भत्ता	–	8,10,000
ञ. जीवन निर्वाह भत्ता	–	–
ट. मानदेय	–	–
ठ. छुटी वेतन, पेंशन एवं ग्रेच्युटी अंशदान	–	–
ड. सहायक लेखा अधिकारी की सेवानिवृत्ति पेंशन योगदान	1,38,421	88,500
उप-जोड़	**13,21,58,953**	**12,47,75,380**
जोड़	**25,08,17,145**	**20,61,81,996**

अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ (31.03.2021)

राशि रुपयों में

विवरण	पेंशन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
क. 01.04.2021 को प्रारम्भिक शेष	**91,91,46,617**	**6,40,16,813**	**3,95,39,459**	**1,02,27,02,889**
ख. घटायें : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान				
(i) वर्ष के दौरान अदा किये गए सेवानिवृत्ति लाभ मासिक पेंशन सहित	2,86,80,964	64,30,733	33,36,681	**3,84,48,378**
(ii) वर्ष के दौरान छुट्टी नकदीकरण	–	–	–	–
ग. शेष उपलब्ध	**89,04,65,653**	**5,75,86,080**	**3,62,02,778**	**98,42,54,511**
घ. वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2022 को तुलन पत्र में अपेक्षित प्रावधान	10,06,619,886	6,06,97,755	4,41,97,719	**1,11,15,15,360**
ड़. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग) आय और व्यय खाते में	**11,61,54,233**	**31,11,675**	**79,94,941**	**12,72,60,849**

अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
क. प्रयोगशाला व्यय	–	–
ख. क्षेत्रकार्य/सम्मेलनों में भाग लेना	–	–
ग. सेमिनार/कार्यशाला व्यय	13,17,653	14,36,437
घ. अतिथि अध्यापकों को भुगतान	–	–
ङ. सीमैट एवं जी.पी.ए.टी. परीक्षा	–	–
च. विद्यार्थी कल्याण व्यय	–	–
छ. दाखिला व्यय	–	–
ज. दीक्षांत व्यय	–	–
झ. प्रकाशन	–	–
ञ. वृत्तिका सह मैरिट वजीफा	–	–
ट. अभिदान व्यय	–	–
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	3,88,568	1,37,627
ड. पुरस्कार वितरण व्यय	–	–
कुल	**17,06,221**	**15,74,064**

अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
क. आधारभूत संरचना		
क. बिजली	46,00,719	39,24,680
ख. जल शुल्क	4,14,930	5,16,822
ग. बीमा	–	–
घ. किराया, दर तथा टैक्स (प्रोपर्टी टैक्स सहित)	20,84,401	20,84,401
ख. संचार	–	–
ड. पोस्टेज तथा लेखन सामग्री	5,178	6,674
च. टेलीफोन, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	3,11,534	2,95,414
ग. अन्य	–	–
छ. मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोज्य)	3,76,588	4,73,942
ज. यात्रा तथा परिवहन व्यय	49,086	98,293
झ. हॉस्टल मेस शुल्क	18,636	1,960
ञ. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	71,640	1,46,920
ट. व्यवसायिक प्रभार	10,05,590	3,55,026
ठ. विज्ञापन एवं प्रचार	2,66,274	2,11,132
ड़. पत्रिकाएं एवं जरनल	6,745	10,156
ढ. वार्षिक अनुरक्षण प्रभार	–	–
ण. गैर-अधिकारिक टी.ए./डी.ए. व्यय	–	–
त. अधिकारिक टी.ए./डी.ए. व्यय	–	–
थ. स्थानांतरण टी.ए./डी.ए. व्यय	–	–
द. कार्यशाला अभिलेखागार और उपकरणों पर व्यय	–	–
ध. विविध कार्यालयी व्यय	2,09,853	5,95,397
न. बागवानी व्यय	–	–
प. कार्यक्रम संबंधी कार्यकलाप	9,037	15,368
फ. गृह प्रबंध एवं सुरक्षा	1,76,15,978	1,67,64,528
ब. कार्यालयी व्यय	–	–
भ. अतिथि गृह/आवास व्यय	–	–
म. आंतरिक प्राप्तियां व्यय	–	–
य. मिनी ट्रेन चलाने से संबंधित खर्चे	8,521	5,881
र. बा.भ.के. व्यय	–	–
ल. बा.भ.के. परियोजना व्यय	–	–
कुल	**2,70,54,710**	**2,55,06,594**

अनुसूची-18 – परिवहन व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व वाले वाहन)	–	–
क. वाहन चलाने संबंधी व्यय	–	–
ख. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
ग. बीमा व्यय	–	–
घ. कार पार्किंग व्यय	–	–
2. किराये/लीज़ पर लिये गये वाहन	–	–
क. किराया/लीज़ संबंधी व्यय	–	–
3. वाहन (टैक्सी) किराये पर लेने का व्यय	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
क. भवन	12,47,690	13,05,425
ख. फर्नीचर एवं साज-सज्जा	–	21,375
ग. पौधे एवं मशीनरी	–	–
घ. कार्यालय उपकरण	1,52,787	85,733
ड. संगीत/वाद्य यंत्र	–	–
च. दृश्य श्रव्य उपकरण	9,440	–
छ. साफ-सफाई संबंधी सामग्री एवं सेवाएं	38,794	26,797
ज. उपकरण	–	32,527
झ. बागवानी	84,550	43,280
ञ. बिजली का सामान	3,66,462	9,92,840
ट. अन्य (मरम्मत)	91,390	73,406
कुल	**19,91,113**	**25,81,383**

अनुसूची-20 – वित्त लागत

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
क. बैंक शुल्क	12,654	9,216
ख. अन्य (निर्दिष्ट करें)	540	–
कुल	**13,194**	**9,216**

अनुसूची-21 – अन्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
क. अशोध्य/संदिग्ध ऋण/अग्रिमों हेतु की गई व्यवस्था	–	–
ख. काट दिये गये अप्राप्य शेष	–	–
ग. अन्य संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी/अनुदान	–	–
घ. आयकर का भुगतान	19,511	15,26,810
ड़. स्थायी परिसंपत्तियों से हानि	–	–
कुल	**19,511**	**15,26,810**

अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2021-22	2020-21
1. स्थापना व्यय	–	–
2. शैक्षिक व्यय	–	–
3. प्रशासनिक व्यय	–	30,000
4. परिवहन व्यय	–	–
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
6. अन्य व्यय	1,89,15,808	1,33,03,358
कुल	**1,89,15,808**	**1,33,33,358**

जी.पी.एफ खाता – 31 मार्च 2022 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2021-22	2020-21	परिसंपत्तियां	2021-22	2020-21
पूंजी खाता			**निवेश**		
रिजर्व एवं अधिशेष			केनरा बैंक में सावधि जमा	5,55,26,238	5,90,25,040
प्रारंभिक शेष	(24,96,381)	(13,78,532)	सरकारी प्रतिभूति	2,13,030	2,13,030
व्यय पर आय की अधिकता	(18,74,557)	(11,17,849)	जी.पी.ओ. नई दिल्ली	16,759	16,759
अंतिम शेष	**(43,70,938)**	**(24,96,381)**			
ऋण (देयताएं)					
सामान्य भविष्य निधि					
01.04.2021 को आरंभिक शेष	6,64,13,069	6,71,53,244	प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं	–	–
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	98,94,800	1,05,78,100			
जोड़ें : ब्याज	42,26,458	42,02,756	**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
घटाएं : आहरण/अंतिम भुगतान	1,61,53,497	1,55,21,031	हाथ रोकड़	–	–
अंत शेष	**6,43,80,830**	**6,64,13,069**	बैंक खाते	27,04,067	31,12,061
			टी.डी.एस.	11,39,828	11,39,828
अंशदायी भविष्य निधि			मुख्य से वसूली योग्य राशि	4,09,970	4,09,970
01.04.2021 को आरंभिक शेष	–	48,16,093			
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	–	–			
जोड़ें : ब्याज	–	–			
घटाएं : आहरण	–	48,16,093			
अंत शेष	–	–			
मुख्य को देय राशि	–	–			
कुल अग्रेनीत	**6,00,09,892**	**6,39,16,688**	**कुल**	**6,00,09,892**	**6,39,16,688**

संबंधित कर्मचारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

जी.पी.एफ. खाता
31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2021-22	2020-21	आय	2021-22	2020-21
प्रत्यक्ष व्यय			**अप्रत्यक्ष आय**		
जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	45,16,212	45,47,419	सावधि जमा पर ब्याज (सकल)	25,57,041	32,69,702
सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	–	–	बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	84,686	1,54,292
बैंक प्रभार	72	1,740	टीडीएस वापसी पर ब्याज	–	7,316
			विविध वसूली	–	–
व्यय पर आय की अधिकता	–	–	आय पर व्यय की अधिकता	18,74,557	11,17,849
कुल	**45,16,284**	**45,49,159**	**कुल**	**45,16,284**	**45,49,159**

संबंधित कर्मचारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2021-22	2020-21	अदायगियां	2021-22	2020-21
आरंभिक शेष			**ऋण (देयताएं)**		
बैंक	31,12,061	18,66,980	जी.पी.एफ. से आहरण	1,61,53497	1,55,21,031
			सी.पी.एफ से आहरण	–	48,16,093
प्राप्त अंशदान			**प्रत्यक्ष व्यय**		
जी.पी.एफ. अभिदान (कर्मचारियों का)	98,94,800	1,05,78,100	जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	2,89,754	3,44,663
			सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	–	–
सी.पी.एफ. अंशदान					
कर्मचारियों का अभिदान	–	–	बैंक प्रभार	72	668
बोर्ड का अंशदान	–	–			
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	84,686	1,54,292	**निवेश**		
मियादी जमा पर ब्याज (निवल)	1,53,339	30,52,192	विजया बैंक में एफ.डी.आर.	–	–
टीडीएस वापसी पर ब्याज	–	–			
विविध वसूली	–	–			
परिपक्व एफ.डी.आर.			केनरा बैंक में एफ.डी.आर.	–	5,90,25,040
केनरा बैंक	59,02,504	6,71,80,044			
विजया बैंक	–	–	मुख्य के लिए देय राशि	–	12,052
आई.डी.बी.आई. बैंक	–	–			
अन्य प्राप्तियां			**अंत शेष**		
अन्य प्राप्तियां/टीडीएस वापसी	–	–	बैंक	27,04,067	31,12,061
कुल	**1,91,47,390**	**8,28,31,608**	**कुल**	**1,91,47,390**	**8,28,31,608**

संबंधित कर्मचारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2022 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2021-22	2020-21	परिसंपत्तियां	2021-22	2020-21
वर्तमान देयताएं					
आरंभिक शेष	1,62,964.00	1,58,155.00	बैंक में शेष	1,67,741.00	1,62,964.00
		-			
व्यय पर आय की अधिकता	4,777.00	4,809.00			
अंत: शेष	**1,67,741.00**	**1,62,964.00**			
कुल	**1,67,741.00**	**1,62,964.00**		**1,67,741.00**	**1,62,964.00**

संबंधित कर्मचारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2021-22	2020-21	आय	2021-22	2020-21
			प्राप्त ब्याज		
बैंक प्रभार	–	–	केनरा बैंक से	4,777.00	4,809.00
एन.एस.डी.एल.	–	–			
			प्राप्त अंशदान		
			कर्मचारियों से	–	–
			नियोक्ता से	–	–
व्यय पर आय की अधिकता	**4,777.00**	4,809.00			
कुल	**4,777.00**	**4,809.00**	**कुल**	**4,777.00**	**4,809.00**

संबंधित कर्मचारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

एन.पी.एस. खाता

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2021-22	2020-21	अदायगियां	2021-22	2020-21
आरंभिक शेष			एन.एस.डी.एल.		
बैंक	1,62,964	1,58,155			
प्राप्त अंशदान			**अंशदान का भुगतान**		
कर्मचारियों का अंशदान	16,31,488	14,69,812	कर्मचारियों का अंशदान	16,31,488	14,69,812
नियोक्ता का अंशदान	19,76,364	14,69,812	नियोक्ता का अंशदान	19,76,364	14,69,812
			बैंक प्रभार	–	–
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	4,777	4,809			
			अंतिम शेष		
			बैंक	1,67,741	1,62,964
कुल	**37,75,593**	**31,02,588**	**कुल**	**37,75,593**	**31,02,588**

संबंधित कर्मचारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखे

क. वित्तीय विवरण परम्परागत रूप से लागत के आधार पर तैयार किये जाते हैं। यदि और कोई विशेष निर्देश न दिया गया हो तो सामान्यत: इन्हें प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ख. राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा जी.पी.एफ. एन.पी.एस. तथा मुख्य खाता आदि के लिए अलग-अलग लेखे तैयार किये जाते हैं।

ग. शुल्क/अभिदान के रूप में प्राप्त सभी राशियों तथा अप्रयुक्त अनुदान की वापसी का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है।

2. सहायता एवं अनुदान

अनुदान का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है तथा पूंजीगत प्रकार के व्ययों को छोड़कर इन्हें आय तथा व्यय खाते में क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। (इस राशि को सीधे पूंजीगत निधि में क्रेडिट किया जाता है।)

3. अचल परिसंपत्तियां तथा मूल्यह्रास

क. अचल परिसंपत्तियों का विवरण अधिग्रहण की कीमत में से मूल्यह्रास को घटाकर दिया जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन को उपहार के तौर पर प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को संस्थान की परिसंपत्तियों के साथ ही मिला कर लिखा गया है। उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का लेखा उनकी विक्रय कीमत के आधार पर किया जाता है।

ख. अप्रचलित/सेवा के अयोग्य परिसंपत्तियों, यदि कोई हो, तो उनकी बिक्री से प्राप्त आय को 'विविध प्राप्तियां' शीर्ष के अंतर्गत दिखाया जाता है।

4. मूल्यह्रास

4.1 इस वर्ष के दौरान मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी लेखों के मानकीकरण हेतु निश्चित किये गये नये फार्मेट में दी गई निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया गया है। इससे पहले अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता था।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों में परिवर्धन की स्थिति में मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है तथा अचल परिसंपत्तियों से राशि घटाने के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता।

5. विशिष्ट व्यय/अदायगी

क. मुद्रण एवं लेखन सामग्री

मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर खर्च की गई राशि को प्रोदभूत होने पर व्यय के रूप में लिखा जाता है। अंतिम स्टॉक के लेखों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता क्योंकि इसकी लागत निश्चित नहीं है।

ख. टेलीफोन जमा राशि

टेलीफोन तथा अनुषंगी सुविधाओं के लिए जमा को स्थापना/इनके लगने के वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया है और निवल मूल्य के लिए प्रभारों/व्यय की गणना की गई है।

6. सभी जमा/निवेश पर ब्याज का लेखा भी प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

7. कर्मचारियों का वेतन/हितलाभ

क. राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों पर कुल मिलाकर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी सेवा नियम लागू होते हैं।

ख. सेवानिवृत्ति हित लाभों का लेखाकरण मानक संख्या 15 के अनुसार अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ग. राष्ट्रीय बाल भवन अपने कर्मचारियों के लिए अलग से भविष्यनिधि खाता अनुरक्षित रखता है।

लेखा नोट्स

1. संसद द्वारा अनुमोदित बजट के आधार पर सरकार की ओर से प्राप्त अनुदान राष्ट्रीय बाल भवन की प्राप्तियों का प्रमुख स्रोत है। प्राप्त अनुदान (पूंजीगत प्रकृति के व्ययों के समायोजन के पश्चात) का लेखा आय तथा व्यय खाते में किया जाता है, यद्यपि राष्ट्रीय बाल भवन की वास्तविक आय इन प्रतिबंधों के चलते शून्य है कि सरकार के आदेश के बिना अनुदानों का अप्रयुक्त शेष एक वित्त वर्ष से अगले वित्त वर्ष में अंतरित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन की कोई टैक्स देयता नहीं बनती।
2. स्थापना पर व्यय, मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर व्यय आदि का लेखा लेखाकरण नीति के अनुसार किया गया है।
3. अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) में 39.76 लाख रुपये की राशि को राज्यों की सहायता राशि के रूप में दिखाया गया है जोकि 31 मार्च 2022 तक बकाया थी क्योंकि राज्य बाल भवनों से उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुए थे।
4. 31.03.2022 तक के संबंध में अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) के अनुसार 348.54 लाख रुपये की अग्रिम राशि सीपीडब्लूडी को चुकायी गई है। (जो कि पिछले वर्ष 415.82 लाख रुपये थी)।
5. चालू वर्ष में 2.56 लाख रुपये की पूर्व अवधि आय और 189.16 लाख रुपये की पूर्व अवधि व्यय को निर्धारित किया गया है।
6. पिछले वर्षों में विशेष परियोजना हेतु रा.बा.भ. को एम.एस.जे.ई. द्वारा राशि प्राप्त हुई है। 31.03.2022 तक ब्याज सहित 50.29 लाख रुपये (पिछले वर्ष 48.86 लाख रुपये) इस परियोजना के लिए रा.बा.भ. के केनरा बैंक खाते में जमा है। एमएसजेई को देय राशि (ब्याज सहित) के संबंध में खाते में प्रावधान है।
7. 8,759 रुपये की राशि को शेष राशि के रूप में दिखाई गई है जो कि काफी समय से जम्मू और कश्मीर बैंक में है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है बैंक शाखा कश्मीर में थी एवं अभी इसका पता नहीं लग पा रहा है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि इसे बट्टे-खाते में डाला जाये।
8. 3,71,575/- रुपये के विविध देनदारों (अनुसची-7) का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जैसा कि 5 वर्षों से भी अधिक समय से राशि बकाया है, अत: इस संबंध में यह सलाह दी जाती है कि यदि उक्त की वसूली नहीं हो सकती है तब शेष राशि को बट्टे खाते में डाला जाये।
9. वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए शिक्षा मंत्रालय को देय ब्याज के लिए प्रावधान किया गया है।
10. प्रदत्त और वसूली योग्य दर्शाए गए अग्रिमों को संबंधित पक्ष/ विभाग से अन्तिम बिल की प्राप्ति/ रसीद मिलने पर अन्तिम शीर्ष में समायोजित कर दिया गया है।
11. राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन के विचार में, वर्तमान परिसंपत्तियों पर ऋण तथा अग्रिमों का मूल्य सामान्यत: वसूली पर होगा, यह कम से कम तुलन-पत्र में दर्शायी गयी राशि के बराबर होगा। सभी देयताओं (जिनकी जानकारी है) के लिए उपबंध कर दिया गया है।
12. वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आंतरिक प्राप्ति खातों को रा.बा.भ. के मुख्य खाते में मिला दिया गया है।
13. जहां कहीं आवश्यकता अनुभव हुई, पिछले वर्ष के आंकड़ों का पुन: समूहन किया गया है।
14. अंतिम लेखों में आंकड़ों को नजदीकी रुपये तक परिवर्तित कर दिया गया है।

परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

भाग ग

लेखा रिपोर्ट

2021-22

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

सत्यमेव जयते

कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय व्यय)
Office of the Director General of Audit, (Central Expenditure)
इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली–110 002
Indraprastha Estate, New Delhi -110 002

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-16/2022-23/ दिनाँक: 06.09.2022

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
शिक्षा मंत्रालय,
विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

विषय : वर्ष 2021-22 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदया/महोदय,

मैं, राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के वर्ष 2021-22 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करती हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2021-22 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है| यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

भवदीया,

संलग्नक:यथोपरि

हस्ता.
निदेशक (ए.एम.जी–III)

Ph. : 91-11-23454100
Fax : 91-11-23702271

A.G.C.R. Building, I.P. Estate, New Delhi - 110002
E-mail : dgacr@cag.gov.in

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-16/2022-23/ 835 दिनाँक: 06.09.2022

प्रति,प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति,उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित निदेशक,राष्ट्रीय बाल भवन,कोटला रोड,नई दिल्ली 110002 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है| वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की 1 प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए|

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए,जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे,इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए|

संलग्नक: यथोपरि

सौम्या
निदेशक (ए.एम.जी–III)

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-16/2022-23/ दिनाँक: 06.09.2022

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति,उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित प्रधान निदेशक (स्वायत्त निकाय), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 9, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय व्यय) के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है|

संलग्नक: यथोपरि

– हस्ता॰ –
निदेशक (ए.एम.जी–III)

राष्ट्रीय बाल भवन के 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लेखों की भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य एवं सेवा शर्त्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अन्तर्गत राष्ट्रीय बाल भवन (रा.बा.भ.) की 31 मार्च 2022 की स्थितिनुसार इसकी आय, व्यय खातों/प्राप्तियाँ एवं भुगतान की संलग्न तुलन पत्र की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2022-23 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत है। ये वित्तीय विवरणियाँ राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर राय व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा सर्वोत्तम लेखांकन प्रणालियों के अनुपालन, लेखांकन मानदण्डों तथा प्रकटीकरण मानदण्डों के अनुरूप वर्गीकरण के सम्बंध में लेखांकन व्यवहार्यता आदि पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ अन्तर्विष्ट है। विधि, नियम एवं विनियम (प्रापराईटी एवं नियमितता) के अनुपालन एवं दक्षता-सह-कार्यनिष्पाय के सम्बंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों, यदि कोई हों, को निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक से संसूचित किया गया है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा को भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखांकन मानदण्डों के अनुरूप संचालित किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम इस अतिज्ञान का वित्तीय विवरणियाँ सारवान दुष्कथन से मुक्त है, इस आशय का उचित आश्वासन हासिल करने के लिए हम अंकेक्षक की आयोजना और इस निष्पादन करते है। किसी भी लेखा परीक्षा में राशियों का अनुसमर्थन करने वाले साक्ष्यों एवं वित्तीय विवरणियों के तथ्यों का परिक्षण आधार पर पड़ताल करना शामिल है। लेखा परीक्षा में लेखांकन के सिद्धान्तों के साथ-साथ प्रबन्धन द्वारा किया गया पर्याप्त मूल्यांकन और वित्तीय विवरणियों की सम्यक प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा में हमारी राय के लिए पर्याप्त आधार विद्यमान रहता है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते है कि :-

(i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण हासिल कर लिए, किंतु रिपोर्ट में उल्लिखित बातों को छोड़कर जो कि हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोगनार्थ आवश्यक थे और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार है।

(ii) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते/प्राप्तियाँ और भुगतान खाता भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार किए गए है।

(iii) हमारी राय में, रिपोर्ट में यथाउल्लिखित संदर्भो को छोड़कर, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा समुचित लेखा बहियां व अन्य संगत रिकार्डो का रख-रखाव किया गया है, जहाँ तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से ज्ञात हुआ है।

(iv) हम यह भी रिपोर्ट करते है कि :-

क. तुलन पत्र

क.1 परिसम्पत्तियाँ

क.1.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) - 6.86 करोड़ रुपये

भूमि और भवन को तुलन पत्र/अनुसूची में दो पृथक खाता शीर्षो के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। यह विसंगति 2012-13 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नहीं किया गया है। इसके फलस्वरूप 2014-15 से भूमि पर गलत ह्रास प्रभावित किया जा रहा है और इसके चलते स्थायी परिसम्पत्ति व पूंजीगत निधि खाते की संगणना नहीं की जा सकी है।

परिसम्पत्ति रजिस्टर में प्रत्येक भूमि के क्षेत्रफल को भी अलग से फ्री होल्ड और फ्री लीज के रूप में विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

क.1.2 ऋण, अग्रिमों एवं जमा राशियाँ (अनुसूची-8) – 4.38 करोड़ रुपए

उपरोक्त में मार्च 2008 से मार्च 2022 की अवधि के दौरान विभिन्न कार्यों के लिए सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए 3.49 करोड़ रुपये की अग्रिम शामिल है। इनमें से जिन प्रयोजनों के लिए 0.79 करोड़ रुपये अग्रिम दिए गए थे, उन्हें पूरा कर लिया गया है और पूर्णता प्रमाण पत्र भी प्राप्त हो गया है लेकिन समायोजन अभी भी लंबित है।

शेष अग्रिमों में से 2.64 करोड़ रुपये का कार्य भी पूर्ण हो चुका है परन्तु पूर्णता प्रमाण-पत्र/लेखा विवरण के अभाव में समायोजन नहीं किया गया है।

इसके परिणामस्वरूप ऋणों, अग्रिमों और जमाराशियों को अधिक बताया गया है और अचल संपत्तियों/व्यय को 1.48 करोड़ रुपये से कम बताया गया है।

ख. सामान्य

ख.1 वर्ष 1980-83 की अवधि से सम्बंधित जीपीएफ में से 2.13 लाख रुपये का निवेश सरकारी प्रतिभूतियों में दर्शाया गया था। इससे संबंधित रिकार्ड लेखा परीक्षा को उपलब्ध नहीं कराये गए। इसी भांति 16,759/- रुपये की राशि जीपीओ नई दिल्ली में पड़ी थी, इसे भी लेखा परीक्षा को प्रस्तुत नहीं किया गया था। यह 2011-12 से बार-बार इंगित किया जा रहा है।

रा.बा.भ. ने बताया है कि निवेश को बैंक की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। इस मामले को बैंक के साथ उठाया गया और बैंक ने सूचित किया है कि इस निवेश के रिकार्ड नहीं मिल रहे हैं और भा.रि.बैं के निर्देशों के अनुसार बैंक अपनी शाखा में रिकार्ड को 10 वर्ष से ज्यादा नहीं रख सके। रा.बा.भ. को इस मामले में निर्णय लेने और ऑडिट को सूचित करने की आवश्यकता है।

ख.2 राष्ट्रीय बाल भवन खाते में नोट्स (अनुसूची-24) इंगित करता है कि निम्नलिखित राशि को बट्टे खाते में डाल दिया जाना आवश्यक है।

(i) जे एण्ड के बैंक के पास शेष राशि के रूप में 8,759 रुपये हैं जो ट्रेस करने योग्य नहीं है, और

(ii) विविध देनदार से 3.71 लाख रुपये (अनुसूची-7) की वसूली नहीं हो पाई है। इस संबंध में अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाना चाहिए।

हालांकि, रा.बा.भ. ने उपरोक्त राशि को लेखा से बट्टे-खाते में डाल दिया है। यह पिछले वर्ष की रिपोर्ट से बताया गया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

ख.3 राज्य बाल भवन / केंद्र से उपयोग प्रमाण पत्र के प्राप्त न होने के कारण वर्ष 2012-13 से 2021-22 की अवधि के दौरान राज्य बाल भवन / बाल केंद्र को दी गई 39.76 लाख रू. की राशि आज की तारीख 31.03.2022 में बकाया है। खाते को अंतिम रूप देने से पूर्व उपयोग प्रमाण पत्र को तत्काल प्राप्त की जानी चाहिए जिससे कि व्यय वर्ष के व्यय को लाभ एवं व्यय खाते में दर्शाया जा सके और उसे खाते में अग्रमि राशि के रूप में न दर्शाया जाये। इस संबंध में वर्ष 2011-12 से निर्देश दिए गये हैं परंतु अधिक राशि के कारण अभी तक उपयोग प्रमाण पत्र विचाराधीन है।

ख.4 उद्दिष्ट / अभिहित निधि (अनुसूची) के तहत 2.51 लाख रु. की राशि को दर्शाया गया है जिसमें से वर्ष 2010-11 को प्राप्त 2.40 लाख रू. राशि महिला एवं बाल विकास कोष से संबंधित है तथा 2011-12 में प्राप्त 10,000 रू. राशि दान कोष से संबंधित है। 2011-12 में इन निधियों से कोई व्यय नहीं किया गया है। इन निधियों के नियम एवं शर्तों के तहत निधियों की निरंतरता की समीक्षा की जानी चाहिए।

इस संबंध में वर्ष 2018-19 के दौरान इंगित किया गया था। रा.बा.भ. ने उत्तर में कहा था कि इन निधियों की निरंतरता की समीक्षा की जायेगी और खतों की टिप्पणियों में इसका प्रकटीकरण किया जायेगा। परंतु उक्त संबंध में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

ग. सहायता अनुदान

वर्ष 2021-22 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय से राष्ट्रीय बाल भवन ने 2003.66 लाख रुपये की आवर्ती अनुदान के तहत सहायता अनुदान की प्राप्ति की है। इसने पिछले वर्ष की 240.21 लाख रुपये की राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान : 65.78 लाख रुपये तथा आवर्ती अनुदान : 174.43 लाख रुपये) 31 मार्च 2022 तक 2243.87 लाख रुपये की कुल निधियों में से राष्ट्रीय बाल भवन ने 2082.87 लाख रुपये की राशियों का प्रयोग किया है (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान राशि : 100.00 लाख रुपये तथा आवर्ती अनुदान राशि : 1982.87 लाख रुपये) एवं 161.00 लाख रुपये की शेष राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियां : 0 लाख रुपये एवं आवर्ती अनुदान : 161.00 लाख रुपये के निर्माण के लिए) प्रयोग में नहीं लाई गई है।

घ. प्रबन्धन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल की गई कमियों की जानकारी उपचारात्मक/ सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक से जारी प्रबन्धन पत्र के माध्यम से निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन के संज्ञान में लाई गई है।

(v) विगत पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्याधीन हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियां व भुगतान लेखा बहियों के अनुसार है।

(vi) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार पिछले पैराग्राफों में ऊपर चर्चा की गई टिप्पणियों के प्रभाव के कारण वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों और अन्य के साथ मिलकर पढ़े जाते हैं। इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित मामले भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते है:

क. जहाँ तक 31 मार्च 2022 की स्थितिनुसार राष्ट्रीय बाल भवन की स्थिति पर तुलन पत्र का सम्बंध है; और

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में कमी का सम्बंध है।

कृते और भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार की ओर से

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँक : 07.09.2022

महानिदेशक लेखा परीक्षा
(केन्द्रीय व्यय)

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. **आन्तरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**

   - राष्ट्रीय बाल भवन में अपना कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा अनुभाग/विभाग नहीं है। इनका कोई लेखा परीक्षा मैनुयल भी नहीं है। हालांकि भुगतान से संबंधित सभी फाइलों का प्री-ऑडिट किया जाता है।

2. **आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**

   - राष्ट्रीय बाल भवन का आन्तरिक नियंत्रण निम्नलिखित कारणवश अपर्याप्त है :-
   - राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा दिए गए अग्रिमों के संबंध में अप्राप्य उपयोगिता प्रमाण पत्र।
   - 2007-08 से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को दिए गए अग्रिमों का समायोजन न करना।
   - 31.03.2021 तक 52 वाह्य लेखा परीक्षा पैरा बकाया थें।
   - लेखा नियम पुस्तक का रख-रखाव नहीं किया गया है।
   - देनदारों/ऋणों एवं अग्रिमों की पुष्टि नहीं की गई है।

3. **स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   - स्थायी परिसम्पत्तियों के साथ पुस्तकों एवं प्रकाशनों की प्रत्यक्ष सत्यापन मार्च 2021 तक की गई थी।

4. **माल सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   - स्टेशनरी और अन्य उपभोज्य मदों जैसी वस्तुओं का भौतिक सत्यापन मार्च 2021 तक किया गया था।

5. **देयताओं के भुगतान में नियमितता**

   - लेखों के अनुसार, 31.03.2021 की स्थितिनुसार सांविधिक देयताओं के सम्बंध में कोई भी भुगतान छः माह से ऊपर लम्बित नहीं था।

Disclaimer

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''